रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 09 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 152 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.7	27.2
जमशेदपुर	34.9	25.6
डालटनगंज	33.4	24.0

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

2019 का वादा था
पलामू, हजारीबाग और चाईबासा को
उपराजधानी बनाने का
2024 तक आप में से किसी को
मिला क्या?

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,400
चांदी (किलो)	85,000

ब्रीफ खबरें

बजरंग पूनिया को जान से मारने की धमकी

नयी दिल्ली। हरियाणा विस चुनाव से पहले कांग्रेस का दामन थामने वाले पहलवान बजरंग पूनिया को जान से मारने की धमकी दी गई है. विदेशी नंबर से उन्हें व्हाट्सऐप पर मैसेज आया है. बजरंग ने इसकी शिकायत सोनीपत के बहालगढ़ थाने में कर दी है. कांग्रेस में जाने के दो दिन बाद बजरंग पूनिया को जान से मारने के धमकी मिली है. जिसमें लिखा गया, बजरंग कांग्रेस छोड़ दो वरना तेरे और तेरे परिवार के लिए ये अच्छा नहीं होगा. ये हमारा आखिरी संदेश है.

बेटी के पेरेंटस बने दीपिका और रणवीर

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह मम्मी-पापा बन गए हैं. दीपिका ने एक बेटी को जन्म दिया है. शनिवार को दीपिका अस्पताल में एडमिट हुईं. रविवार को दोपहर में दीपिका ने बेटी को जन्म दे दिया है. बताया कि बेटी के जन्म की घोषणा दीपिका खुद सोशल मीडिया पर की है.

'मैं गलती मानता हूं परिवार तोड़ना गलत'

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर परिवार और राजनीति के टकराव ने तूल पकड़ लिया है. डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा है कि उन्हें अपनी गलती का एहसास हो गया है, समाज परिवारों में दरार पसंद नहीं करता. उन्होंने गढ़चिरौली की सभा में यह बात कही. अजित का दर्द एक बार फिर उभर आया, वह पुराना जख्म जिसने परिवार को तोड़ दिया. गढ़चिरौली की सभा में उन्होंने परिवार को राजनीति से ऊपर का दर्जा दिया और कहा कि परिवार तोड़ने की गलती समाज द्वारा पसंद नहीं की जाती.

छग में ठनका से एक ही गांव के सात मरे

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में ठनका का कहर बरपा है. यहां वज्रपात की चपेट में आने से एक ही गांव के सात लोगों की मौत हो गई. वहीं चार लोगों की हालत गंभीर है. बताया जा रहा कि सभी लोग तालाब के किनारे पेड़ के नीचे बैठकर बात कर रहे थे. तभी अचानक मौसम बदला और ठनका गिरा, जिसकी चपेट में आने से सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई.

देश में मिला एमपॉक्स का पहला संदिग्ध केस

नयी दिल्ली। देश में मंकीपॉक्स का पहला संदिग्ध मामला सामनेआया है. मरीज एक युवक है, जिसने हाल ही में एमपॉक्स से जूझ रहे देश की यात्रा की है. युवक को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उसे आइसोलेशन में रखा गया है. डब्ल्यूएचओ ने एमपॉक्स को ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया है और कई देशों में इसके बड़ी संख्या में मामले सामने आए हैं. भारत सरकार भी एमपॉक्स को लेकर कई दिनों से सतर्क है.

भारत से शेख हसीना को वापस मांगेंगे

ढाका। बांग्लादेश ने रविवार को कहा कि वह भारत से पूर्व पीएम शेख हसीना को वापस लाने के लिए कदम उठाएगा, ताकि उनके खिलाफ सामूहिक हत्याओं के मामले में मुकदमा चलाया जा सके. अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के लिए बांग्लादेश के नवनियुक्त मुख्य अभियोजक ने रविवार को यह जानकारी दी.

कार्यक्रम : गुवा गोलीकांड के शहीदों को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि, कहा

डबल इंजन की सरकार ने दोनों हाथों से झारखंड को लूटा: हेमंत

शैलेश सिंह। किरीबुरु

सीएम हेमंत सोरेन ने रविवार को भाजपा पर जम कर निशाना साधा. कहा कि जबल इंजन की सरकार ने दोनों हाथों से इस राज्य को लूटा. चंपाई सोरेन पर तंज कसते हुए कहा कि अपने बीच कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो इस लड़ाई को छोड़ कर अलग राह चले गए. हमलोगों ने खुद को समेटा और इस लड़ाई को जारी रखने का फैसला लिया. सीएम गुवा गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद नोवामुंडी में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि अलग राज्य मिलेगा. लेकिन लड़ाई जारी रही और कामयाबी भी मिली. तब इन लोगों (भाजपा) ने कहा कि अलग राज्य मिलने से क्या होगा. सत्ता तो हमारे हाथ में ही रहेगी. हुआ भी यही. सत्ता में वही लोग बैठ गए, जो इस राज्य को चूस रहे थे.

सीएम ने कहा कि हम राज्य की महिलाओं को मजबूत बनाएंगे. इसलिए मईंया सम्मान योजना की शुरुआत की. आधी आबादी को मजबूत करने का काम कर रहे हैं. इस योजना का लाभ अब 18 से 50 साल तक की महिलाओं को मिल रहा है. सीएम ने कहा कि कोयला से मिलने वाली रॉयल्टी का एक लाख 36 हजार करोड़ रुपया मिल जाए, तो झारखंड में आर्थिक खुशहाली आ जाएगी. लेकिन केंद्र का इस ओर ध्यान नहीं है. ये लोग सोचते हैं कि आदिवासी बोका है. जब कोरोना खत्म हुआ, तो इन लोगों ने ईडी सहित अन्य जांच एजेंसियां लगा दी. दो साल चूहा-बिल्ली के खेल में लग गए. लेकिन इनको कोई सबूत नहीं मिला, तो जबरन मुझे जेल में डाल दिया. अब क्या करेंगे, फांसी पर लटकाएंगे क्या? अब तो ये लोग हमारे पूरे परिवार को जेल भेजने की तैयारी कर रहे हैं.

गुवा के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद आयोजित कार्यक्रम में लाभुक से बातचीत करते सीएम हेमंत सोरेन.

बोले सीएम

- झारखंड को गरीब बना कर यहां के मजदूरों को ट्रेनों में भर भर कर ले जा रही है केंद्र सरकार
- पूर्ववर्ती सरकार ने अगर सही नीति बनाई होती, राज्य खुशहाल होता, पलायन भी रुक जाता
- **चंपाई पर कसा तंज :** कुछ लोग ऐसे भी हैं अपने ही बीच ,जो अलग राह चले गये

झारखंड को कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था

सीएम ने कहा कि झारखंड को कभी सोने की चिड़िया भी कहा जाता था. शायद चिड़िया माइंस का भी नामाकरण भी इसलिए किया गया. अफसोस इस बात का है कि खनिज संपदा से भरे इस राज्य की गिनती देश के गरीब राज्यों में की जाती है. हकीकत यह है कि हमसे धनी कोई राज्य नहीं है. अगर सही नीति बनती तो यहां के लोग भूखे नहीं रहते. यहां के लोगों को मजदूर बना कर रखा गया. जब देश के नीति निर्धारक ये कसम खाकर बैठे हैं, तो हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है. यहां देश की सबसे अधिक खनिज संपदा है. इसके बावजूद देश का सबसे गरीब राज्य झारखंड है. डबल इंजन की सरकार ने झारखंड को मजदूरों का राज्य बना कर रख दिया. भारत सरकार यहां के मजदूरों को ट्रेन में भर-भर कर ले जा रही है. सीएम ने कहा कि गांवों में इतनी गरीबी व बीमारी है कि लोगों को महाजनों से कर्ज लेना पड़ता था. इसी लिए हमने मंईयां योजना शुरू की. हर महिला को अभी 12 हजार सालाना दे रहे हैं. आगे चल कर इस राशि को एक-एक लाख रुपए करेंगे. अब हमारे घर की बेटियां बोझ नहीं हैं. सरकार बेटियों की शिक्षा का सारा खर्च सरकार उठाएगी. उच्च शिक्षा के लिए 15 लाख रुपए का कर्ज बैंक से तत्काल मिल जाएगा. कल्याण विभाग के छात्रावासों में बच्चों को मुफ्त में खाना दे रहे हैं. मानकी-मुंडा के मानदेय को दोगुना करने का काम किया.

सीएम ने दिया गुवा के शहीदों को सम्मान: दीपक बिरुवा

मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन ने गुवा के 11 शहीदों के आश्रितों को सम्मान व नौकरी देने का कार्य किया. भाजपा ने 15 लाख गरीबों के खाते में डालने और दो करोड़ नौकरी देने की बात की थी, लेकिन कितने को मिली. दूसरी तरफ हेमंत सरकार ने 18 से 50 साल तक की महिलाओं को सम्मान राशि देना शुरू कर दिया है. भाजपा वाले गरीबों को महंगी बिजली देते थे, लेकिन हेमंत ने 200 यूनिट तक बिजली फ्री कर दी. भाजपा ने सारे प्राथमिक स्कूलों को बंद कर दिया था, लेकिन इस सरकार ने सभी स्कूलों को चालू कर दिया.

सीएम हेमंत सोरेन ने तेज की विकास की गति: जोबा मांझी

सांसद जोबा माझी ने कहा कि गुवा के शहीदों को मुख्यमंत्री ने नौकरी व सम्मान दिया. 2019 में हमारी सरकार बनने के बाद झारखंड के विकास की गति तेज हुई. निचले तबके के लोगों को लाभ मिलना शुरू हुआ. महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं प्रारम्भ हुई हैं. 2024 चुनावी वर्ष है, बहुत लोग ऐसे आएंगे जो सरकार की योजनाओं को बंद कराने का प्रयास करेंगे, आपको गुमराह करेंगे, लेकिन आपको हेमंत सोरेन के हाथों को मजबूत करने का संकल्प लेना है. कोल्हान की सभी 14 सीट हेमंत सोरेन की झोली में जाएंगी.

फारूक अब्दुल्ला का अमित शाह पर पलटवार

इन्होंने पहले राम को बेचा अब हिंदुओं को डरा रहे हैं

एजेंसी। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में इस महीने विधानसभा चुनाव होने को हैं. इससे पहले राजनीतिक गलियारों में आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है. इस बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने रविवार को कहा है कि आगामी विधानसभा चुनावों में एनसी और कांग्रेस की गठबंधन ही जीतेगी. फारूक अब्दुल्ला ने अमित शाह के शनिवार के बयान परपलटवार करते हुए कहा कि यह गठबंधन जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलवा कर रहेगा. रविवार को मीडिया से बातचीत करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा, जिस भारत को वह बनाना चाहतेहैं, हम उस भारत के खिलाफ हैं. भारत सबका है. हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और जितने भी लोग यहां रहते हैं, वो सभी भारत के हैं. हम घुसपैठिया नहीं हैं. हम मंगलसूत्र लेने वाले नहीं हैं. फारूक अब्दुल्ला ने कहा, जो मुसलमानों पर ऊंगली उठा रहे हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि मुसलमानों ने भी इस मुल्क की आजादी के लिए काम किया है, जानें दी हैं. मुसलमान बराबर का हिस्सेदार है वतन की आजादी का.

शाह ने जम्मू में क्या कहा था : पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला, गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह के बयान का जवाब दे रहे थे. जम्मू में भाजपा की एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा था कि एनसी-कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में आंतकवाद का राज वापस लाएंगे. उन्होंने कहा था कि राज्य का दर्जा दिलवाने के मुद्दे पर यह गठबंधन लोगों को गुमराह कर रहा है. अमित शाह ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा सिर्फ मोदी जी और केंद्र सरकार ही दिलवा सकते हैं.

आतंकवाद खत्म होने का भाजपा का दावा भी झूठा

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि वो सिर्फ हिंदुओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा, वो यह समझते हैं कि हिंदू उन्हें वोट देगा पर मैं उन्हें बता देना चाहता हूं कि हिंदू अब वो हिंदू नहीं रहा, जो इनकी बातें सुनेगा. पहले इन्होंने राम को बेचने की कोशिश की, अब ये हिंदुओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि धारा 370 हटने के बाद आतंकवाद खत्म होने का भाजपा का दावा भी झूठा है.

बक्सर-डीडीयू पटना रेलखंड पर बड़ा हादसा

दो हिस्सों में बंट गयी ट्रेन कोई हताहत नहीं

लगातार न्यूज नेटवर्क। पटना

बक्सर-डीडीयू पटना रेल खंड पर रविवार को डाउन मगध एक्सप्रेस ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो गई. दो हिस्सों में ट्रेन के डिब्बे बंट गए. डुमरांव और रघुनाथ पुर के बीच टुड़ीगंज स्टेशन के पास की घटना है. सूचना के अनुसार किसी तरह की जान माल की क्षति नहीं हुई है.

जानकरी के अनुसार डाउन मगध एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या- 20802) दुर्घटनाग्रस्त हुई. घटना डुमरांव से खुलने के थोड़ी देर बाद ही यह हादसा हो गया. मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई. सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन के साथ-साथ रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच गये और मामले की जांच कर रहे हैं. बताया जा रहा है कि हादसे के बाद ट्रेन का आधा हिस्सा तेजी से आगे बढ़ गया. हालांकि लोको पायलट ने अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत ट्रेन को रोका. इस बीच बड़ी संख्या में यात्री ट्रेन से नीचे उतर गए.

पैंसेजर ने घटना को लेकर दी जानकारी : ट्रेन लगभग 40 से 50 किमी प्रति घंटा के रफ्तार से जा रही थी. इस घटना के बाद अफरातफरी मच गई. ट्रेन में हजारों लोग सफर कर रहे हैं. सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि किसी प्रकार की कोई क्षति नहीं हुई है.

टीएमसी सांसद जवाहर सरकार ने दिया इस्तीफा

कोलकाता कांड का विरोध

ममता को चिट्ठी लिख कर कठघरे में किया खड़ा

एजेंसी। कोलकाता

टीएमसी के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने रविवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले में बंगाल सरकार के रवैये के विरोध में इस्तीफा दे दिया. उन्होंने सीएम ममता बनर्जी को चिट्ठी लिख कर इस्तीफा सौंप दिया. इस चिट्ठी में जवाहर सरकार ने अपनी ही पार्टी के कुछ लोगों पर दबंग रवैया अपनाने का आरोप लगाया है. उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेताओं को कटघरे में ला कर खड़ा कर दिया है. जवाहर सरकार ने चिट्ठी में लिखा, मैं कुछ चीज़ें बर्दाश्त नहीं कर सकता, जैसे भ्रष्ट अधिकारियों को शीर्ष पद मिलना. जवाहर ने कहा कि जनता का आक्रोश टीएमसी सरकार के प्रति बढ़ते असंतोष को दर्शाता है. घटना पर ममता की प्रतिक्रिया पर निराशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, आरजी कर अस्पताल में हुई भयानक घटना के बाद से मैं एक महीने से धैर्य रखने की कोशिश कर रहा हूं और ममता से छात्रों के साथ बातचीत की उम्मीद कर रहा था. ऐसा नहीं हुआ और सरकार जो भी कदम उठा रही है, वह काफी कम है.

राजनीति से संन्यास लेंगे जवाहर

टीएमसी को सलाह देते हुए जवाहर सरकार ने अपनी पार्टी से टकराव को दूर करने की अपील की. उन्होंने कहा कि विरोध मुख्य रूप से राजनीतिक उद्देश्यों के बजाय न्याय और सजा दिलवाने के लिए हो रहे हैं. उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पार्टी सही कदम नहीं उठाएगी, तो सांप्रदायिक ताकतें इस राज्य पर कब्जा कर लेंगी. जवाहर सरकार ने राजनीति से पूरी तरह हटने की अपनी मंशा की घोषणा करते हुए कहा, मैं जल्द ही दिल्ली जाकर सभापति को अपना इस्तीफा सौंपूंगा और खुद को राजनीति से पूरी तरह से अलग कर लूंगा.

डॉलर छोड़ा तो भुगतना होगा अंजाम : डोनाल्ड ट्रप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने दुनियाभर के देशों को खुली धमकी दी है. विस्कॉन्सिन राज्य में एक रैली के दौरान ट्रंप ने कहा कि यदि आप ''डॉलर'' छोड़ रहे हैं, तो फिर आप अमेरिका के साथ व्यापार को भूल जाइए क्योंकि हम आपके ऊपर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे. ट्रंप का यह बयान ब्रिक्स देशों के ऊपर हमला समझा जा रहा है, जो डॉलर की जगह किसी और मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बनाना चाहते हैं. ब्रिक्स देशों के अलावा कई और देश हैं जो कि आपसी व्यापार के समय डॉलर को बाईपास करने की सोचते हैं.

बदहाली 0.17% गिरावट के साथ एशिया की दूसरी सबसे खराब करेंसी बना भारत का रुपया

पाक-श्रीलंका से भी खराब हुए अपने देश के हालात!

1.58 फीसदी की गिरावट के साथ अगस्त में एशिया की सबसे खराब करेंसी बना टका

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

भारतीय करेंसी रुपए की कीमतों में लगातार गिरावट आ रही है. कमजोर होते रुपए के नाम खराब रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है. पिछले एक महीने में रुपए का नाम एशिया की सबसे खराब करेंसी की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गया है.

अगस्त में भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 0.17% और सितंबर में अब तक 0.13% नीचे थी. पिछले दो महीनों में मुद्रा कमजोर होने के बावजूद रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप ने यह सुनिश्चित किया कि अस्थिरता कम से कम हो क्योंकि मुद्रा सीमित दायरे में कारोबार कर रही थी. हस्तक्षेप ने रुपए को 84 प्रति डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर पर पहुंचने से भी रोका. चालू वित्त वर्ष में रुपए में 0.6% की गिरावट आई है. पिछले वित्त वर्ष में यह हांगकांग- सिंगापुर डॉलर के बाद अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीसरी सबसे स्थिर एशियाई मुद्रा थी, जिसका मुख्य कारण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय पर हस्तक्षेप था. वित्त वर्ष 23 में 7.8% की तुलना में रुपए में इस साल 1.5% की गिरावट आई है.

ऐतिहासिक निचले स्तर पर रुपया : भारतीय रुपया अभी डॉलर के मुकाबले ऑल टाइम लो लेवल पर है. पिछले सप्ताह रुपया डॉलर के मुकाबले 84 से भी नीचे तक गिरा. अगस्त के बाद सितंबर में भी रुपए में गिरावट जारी है. इस महीने रुपया अब तक 0.13% कमजोर हो चुकी है. अप्रैल से अभी तक रुपया 0.6 फीसदी कमजोर हुआ है.

ये हैं एशिया की सबसे मजबूत करेंसी : एशियाई करेंसी में सबसे बेहतर स्थिति ताईवान डॉलर की है, जो डॉलर के मुकाबले 2.72% मजबूत हुआ. दक्षिण कोरिया का वॉन 2.47% की मजबूती के साथ अगस्त में एशिया की दूसरी सबसे अच्छी करेंसी बना. जापान का येन 2.61% तीसरे और वियतनाम का डोंग 1.56% की मजबूती के साथ चौथे पायदान पर रहा.

सबसे खराब करेंसी बना बांग्लादेश का टका : बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त महीने में डॉलर के मुकाबले एशिया की ज्यादातर करेंसी मजबूत हुईं. सिर्फ भारतीय रुपए और बांग्लादेशी टका ही ऐसी दो करेंसी रही, जिसके भाव में डॉलर के मुकाबले गिरावट आई. टका 1.58% की गिरावट के साथ अगस्त में एशिया की सबसे खराब करेंसी बना. उसके बाद 0.17% गिरकर रुपया दूसरे नंबर पर रहा.

पिछले साल बढ़िया था रुपए का हाल : पिछले वित्त वर्ष में रुपए ने अच्छा परफॉर्म किया था और एशिया की तीसरी सबसे स्थिर व मजबूत करेंसी बनने में कामयाब रहा था. पिछले वित्त वर्ष के दौरान एशिया में भारतीय रुपये से बेहतर सिर्फ हांगकांग डॉलर और सिंगापुर डॉलर का परफॉर्मेंस रहा था. वित्त वर्ष 2023-24 में रुपया 1.5 फीसदी नीचे आया था. हालांकि उससे पहले वित्त वर्ष 2022-23 में रुपये में 7.8 फीसदी की भारी गिरावट आई थी.

जातीय संघर्ष से परेशान मणिपुर ने केंद्र सरकार से की आठ मांगें

एजेंसी। इंफाल

मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने राज्यपाल को मांग पत्र सौंपा

अशांति के दौर से गुजर रहे मणिपुर में ताजा घटनाक्रम में सीएम एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने राज्य में सुरक्षा अभियानों की देखरेख करने वाली यूनीफाइड कमांड सौंपने की मांग की है. अभी इसका नियंत्रण केंद्रीय गृह मंत्रालय, राज्य के सुरक्षा सलाहकार और सेना के हाथ में है.

राज्य सरकार ने केंद्र से आठ मांगें की हैं. सीएम एन बीरेन सिंह और राज्य के सभी विधायकों ने राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य को मांगों की एक सूची सौंपी है. इस सूची में एकीकृत कमान सौंप कर राज्य को पर्याप्त अधिकार देने की मांग शामिल है. एक प्रमुख मांग सरकार और कुकी विद्रोही समूहों के बीच ऑपरेशन एग्रीमेंट सस्पेंशन को खत्म करने की है, ताकि सुरक्षा बल कड़ी कार्रवाई कर सकें. इस साल जनवरी में मणिपुर में एक सर्वदलीय बैठक में केंद्र और राज्य सरकार से इस समझौते को खत्म करने के लिए कहा गया था ताकि सुरक्षा बल कुकी विद्रोहियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान शुरू कर सकें.

मुख्यमंत्री सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में विपक्षी विधायकों ने यह भी सवाल उठाया था कि केंद्र और राज्य सरकार ने यह क्यों नहीं बताया कि मणिपुर में संविधान का अनुच्छेद 355 लागू है. अनुच्छेद 355 में कहा गया है कि हर राज्य को बाहरी आक्रमण और आंतरिक अशांति से बचाना केंद्र का कर्तव्य है और इस प्रावधान के लागू होने का मतलब है कि राज्य राष्ट्रपति शासन से एक कदम दूर है.

इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लंग्स कैंसर ने पेशेंट एडवोकेसी के लिए दिया सम्मान

पत्रकार रवि प्रकाश अमेरिका में पेशेंट एडवोकेसी एडुकेशनल अवॉर्ड से सम्मानित

- झारखंडी बंडी पहनकर वैश्विक स्तर पर सरना धर्म कोड की वकालत की

संवाददाता। रांची

अमेरिका के सैन डियेगो कन्वेंशन सेंटर में 7 सितंबर से आयोजित वर्ल्ड लंग्स कैंसर कॉफ्रेंस (डब्ल्यूसीएलसी -2024) में भारत के वरिष्ठ पत्रकार व पेशेंट एडवोकेसी रवि प्रकाश को पेशेंट एडवोकेसी एडुकेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. रवि प्रकाश यह पुरस्कार पाने वाले भारत के इकलौते व्यक्ति हैं. लंग्स कैंसर पर काम करने वाली दुनिया की प्रतिष्ठित संस्था इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लंग्स कैंसर (आईएएसएलसी) ने 10 देशों के लोगों को पेशेंट एडवोकेसी एडुकेशनल अवॉर्ड से नवाजा है. इनमें भारत के एक (रवि), ऑस्ट्रेलिया व मैक्सिको के दो-दो और अमेरिका, इटली, यूके (इंग्लैंड), नाइजीरिया व थाइलैंड के एक-एक पेशेंट एडवोकेट शामिल हैं. आईएएसएलसी हर साल यह पुरस्कार विश्व के उन चुनिंदा लोगों को देती है, जो अपने-अपने देश में कैंसर मरीजों की आवाज बन चुके हैं.

यह पुरस्कार पाने वाले भारत के इकलौते व्यक्ति हैं रवि

सैन डियेगो कन्वेंशन सेंटर में अवार्ड सेरेमनी में रवि प्रकाश.

कैंसर मरीज होकर भी रवि पेशेंट एडवोकेसी करते हैं. बाकी देशों के विजेता या तो केयरगिवर्स हैं या फिर लंग्स कैंसर के लिए काम करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधि हैं. बता दें कि इस समारोह में करीब 100 देशों के प्रतिनिधि मौजूद थे.

झारखंडी बंडी पहन कर वैश्विक स्तर पर सरना धर्म कोड की वकालत की : पेशेंट एडवोकेसी एडुकेशनल अवॉर्ड लेते समय पत्रकार रवि प्रकाश ने झारखंड की विशेष बंडी पहनी थी. इतना ही नहीं उन्होंने गले में सरना गमछा भी रखा था. रवि ने वर्ल्ड लंग्स कैंसर कॉफ्रेंस में 100 देशों के प्रतिनिधियों के बीच अपने परिधान से सरना धर्म कोड की वकालत वैश्विक स्तर पर की. फिलहाल सरना धर्म कोड का प्रस्ताव भारत सरकार के पास विचाराधीन है. रवि ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बात किसी और धर्म विशेष के प्रचार की नहीं है. हम भारत के लोग हैं और संविधान की प्रस्तावना में ही धर्मनिरपेक्ष शब्द लिखा है. लेकिन आप 75 सालों तक आदिवासियों से उनके धर्म की पहचान नहीं छीन सकते हैं. वे धर्म के कॉलम में 'अन्य' शब्द कब तक लिखेंगे. इसलिए मैंने यह बंडी पहनकर पुरस्कार लेने का निर्णय लिया था. इसके लिए मैं जोहारग्राम का आभारी हूं.

डेढ़ माह से मुंबई में चल रही कार-टी सेल थेरेपी : रवि प्रकाश करीब पौने चार साल से लंग्स कैंसर से पीड़ित है और कैंसर का लास्ट स्टेज चल रहा है. जून में उनकी बीमारी बढ़कर दिमाग में भी आ गयी है. इसके बाद उन्होंने पुरानी दवाईयां जो चल रही है, उसे बंद कर दिया. इसकी वजह से उनकी बीमारी फिर से प्रोग्रेस कर गयी. पिछले डेढ़ महीने से मुंबई में उनकी कार-टी सेल थेरेपी चल रही है. अभी तक उन्हें गामा-डेल्टा सेल के तीन इन्फ्यूजन दिये जा चुके हैं. अमेरिका से लौटते ही उन्हें चौथा इन्फ्यूजन दिया जाना है. रवि ने बताया कि वे अमेरिका से सीधे मुंबई लौटेंगे.

विश्व पटल पर कैंसर से जुड़े मुद्दों को रखा : रवि ने खुद कैंसर मरीज रहते हुए कैंसर के इलाज की कठिनाई, खर्च, सरकार की सुविधाओं और योजनाओं की कमियों को लेकर कई लेख लिखे. वे देश-विदेश के अलग-अलग कॉफ्रेंस में यह बात उठाते रहे हैं. पिछले साल भी सार्क फेडरेशन ऑफ आंकोलॉजिस्ट के वर्ल्ड कॉफ्रेंस में रवि ने काठमांडू में अपनी बात जोरदार तरीके से रखी थी. उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मिलकर कैंसर मरीजों की कठिनाइयों का जिक्र किया था. उसके बाद झारखंड सरकार ने मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना की सीमा 5 से बढ़ाकर 10 लाख करने का निर्णय लिया था. इस पहल के लिए रवि ने सीएम हेमंत सोरेन की तारीफ करते हुए आभार व्यक्त किा था. उन्होंने कहा था कि हेमंत जी संवेदनशील इंसान हैं. वे बात सुनते भी हैं और उसपर अमल भी करते हैं. रवि कहते हैं कि कैंसर मरीजों के लिए आयुष्मान योजना और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मदद भी बड़ी राहत देती है. इसके बावजूद आयुष्मान योजना के प्रावधानों में कई तरह के सुधार की आवश्यकता है. उन्होंने उम्मीद जतायी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें व्यक्तिगत रुचि लेंगे.

लंग्स कनेक्ट इंडिया फाउंडेशन के सह संस्थापक और निदेशक हैं रवि

रवि प्रकाश लंग्स कैंसर के मरीजों के लिए काम करने वाली भारत की प्रतिष्ठित संस्था लंग्स कनेक्ट इंडिया फाउंडेशन के सह संस्थापक और निदेशक भी हैं. टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल मुंबई के प्रोफेसर डॉक्टर कुमार प्रभाष की पहल पर स्थापित लंग्स कनेक्ट में रवि और संजीव शर्मा निदेशक के तौर पर काम करते हैं. इस सपोर्ट ग्रुप ने अभी तक 15 हजार से भी अधिक लंग्स कैंसर मरीजों की सहायता की है. इसके अलावा रवि कैंसर वाला कैमरा का आयोजन भी करते हैं, जिसकी काफी चर्चा होती रही है.

ब्रीफ खबरें

निम्नस्तरीय राजनीति कर रही सरकारः मरांडी

रांची। बीजेपी के प्रदेश बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि राज्य सरकार निम्नस्तरीय राजनीति कर रही है. कभी अपने सिस्टम से लोगों को जिंदा मार रही है. तो कभी मौत के बाद शवों के साथ क्रूरता कर रही है. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज में फ्रीजर के अभाव में शवों को खुले में रखा जा रहा है, जिसके दुर्गंध से ईलाज कराने आए मरीजों को भी काफी परेशानी हो रही है. ऐसे कुकृत्यों के लिए झारखंड की जनता कभी माफ नहीं करेगी. फिर लिखा है कि झामुमो-कांग्रेस की सरकार को आदिवासी बेटियों से इतनी दुश्मनी क्यों है. आदिवासी शिक्षिका का वेतन राज्य सरकार ने पिछले चार महीनों से रोक रखा है. गिरिडीह के महेशलुंडी उत्क्रमित मध्य विद्यालय की शिक्षिका ज्योति मूर्मू का वेतन पिछले चार महीनों से रोक रखा है. अफसरों को आवेदन देने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई.

जदयू प्रदेश कार्यसमिति की बैठक आज रांची में

रांची। झारखंड जदयू की कार्यसमिति की बैठक सोमवार नौ सितंबर को होगी. इसमें विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन किया जाएगा. पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने बताया कि बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा भी मौजूद रहेंगे. इसके अलावा प्रदेश जदयू प्रभारी डॉ. अशोक चौधरी, बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार, प्रदेश जदयू के सह प्रभारी विजय कुमार सिंह, बिहार जदयू के एमएलए मनोज यादव भी बैठक में शामिल होंगे. बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो करेंगे.

11 को झारखंड बंद का निर्णय, करेंगे आंदोलन

रांची। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक रविवार को डोरंडा स्थित कार्यालय में हुई. मौके पर मोर्चा के संस्थापक एवं प्रधान सचिव पुष्कर महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, दक्षिणी छोटा नागपुर प्रजामंडल की अध्यक्ष रोजलिन तिर्की ने कहा कि सरकार झारखंड आंदोलनकारी को जेल जाने की बाध्यता समाप्त करते हुए राजकीय मान सम्मान अलग झारखंडी पहचान, हमारे पुत्र पुत्रियों को रोजी रोजगार एवं नियोजन के अधिकार की 100 फीसदी गारंटी व स्वाभिमान से जीने के लिए सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रु. दें, अन्यथा हमें जहर दे दें. आंदोलनकारी 10 सितंबर को मशाल जुलूस व 11 सितंबर को झारखंड बंद करेंगे.

विरासत की सियासत : आओ बच्चों तुम्हें बताएं राजनीति अपने झारखंड की

कोल्हान से लेकर संथाल तक के राजनेता अपने बेटा-बेटी के लिए तलाश रहे जमीन

रवि भारती। रांची

विरासत की सियासत में राष्ट्रीय पार्टियों के साथ ही साथ क्षेत्रीय पार्टियां भी पीछे नहीं हैं. एक क्षेत्रीय पार्टी में तो मौसा- भतीजा, पति-पत्नी यानि रिश्तेदार ही रिश्तेदार. खुद सांसद बन बैठे, बीवी को विधायक बना डाला. कोल्हान से लेकर संथाल तक के नेताजी लोग अपने बच्चों के लिए राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं. झामुमो का साथ छोड़ बेटे के साथ भाजपा का दामन थामे कोल्हान के टाइगर कहलानेवाले चंपाई सोरेन बेटे बाबूलाल सोरेन का राजनीतिक भविष्य संवारने में लगे हैं. चुनाव लडाना चाहते हैं. भाजपा के दिग्गजों से डील भी चुकी है. उधर झामुमो सौ तौबा कर भाजपा में आयीं संथाल की सीता भी अपनी बेटियों के लिए राजनीतिक जमीन तैयार करने में जुटी है. अब राष्ट्रीय पार्टियां परिवारवाद को बढ़ावा देती हैं या अपनी नीति सिद्धांतों पर चलती हैं, ये तो आनेवाला समय ही बताएगा, लेकिन यहां के राजनेता अपनी राजनीतिक विरासत की सियासत में पूरी तरह से रम गए हैं.

बेटे बाबूलाल के लिए जोर लगा रहे हैं चंपाई सोरेन

झारखंड के पूर्व सीएम व कोल्हान टाइगर के नाम से चर्चित चंपाई सोरेन अपने पुत्र बाबूलाल सोरेन को कोल्हान की किसी सीट से ही चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी में हैं. हालांकि जब वे झामुमो में थे, तभी से बेटे के लिए कोल्हान में राजनीतिक जमीन तलाश रहे थे, लेकिन चांस नहीं मिला. 40 साल तक झामुमो का तीर-धनुष ढोने के बाद चंपाई ने आखिरकार झामुमो को बाय-बाय कह कर बेटे के साथ भाजपा का दामन थाम लिया है. बताया जाता है कि भाजपा ने बेटे को भी चुनाव मैदान में उतारने का भरोसा दिया है. चर्चा है कि भाजपा सरायकेला की चंपाई की सीट से बेटे बाबूलाल को उतार सकती है और उन्हें कोई दूसरी जिम्मेवारी सौंप सकती है. या फिर आसपास की किसी सीट सरायकेला व खरसांवा से ही पिता-पुत्र को आजमा सकती है. लेकिन चंपाई अपने बेटे का राजनीतिक भविष्य संवारने के लिए एड़ी-चोटी का पसीना बहा रहे हैं.

सिमडेगा में निर्मल बेसरा के बेटे ने तैयार कर रखी है राजनीतिक जमीन

सिमडेगा सीट पर चार बार विधायक रहे भाजपा के दिग्गज नेता निर्मल बेसरा ने बेटे श्रद्धानंद बेसरा के लिए राजनीतिक जमीन तैयार कर दी है. पिछले चुनाव में भाजपा ने श्रद्धानंद को उतारा था, लेकिन वे कुछ सौ वोटों के फासले से पिछड़ गए थे. वे फिर से सिमडेगा सीट से ताल ठोंक रहे हैं. पिता ने उनके लिए राजनीतिक जमीन तैयार कर दी थी, अब जमीन पर फसल उगाने व काटने की जरूरत है.

जोबा बन गईं सांसद, अब बेटे उदय मांझी को चाहिए मनोहरपुर

कोल्हान में मनोहरपुर सीट से जोबा मांझी झामुमो की विधायक थीं. लोकसभा चुनाव में चाईबासा सीट से जीतकर संसद पहुंच गई हैं. अब मनोहर सीट खाली हो चुकी है और जोबा के बेटे उदय मांझी झामुमो टिकट के लिए हाथ पैर मार रहे हैं. उधर संथालपरगना के गोड्डा के महेशपुर से झामुमो के कद्दावर नेता और विधायक स्टीफन मरांडी की भी उम्र हो गयी है और वे भी अपनी बिटिया उपासना मरांडी को चुनावी अखाड़े में उतारने को बेचैन हैं. संभव है कि वह अपनी जगह बेटी को मैदान में उतारें.

सीता की बिटिया जयश्री सोरेन जामा सीट से आजमा सकती हैं किस्मत

संथालपरगना प्रमंडल की जामा सीट से झामुमो के टिकट पर तीन बार चुनाव जीत कर विधायक रहीं सीता सोरेन अब भाजपा में शामिल हो गईं. भाजपा ने उन्हें दुमका से लोकसभा चुनाव लड़ाया, लेकिन सफल नहीं हो सकीं. अपनी हार के लिए सीता सोरेन भाजपा के नेताओं को जिम्मेवार ठहरा दी थीं. लेकिन अब सीता जामा की अपनी पुरानी सीट से अपनी बेटी जयश्री सोरेन को भाजपा का टिकट दिलाना चाहती हैं. लेकिन भाजपा दुविधा में है, क्योंकि इस सीट पर पिछले चुनाव में दूसरे नंबर पर रहे भाजपा के सुरेश मुर्मू की दावेदारी मजबूत है. ये तो आनेवाला समय ही बता पाएगा कि भाजपा अपनी पार्टी के वफादार रहे सुरेश मुर्मू पर दांव लगाती है या पाला बदल कर आयीं सीता की बिटिया जयश्री सोरेन की उनकी राजनीतिक विरासत संभालने के लिए आगे करती है.

ढुल्लू की भी है चाहत, पत्नी या पुत्र को ही मिले टिकट

धनबाद के बाघमारा से भाजपा के विधायक रहे ढुल्लू महतो अब सांसद बन चुके हैं. जाहिर है, वे अपनी खाली हुई विधानसभा सीट से अपने ही परिवार के सदस्य को आगे करना चाहेंगे. वे चाहते हैं उनकी परंपरागत बाघमारा सीट से भाजपा या तो उन पत्नी सावित्री देवी को प्रत्याशी बनाये या बेटे प्रशांत कुमार को. ढुल्लू भी पत्नी व बेटे के टिकट के लिए गेटिंग-सेटिंग व लाबिंग में जुटे हैं. धनबाद की ही सिंदरी सीट के भाजपा विधायक इंद्रजीत महतो गंभीर रूप से बीमार हैं. पिछले लगभग साढ़े तीन साल से हॉस्पिटल के बिस्तर पर पड़े हैं. अब इस सीट से उनकी पत्नी तारा देवी टिकट के ताल ठोक रही हैं.

जय-जय हो केला प्रमुख की...
सीट लगी धइले है हंफनी

संजय सिंह

ई नेताजी यंग-इनर्जेटिक कहलाते हैं. गांव-देहात से निकले हैं. झारखंड आंदोलनकारी रहे हैं. आंदोलन के दौरान छात्रों का भी एक संगठन थी, जो एग्रेसिव था. इ संगठन के लोग धीरे-धीरे साइड धरते गए और बंगाल बार्डर वाले नेताजी धीरे से ढेरे एक्टिव हो गए. छात्र संगठन के पूरी तरह कब्जिया लिहिन. पार्टी बना दीहिन...केला मिला, चुनावी चकल्लस में भी बाजी मार लीहिन. मालदार विभाग के मंत्री बन गईल थे. अपन मौसा जी के भी जितवा दीहिन. धीरे-धीरे चांर-पांच गो लोगन के जितवाए, तो धाक बढ़ा. मंत्री थे तो खूबे मजा मारे. यों कहिए कि खूबे चलती थी साहिब की. राज्य भर में घूम-घूम के अपना केला छाप पार्टिया को फैलावे में भी लगल रहे. गठबंधन सरकार में कमल के साथ केला का कांबिनेशन ठाके चल रहिस था.तनिका मनबढ़ू भी हो गईल थे. लड़कवन सबके तो खूबे पटाइले रहते थे. चुनाव में तो खूबे हवाई सफर करे लगते थे. जेने-तेने उधियाइले रहते थे. लेकिन धीरे-धीरे ग्राफ भी गिरे लगा. एक बार चुनाव में छितराए, तो झेरे हांफे लगे. गंठबंदन में बी बाव कम हो गया. लोग कहे लगा कि जब अपने सीटवा न बचा पाए, तो भला का कहल जाए. बेचारू लजाइल फिर रहे थे. हालांकि बाद में कम बैंक हुआ, तो फिरो तनि-तनि तरनाए लगे. भाजपा के बड़कन नेताजी लोगन से मिलना जुलना जारी रखले थे. जब बुजाया कि तिनका ग्राफ डाउन हुआ है, तो गुलदस्ता लेले दिल्ली पहुंच जाते थे. फोटो खिमचवा कर पार्टी के लग्गू-भग्गू से वायरल कराइले रहते थे, ताकि वैल्यू बनल रहे. भंजाइते रहें, न तो राजनीति में पिछवाए तो अफसरो लोग घास न डावेगा. एक बार कमल फूल वाले पार्टी में जनता के दास बाबू कहावेवाला नेताजी पूरा पावर में का आए, इ केला छाप वाले बाबू हांफे लगे. दास बाबू तो इनको तनिको भाव नहीं देते थे, तो बेचारे नाक धुनले फिर रहे थे. जबले दास बाबू रहे, केला छाप मुखिया हांफले ही रहे. कोई पैरवी करावे लगी पहुंच भी जाता था, तो चेहरा पर मुस्कान लेले ही डील करते थे. अगिला को बुझाए न देते थे कि अंदर से जख्मी हैं. कभी कभार अपने करीबी लोगों से दिल का दर्द बयां कर दिया करते थे. साफे-साफ कह दिया करते ते कि भाई अभी समय ठीक न है. पैरवी-पतरी नहींए कराओ तो ठीक है. वइसे भी दास बाबू इनको ठेकेही नहीं देते थे. बेचारे ई दर्दवा छुपाइले, लजवन पचाइले रहते थे. जानते थे कि ई राज आम लोग जान जाएगा, तो ढेरे फझीहत होगा. पिछिलका चुनाव में दास बाबू इनका ठेके ही न दिए. साइडे धराइल रहे. नुकसान दुनों तरफ हुआ, लेकिन दास बाबू इनका हंफाइले रहे. दुनों लोग सत्ता से बेदखल हुए, तो बिलबिलाए भी, लेकिन जब चिड़िया चूग गई खेत, तो भला क्या कहा जा सकता है. दास बाबू के दीहन दर्द झेल के भी केला प्रमुख नेता हार न माने. कमलवाला बड़का नेताजी के आगे-पीछे कईले रहे. फिर से चुनाव आ गया है. दु महीना बाद चुनाव होवेवाला है. केला प्रमुख जोर लगाइले हैं. गंठबंधन करे लगी हांफले हैं. भाग-भाग कर दिल्ली भी जा रहे हैं. लेकिन सीट के डिमांडवा एतना हेवी कर दीहिन हैं कि अगला सोच में पड़ गेल है. वइसा केला प्रमख के हंफावेवाले श्रीराम जयराम, जय-जय राम वाला खेमा भी इन्हें चुनौती देले है. ललकारले हैं. कमल फूल वाले दिग्गज नेताजी लोगन भी श्रीराम जयराम जय-जय राम कइले हैं. कमल फूलवाले नेताजी केला प्रमुख को संदेश दे चुके हैं, मान जाओ नहीं तो हमलोग श्रीराम जयराम जय-जय राम करे लगेंगे. अब बेचारे केला प्रमुख दुविधा में हैं. इनके लिए आगे कुआं, पूछे खाई वाली स्थिति हो गई. ऐसे में केला प्रमुख अपना केला पार्टिया का ताकत देखावे में जुटल हैं, ताकि कमल फूल ब्रांड नेताजी पर तनी प्रेशर डालल जा सके. वइसे भी कमल ब्रांड केला के केतना सटाएगा, केतना धकियाएगा, ई तो आये वाला वक्त ही बताएगा. लेकिन सच कहा जाए तो केला प्रमुख भी तो हांफिए रहे हैं. देखिए आगे-आगे होता क्या.

चुनावी चकल्लस

मुक्ति संस्था ने 44 लावारिस शवों का किया सामूहिक दाह संस्कार

संवाददाता। रांची

रांची की मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी के तट पर 44 लावारिस शवों का सामूहिक रूप से अंतिम संस्कार किया. संस्था के सदस्यों ने दाह संस्कार से पूर्व मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की. फिर सभी शवों को मुखाग्नि दी. नौ सालों से लवारिश शवों का अंतिम संस्कार कर रही संस्था कई दिनों से इन शवों के दाह संस्कार की तैयारी कर रही थी. रिम्स में कानूनी औपचारिकता पूरी करने के बाद मोर्चरी में पड़े सभी शवों को ट्रैक्टर से जुमार नदी तट पर लाया गया. इनमें से कई शव गल गये थे. इसलिए उन शवों को प्लास्टिक में सील कर दिया गया था. इसके बाद जुमार नदी के तट पर एक साथ 31 चिता सजाकर विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार किया गया. गौरतलब है कि संस्था ने अब तक 1800 अधिक लावारिस शवों का अंतिम संस्कार किया है.

सामूहिक दाह संस्कार करते संस्था के कार्यकर्ता.

शवों की पहचान के लिए पुलिस ने किया प्रयास : बता दें कि पुलिस ने इन 44 लवारिश शवों की पहचान के लिए काफी प्रयास किया. पुलिस ने कई बार विज्ञापन भी निकाला. लेकिन इन शवों की पहचान नहीं हो सकी. परिजनों की कोई खोज-खबर नहीं आने के बाद लंबे समय से रिम्स में रखे गये इन शवों को सामूहिक दाह संस्कार के लिए संस्था को सौंप दिया गया.

हेमंत सरकार ने वोट के लिए षडयंत्र कियाः शिवराज

रांची। केंद्रीय कृषि मंत्री सह झारखंड बीजेपी के विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान नेएक बार फिर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है. वे रविवार को रांची पहुंचे. एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत पर कहा कि हेमंत सरकार ने वोट के लिए षडयंत्र किया. इसी षडयंत्र के कारण उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में युवाओं की जान चली गई. प्रदेश के युवा सरकार को कभी माफ नहीं करेंगे. इसके बाद शिवराज सिंह चौहान एयरपोर्ट से बीजेपी प्रदेश कार्यालय पहुंचे.

गुड न्यूज | 12 हजार हेक्टेयर में लहलहाएंगे हरी मिर्च के पौधे

करें मिर्चा की खेती, पाएं 40 फीसदी अनुदान

- ओल की खेती पर भी है राज्य सरकार का जोर

रवि भारती। रांची

झारखंड सरकार ने अब मिर्चा की खेती पर जोर दिया है. वित्तीय वर्ष 2024-25 में मसाला की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार अधिकतम 40 फीसदी का अनुदान देगी. जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना के तहत 13 रांची, खूंटी, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, लातेहार, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, साहेबगंज, जामताड़ा, पाकुड़ एवं दुमका में 720 हेक्टेयर में मिर्चा की खेती की जाएगी. वहीं अन्य क्षेत्रीय उपयोजना के तहत 11 जिलों हजारीबाग, रामगढ़, देवघर, गोड्डा, गिरिडीह, कोडरमा, चतरा, गढ़वा, धनबाद, पलामू एवं बोकारो में 359 हेक्टेयर और अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना के तहत हजारीबाग, रामगढ़, देवघर, गोड्डा, गिरिडीह, चतरा, कोडरमा, गढ़वा, धनबाद, पलामू एवं बोकारो में 121 हेक्टेयर में मिर्चा की खेती की जाएगी. इस पर एक करोड़ 44 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे. इसके अलावा ब्रोकली, रंगीन शिमला मिर्च ,बीज रहित खीरा, जुकनी, चेरी-टमाटर, लेटूज, सलजम एवं रेड कैबेज की खेती को भी बढ़वा दिया जाएगा.

निजी भूमि पर ओल की खेती को भी मिलेगा बढ़ावा : वित्तीय वर्ष 2024-25 में कृषकों के निजी भूमि पर ओल की खेती को बढ़ावा दिया जाएग. 1200 हेक्टेयर भूमि पर ओल की खेती की योजना बनाई गई है. जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना के तहत 13 जिलों रांची, खूंटी, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, लातेहार, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, साहिबगंज, जामताड़ा, पाकुड़ एवं दुमका में 720 हेक्टेयर में अन्य क्षेत्रीय उपयोजना के तहत 11 हजारीबाग, रामगढ़, देवघर, गोड्डा, गिरिडीह, चतरा,गढ़वा, धनबाद, पलामू, कोडरमा और बोकारो में 120 हेक्टेयर में ओल की खेती की जाएगी.

750 हेक्टेयर में होगी अदरख की खेती : मसाला की खेती को बढ़ावा देने तथा कृषकों के आय में दो गुणा वृद्धि को ध्यान में रखते हुए रखते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में अदरख की खेती की जाएगी. 750 हेक्टेयर में अदरख की खेती करने की तैयारी की गई जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना के तहत 13 जिलों रांची, खूंटी, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, लातेहार, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, साहिबगंज, पाकुड़, जामताड़ा एवं दुमका में 450 हेक्टेयर और अन्य क्षेत्रीय उपयोजनान्तर्गत 11 जिलों हजारीबाग, रामगढ़, देवधर, गोड्डा, गिरिडीह, चतरा, गढ़वा, धनबाद, पलामू, कोडरमा एवं बोकारो में 225 हेक्टेयर में अदरख की खेती की जाएगी.

क्लासिफाइड

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

तापमान 31.2° अधिकतम | 24.4° न्यूनतम

रांची, सोमवार 09 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 152 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

▪ रविवार को सुबह से ही पूजा पंडालों में दर्शन-पूजन को श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा.

शहर के एक पूजा पंडाल में आरती करता भक्त.

कचहरी में बनया गया भव्य गणेश पूजा पंडाल. -फोटो : रमीज

श्रीगणेश महोत्सव का दूसरा दिन : कहीं महाआरती तो कहीं भक्ति गीतों के कार्यक्रम का आयोजन

दर्शन-पूजन को उमड़े श्रद्धालु

राजन बॉबी ।रांची

श्रीगणेश महोत्सव से शहर का कोना-कोना भक्ति से सराबोर है. महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को सुबह से ही पूजा पंडालों में दर्शन-पूजन को श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा. भक्त आते, विघ्नहर्ता गणपति बप्पा की भव्य प्रतिमा को नमन करते. फिर हाथ जोड़ आशीष मांगते. भोग प्राप्त कर मनोहारी पंडाल को निहारते हुए लौट जाते. यह नजारा देर रात तक आम रहा. दर्शनार्थियों ने चुटिया, रेलवे कॉलोनी, सामलौंग के पूजा स्थल पर लगे मेले का भी लुफ्त उठाया. शहर के विविध पूजा-पंडालों में दिनभर विशेष भोग के साथ लड्डू, मोदक और बुंदिया का वितरण किया गया. सुबह से दोपर बाद तक वैदिक मंत्रोच्चार और सांझ ढलते आरती की सुमधुर स्वरलहरियों से वातावरण गुंजायमान रहा. कहीं महाआरती तो कहीं भक्ति गीतों के कार्यक्रम से पूजा पंडाल देर रात तक गुलजार रहा.

श्रीगणेश को लगा 151 किलो का लड्डू भोग : न्यू स्टार नव युवक संघ श्री गणेश पूजा समिति सामलौंग मेलाटांड़ मैदान में सुबह पूजा-अर्चना के साथ सुंदरकांड पाठ किया गया. सांझ ढलते गणपति बप्पा की महाआरती उतारी गयी. इसके बाद 151 किलो लड्डू और 1100 लीटर दूध से बने खीर का भोग लगाया गया. भक्तो ने श्रीगणेश को छप्पन भोग भी लगाया. पूजा स्थल पर लगाए गऐ मीना बाजार का दर्शनार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा.

आस्था की भीड़

पूजा पंडालों में उमड़े श्रद्धालुओं ने विघ्नहर्ता के किए दर्शन और लगाए जोरदार जयकारे.

भक्तो ने श्रीगणेश की उतारी महाआरती : विश्वनाथ शिव मंदिर, पिस्का मोड़ में गणपति बप्पा का सजा भव्य दरबार दर्शनार्थियों को लुभाता रहा. देर शाम तक श्रद्धालुओ ने दर्शन-पूजन कर विघ्नहर्ता से मंगल कामनाए की. विघ्न-बाधा दूर करने का आशीर्वाद मांगा. सुबह पुरोहित राकेश शर्मा ने पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराया. सांझ ढलते बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ ने साथ मिल कर एकदंत भगवान की महाआरती उतारी. सभी के बीच मोदक, लड्डू और बुंदिया का प्रसाद बांटा गया.

यहां भी मची रही महोत्सव की धूम : नेहरू बाल युवक संघ गणेश पूजा समिति, कृष्णा नगर कॉलोनी, गजराज पूजा महासमिति, कचहरी रोड, कोकर गणेश पूजा समिति इंडस्ट्रियल एरिया गेट नंबर 2, भारतीय युवा संघ गणपति पूजा समिति, पिस्का मोड़, मेकन कॉलोनी, डोरंडा, धुर्वा, कांके रोड, बरियातु, बूटी मोड़ आदि इलाको में भी गणेश उत्सव की धूम है.

रिम्स में हाउस सर्जन से लिफ्ट में छेड़छाड़

छात्रा ने हिम्मत दिखाकर आरोपी को कराया गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

▪ घटना के विरोध में हड़ताल पर हाउस सर्जन चिकित्सा सेवा प्रभावित

▪ सुरक्षा की गांरटी मिलने तक कार्य बहिष्कार पर अड़े हाउस सर्जन

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म के बाद महिला डॉक्टर की हत्या की घटना को लेकर देशभर के चिकित्सकों के साथ रिम्स के चिकित्सक भी सुरक्षा की मांग को लेकर आंदोलन में शामिल थे. रिम्स में चिकित्सकों को सुरक्षा तो नहीं मिली, लेकिन एक हाउस सर्जन छात्रा के साथ रविवार सुबह छेड़खानी हो गई. घटना उस समय घटी जब हाउस सर्जन ड्यूटी के लिए लिफ्ट से जा रही थीं. लिफ्ट में सवार एक युवक ने छात्रा से छेड़छाड़ शुरू कर दी. हालांकि, हाउस सर्जन ने हिम्मत दिखाते हुए जैसे ही लिफ्ट खुली युवक को पकड़ लिया और शोर मचाने लगी. इसके बाद युवक को होमगार्ड के जवानों ने दबोच लिया. फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया. दूसरी तरफ घटना के विरोध में सुरक्षा की मांग को लेकर सभी हाउस सर्जन ने कार्य बहिष्कार कर दिया. इससे चिकित्सा सेवा प्रभावित हो गई.

केस दर्ज कराया, रांची का है आरोपी : जूनियर डाक्टरों ने बताया कि आनकोलॉजी विभाग में रविवार की सुबह एक जूनियर रेजिडेंट नान एकेडमिक (हाउस सर्जन छात्रा) जब ड्यूटी पर जा रही थी तो अस्पताल की ही लिफ्ट में उसके साथ छेड़खानी की गई. उसके साथ गंदी हरकत की गई. छेड़खानी करने वाले युवक को पकड़ कर इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम भेज दिया गया, जहां से उसे बरियातू थाना भेज दिया गया. साथ ही संस्थान की ओर से बरियातू थाने में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है. पुलिस के समक्ष युवक ने अपना नाम कुलदीप कुमार बताया है. वह रांची के कोकर का रहने वाला है. वह अस्पताल में इलाज कराने आया था. पुलिस जांच कर रही है. आरोपी पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई और उसे जेल भेज दिया गया है.

ये हैं मांगें

▪ सभी लिफ्ट में लिफ्टमैन की तैनाती हो.

▪ एक मरीज एक स्वजन नीति, जिस पर पहले ही चर्चा हो चुकी है और अभी भी सभी विभागों में लागू नहीं की गई है. इसे लागू करना.

▪ गार्डों की संख्या बढ़ाना, क्योंकि वर्तमान संख्या अपर्याप्त है, कम से कम 4 गार्ड.

हाउस सर्जन अपनी मांग को लेकर अडिग : हाउस सर्जन ने कार्य बहिष्कार खत्म करने के लिए तीन मांगें रखी हैं। इसके बाद प्रबंधन की ओर से उनकी मांगें मान ली गईं, लेकिन आनकोलॉजी विभाग में पुरुष गार्ड को बढ़ाने को लेकर मामला फंसा हुआ है. इसमें हाउस सर्जनों ने महिला से अधिक पुरुष गार्ड की तैनाती कराने की मांग रखी है.

ब्रीफ खबरें

राज्य प्रशासनिक सेवा संघ आंदोलन के मूड में

रांची। अब राज्य प्रशासनिक सेवा संघ भी आंदोलन के मूड में है. रविवार को संघ की केंद्रीय कार्यकारिणी की ऑनलाइन आपात बैठक हुई है. इसमें गैर राज्य असैनिक सेवा के पदों को उप समाहर्ता के पद के समकक्ष करने के निर्णय का विरोध किया गया. कहा गया कि सीएम के निदेश के बावजूद अब तक राज्य सेवा को प्रीमियर सेवा का दर्जा नहीं मिला है. संघ बिहार मॉडल को अपनाए जाने का भी विरोध किया है. इस मामले को जल्द ही मुख्यमंत्री को अवगत कराने का निर्णय लिया गया. समस्याओं के समाधान नहीं होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी गई.

जदयू के झारखंड प्रभारी ने की चादरपोशी

रांची। जदयू के झारखंड प्रभारी और बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य मंत्री डॉ. अशोक चौधरी ने रांची के डोरंडा स्थित कुतुबुल अक्ताब झारखंड हज़रत कुतुबुद्दीन रिसालदार शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह में चादरपोशी की. उन्होंने झारखंड राज्य की ख़ुशहाली की दुआ की. इस दौरान बेलहर के विधायक और जदयू के सह प्रभारी मनोज यादव, जदयू नेता मधुकर सिंह, सागर कुमार, अखिलेश राय एवं महेश्वर चौधरी भी उपस्थित थे.

आरपीएफ ने शराब के साथ एक को किया गिरफ्तार

रांची। आरपीएफ ने शराब के साथ टाटीसिलवे स्टेशन से एक आरोपित को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपित अभिराज कुमार शामिल है. इसके पास से शराब की 12 बोतल बरामद किया है. एएसआई पी आर प्रजापति ने रविवार को बताया कि रांची मंडल के मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर शराब के धरपकड़ के लिए लगातार अभियान जारी है. इसी क्रम में टाटीसिलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने एक संदिग्ध को बड़े आकार के पिट्ठू बैग के साथ देखा, जांच करने पर 12 शराब की बोतल बरामद की गई. पूछताछ में गिरफ्तार आरोपित ने बताया कि सभी शराब की बोतलें रांची से खरीदी थीं और ट्रेन से बिहार में ऊंची कीमत पर बेचने जा रहे थे.

डी फॉर्मा के 11 हजार छात्र 18 महीने बाद भी परीक्षा नहीं होने से परेशान, दी चेतावनी

आकर्ष अनिकेत। रांची

▪ 11 तक परीक्षा का टाइमटेबल जारी नहीं हुआ, तो होगा उग्र आंदोलन

▪ चार माह से झारखंड स्टेट फार्मेसी काउंसिल में रजिस्ट्रार का पद खाली

राज्य के डिप्लोमा इन फॉर्मेसी (डी फॉर्मा) के छात्र परीक्षा नहीं होने के कारण परेशान हैं. परीक्षा आयोजन में पहले ही 18 महीने विलंब हो चुका है. लेकिन अबतक परीक्षा आयोजन को लेकर सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है. 2020-22 व 2021-23 के छात्र अब भी परीक्षा का इंतजार कर रहे हैं. बीते पांच मई 2024 को रजिस्ट्रार कौशलेंद्र कुमार के निधन के बाद झारखंड स्टेट फार्मेसी काउंसिल में रजिस्ट्रार का पद खाली है. इसी वजह से छात्र परीक्षा कराने के लिए पिछले चार महीनों से दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं. छात्रों ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से मिलने के बाद उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला है. वहीं छात्रों ने बताया कि अगर मंगलवार तक परीक्षा का टाइमटेबल जारी नहीं किया जाता है, तो राज्य के सभी डी फॉर्मा छात्र उग्र आंदोलन करेंगे.

हजारों छात्रों का भविष्य खतरे में : परीक्षा नहीं होने के कारण लगभग 11 हजार छात्रों का भविष्य खतरे में है. डी फॉर्मा के छात्र वसीम जौहर ने बताया कि 2020-22 बैच में 5000 और 2021-23 बैच में लगभग 6000 छात्र हैं, जो परीक्षा का इंतजार कर रहे हैं. हालांकि छात्रों को स्वास्थ्य मंत्री द्वारा आश्वासन दिया गया है कि रजिस्ट्रार की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है और जल्द परीक्षा का आयोजन भी किया जाएगा.

परीक्षा नहीं होने से परेशान छात्रों ने बैठक कर बनायी रणनीति.

तीन बार छात्रों को आश्वासन दे चुके हैं स्वास्थ्य मंत्री

भविष्य को लेकर चिंतित छात्र रजिस्ट्रार की नियुक्ति व परीक्षा के आयोजन के लिए स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के पास कई बार चक्कर लगा चुके हैं. छात्रों ने बताया कि तीन बार उनकी मुलाकात मंत्री बन्ना गुप्ता से हुई. तीनों दफा उन्हें सिर्फ जल्द से जल्द रजिस्ट्रार की नियुक्ति व परीक्षा कराने का आश्वासन ही मिला, पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी.

जानिए कब-कब मंत्री ने दिया भरोसा, फिर साध ली चुप्पी

▪ 27 जून को छात्रों ने पहली बार मंत्रीजी से रजिस्ट्रार नियुक्ति के लिए गुहार लगायी गई, आश्वासन मिला पर काम नहीं हुआ.

▪ 11 जुलाई को छात्रों ने दुबारा उनसे मिलने की कोशिश की, तो उन्होंने छात्रों से न तो मुलाकात की न आश्वासन दिया.

▪ 12 जुलाई को छात्रों का प्रयास सफल रहा. मंत्री बन्ना गुप्ता ने छात्रों से मिलकर उन्हें फिर से आश्वासन दिया. लेकिन लगभग डेढ़ महीने बीतने के बाद भी रजिस्ट्रार की नियुक्ति नहीं हुई

▪ 05 सितंबर को फिर से फार्मा के छात्र स्वास्थ्य मंत्री से मिलने उनके आवास पहुंचे, लेकिन बाहर ही रोक दिया गया. मंत्री ने मिलने से भी इनकार कर दिया. जब मंत्री जी का काफिला निकला और छात्रों ने उन्हें घेरा, तो मंत्री ने फिर से सात दिनों का समय मांगा.

सीएम आज धनबाद को देंगे ₹ 201.63 करोड़ की सौगात

रांची। सीएम हेमंत सोरेन सोमवार को आपकी योजना आपकी सरकार कार्यक्रम में धनबाद को 201 करोड़ 63 लाख 69 हजार की योजनाओं की सौगात देंगे. यह कार्यक्रम गिरिडीह के गांडेय प्रखंड के ताराटांड मैदान में होगा. इस कार्यक्रम में सीएम 100 योजनाओं का उद्घाटन और 60 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे.

इन योजनाओं का होगा उद्घाटन: मुख्यमंत्री ग्रामीण विकास की 40 योजना, भवन निर्माण की 25 योजना, लघु सिंचाई की 22 योजना, नगर निगम की चार योजना, चिरकुंडा नगर परिषद की तीन योजना, पथ निर्माण की दो योजना, पेयजल की दो योजना.

इन योजनाओं का होगा शिलान्यास: मुख्यमंत्री ग्रामीण कार्य विभाग की 29 योजना, जिला परिषद की 19 योजना, पेयजल की आठ योजना, ग्रामीण विकास विभाग की तीन योजना, पथ निर्माण की दो योजना, पीएचइडी की एक योजना.

इन योजनाओं के लिए सौंपा जाएगा स्वीकृति पत्र : मईंया सम्मान योजना, सर्जन पेंशन, किसान क्रेडिट कार्ड, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन, अबुआ आवास, सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, हरा राशन कार्ड सहित अन्य योजनाओं के लाभुकों को स्वीकृति पत्र सौंपा जाएगा.

झारखंड में वीआईपी सुरक्षा के लिए 17 बुलेट प्रूफ वाहन तैयार

पुलिसकर्मी 15 साल पुरानी खटारा गाड़ियों से संभाल रहे लॉ एंड ऑर्डर

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में वीआईपी सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए 17 बुलेट प्रूफ वाहन तैयार किये गये हैं. सभी बुलेट प्रूफ वाहनों को वीआईपी काफिले में शामिल किया जाएगा. 17 बुलेट प्रूफ वाहन में से पांच बुलेट प्रूफ वाहन रांची आ गए हैं.

पूर्व में खरीदे गए बुलेट प्रूफ वाहन काफी पुराने हो चुके थे. वाहनों का बहुत अधिक उपयोग नहीं हो पा रहा था, जिसके बाद पुलिस मुख्यालय के स्तर से 17 नए वाहन खरीद कर उन्हें बुलेट प्रूफ बनाने के लिए अहमदाबाद भेजा गया था. अहमदाबाद में गाड़ियों के तैयार होने के बाद उनकी जांच के लिए झारखंड पुलिस मुख्यालय के स्तर से पुलिस अधिकारियों की टीम भेजी गई थी. टीम के द्वारा क्लीयरेंस प्रदान करने के बाद वहां से गाड़ियों का आना शुरू हो गया है. वहीं दूसरी तरफ पुलिसकर्मी 15 साल पुराने 1196 वाहनों से विधि व्यवस्था (लॉ एंड ऑर्डर) की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं. झारखंड पुलिस मुख्यालय की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में झारखंड पुलिस द्वारा उपयोग किये जाने वाले 1196 छोटे चार पहिया वाहन 15 साल से ज्यादा पुराने हो चुके हैं. लेकिन अब तक नये वाहन नहीं आये हैं. ऐसे में जब तक नये वाहन नहीं आ जाते हैं. तब तक मरम्मत कर पुलिसकर्मी विधि व्यवस्था संभालने में इसका उपयोग कर रहे हैं.

थानों के लिए 1255 चार और 1697 दोपहिया वाहनों की खरीदारी का मामला विचाराधीन

झारखंड पुलिस मुख्यालय ने बीते महीने सरकार को सभी पुलिस थानों के लिए कुल 1255 छोटे चारपहिया वाहन और 1697 दोपहिया वाहनों की खरीद का प्रस्ताव भेजा था. लेकिन अभी तक यह मामला विचाराधीन ही है. एसआरई (सिक्योरिटी रिलेडेट एक्सपेंडिचर) के तहत पहले 16 जिलों के वाहनों का इस्तेमाल किया जाता था. लेकिन इस साल अप्रैल में 16 जिलों में से 11 जिलों को हटा दिया गया. जिसकी वजह से छोटे चार पहिया वाहनों की अचानक कमी हो गयी है. जिनका उपयोग पहले एसआरई के तहत किराये के आधार पर किया जाता था. इस वजह से इस वित्तीय वर्ष के लिए 754 छोटे चार पहिया वाहनों को किराये पर लेने का प्रस्ताव गृह विभाग को भेजा गया है.

1734 चारपहिया वाहनों में से 418 खराब पड़े हैं

झारखंड के सभी जिले की पुलिस के पास वर्तमान में कुल 1734 चार पहिया वाहन हैं, जिनमें से 418 खराब पड़े हैं. वहीं 1,316 वाहन ठीक है. इन 1316 वाहन में से 1196 वाहन 15 साल पुराने हो चुके हैं. झारखंड पुलिस के पास सिर्फ 120 नये वाहन हैं, जिसकी स्थिति ठीक है. बाइक की बात करें तो झारखंड पुलिस में वर्तमान में 1397 बाइक हैं, जिनमें 180 खराब पड़े हैं.

टेक्नोलॉजी व्हाट्सएप में आया नया फीचर, यूजर्स अब लाइक कर सकेंगे स्टेटस

स्टेटस लाइक करते ही दिल का इमेज हो जाएगा ग्रीन

लगातार न्यूज नेटवर्क

व्हाट्सएप अपने प्लेटफॉर्म पर हमेशा नये-नये फीचर्स लाता रहता है. या फिर अपने प्राइवेंसी में चेंजेस करता है. ताकि यूजर्स को बेहतर एक्सपीरियंस मिल सके. साथ ही यूजर्स की सुरक्षा का ख्याल रखा जा सके. इसी कड़ी में व्हाट्सएप ने स्टेटस में एक और फीचर जोड़ा है. व्हाट्सएप यूजर्स अब किसी के स्टेटस को लाइक कर सकेंगे. पहले आप लोगों का स्टेटस को देख सकते थे या मन होने पर उस पर रिप्लाई कर सकते थे. लेकिन व्हाट्सएप के नये फीचर के अनुसार, अब आप किसी के व्हाट्सएप स्टेटस को लाइक भी कर सकते हैं.

स्टेटस लाइक करते ही दिल हो जायेगा ग्रीन : व्हाट्सएप का नया फीचर पहले से मौजूद स्टेटस के नीचे रिप्लाई के ऑप्शन के बगल में एक दिल का इमेज बना होगा, जहां क्लिक करके आप किसी के व्हाटसअप स्टेटस को लाइक कर पायेंगे. व्हाटसअप स्टेटस को लाइक करते ही दिल का कलर ग्रीन हो जायेगा. साथ ही जिस यूजर के स्टेटस को आप लाइक करेंगे, वह जब अपना स्टेटस पर यह देखने के लिए क्लिक करेगा कि उसका स्टेटस किस-किस ने देखा तो उसके स्टेटस पर ग्रीन कलर में दिल का इमोजी फ्लोट होते हुए नजर आयेगा.

2009 में शुरू हुई थी व्हाटसअप एप्लिकेशन की शुरुआत : बता दें कि व्हाटसअप एप्लिकेशन की शुरुआत 2009 में हुई थी. तब से यह दुनिया भर में सबसे अधिक इस्तेमाल किये जाने वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म में से एक बन गया है. एंड्रॉइड, आईओएस और अन्य ऑपरेटिंग सिस्टम पर डाउनलोड कर इसका इस्तेमाल मैसेज भेजने के लिए किया जाता है. व्हाट्सएप में मैसेज भेजने के अलावा वीडियो व वॉइस कॉल और ग्रुप चैट की भी सुविधा है. इसके अलावा यूजर्स के मैसेज और कॉल को सुरक्षित रखने के लिए एंड-टू-एंड एनक्रिप्शन भी प्रदान की जाती है.

CAMBRIAN PUBLIC SCHOOL
Affiliated to CBSE, Delhi Aff. No. 3430087
Kanke Road, Ranchi-834008
ADMISSION OPEN (2025-2026)
FOR CLASSES PRE-NURSERY to III
Registration Form & Prospectus will be available for Pre-Nursery to Class III, in the School office w.e.f 09.09.2024 from 09:00 am - 12:00 pm on all working days on payment of Rs.1500/- Only.
• Age criteria-Pre-Nursery (3-4), Nursery (4-5), Prep (5-6) & I (6-7).
• Parents must carry Aadhar Card (If Available) & Municipal Birth Certificate to procure the forms.
N.B: BPL category students can also apply online through www.dseranchi.com (as per Govt. norms) for admission in Pre-Nursery only.
TRANSPORT FACILITY AVAILABLE ON ALL ROUTES
Dr. Neeta Pandey Principal
Contact- 7631080023, 7631080024, E-Mail- info@cambrianpublicschool.com
Website : www.cambrianpublicschool.com

शहर में आज

1. तीसरा विकल्प जनमत की प्रेस वार्ता, प्रेस क्लब में दोपहर 2 बजे
2. प्रदेश कांग्रेस की बैठक, कांग्रेस भवन में दोपहर 12 बजे
3. जैन समाज का पर्युषण पर्व, शहर में गणेश पूजा का आयोजन, सुबह से

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

लोजपा में 200 युवाओं ने की सदस्यता ग्रहण

रांची। निवारणपुर, स्थित लोजपा (आर) के कार्यालय में रविवार को वीरेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में बैठक हुई. इसमें महानगर एवं जिले के 200 युवाओं ने चिराग पासवान व प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए रतन पासवान तथा बिट्टू के नेतृत्व में पार्टी की सदस्यता ली. इस दौरान नमन गुप्ता, आयुष, शुभम, अभिषेक सिंह, प्रिंस मिश्रा, अभिषेक, सुमित वर्मा, हर्ष गुप्ता, सूरज मोदी, शुभम गुप्ता, निशांत सोनी आदि ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. मौके पर झारखंड में विस चुनाव के लिए सभी कार्यकर्ताओं को प्रदेश अध्यक्ष ने तैयार रहने का निर्देश दिया.

श्रीदुर्गा पूजा समिति कार्यालय का उद्घाटन

रांची। बिहार क्लब में रविवार को महानगर श्रीदुर्गा पूजा समिति कार्यालय का उद्घाटन सांसद महुआ मांजी ने किया. कहा कि पूजनोत्सव में महानगर समिति की अहम भूमिका रहती है. डॉ. अजीत सहाय ने बताया कि नगर श्रीदुर्गा पूजा समिति के नाम से 1971 में समिति गठित की गयी थी. 1978 में इसका नाम बदल कर रांची महानगर श्रीदुर्गा पूजा समिति रखा गया. शुरुआत से ही समिति सद्भाव बनाए रखने में भूमिका अदा कर रही है. चंचल चटर्जी ने कहा कि दुर्गोत्सव के भव्य आयोजन में अपना पूर्ण सहयोग देंगे.

मरियम के जीवन को आदर्श मानना चाहिए

रांची । बेड़ो दिघिया, रांची महाधर्मप्रांत के संत बर्कमंस चर्च प्रगाण में रविवार को आर्च बिशप विंसेंट आइंद ने पल्ली विश्वासियों के लिए पहली बार मिस्सा बलिदान अर्पित किया और दृढ़ीकरण संस्कार प्रदान किया. दिघिया पल्ली में आर्च बिशप विंसेंट आइंद का आगमन हुआ, जहां उन्होंने पल्ली के कैथोलिक विश्वासियों के लिए मिस्सा बलिदान अर्पित किया.इसके साथ ही छह लोगों को दृढ़ीकरण संस्कार प्रदान किया. इस अवसर पर आर्चबिशप ने संदेश मे कहा कि हम प्रभु ईश्वर की दृष्टि में हम प्रत्येक मूल्यवान हैं. माता मरियम एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हुए भी ईश्वर की कृपापात्री बनी.

संस्कार भारती रांची में बही संगीत की बयार

रांची । संस्कार भारती रांची महानगर की ओर से गणेश चतुर्थी के अवसर पर संगीत की बयार में लोग आनंदित होते रहे. मौके पर उपस्थित रांची महानगर के कार्यकारी अध्यक्ष आशुतोष प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलन किया. संस्कार भारती के ध्येय गीत से समारोह की शुरुआत हुई. इस अवसर पर रांची के संगीत कलाकार एवं नवोदय विद्यालय के भूतपूर्व शिक्षक अवनींद्र सिंह ने लोक गीत एवं निराला की सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी. संस्कार भारती रांची महानगर की संगीत सह संयोजिका सुजाता मजूमदार ने ध्येय गीत,एवं तीन भजन गणेश जी पर प्रस्तुत किया.

प्रभात तारा मैदान में आयोजित झारखंड नवनिर्माण संकल्प सभा में उमड़े लोग, बोले सुदेश- हेमंत सरकार राज्य चला नहीं रही संपदाओं को चर रही है

आजसू कोई राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि झारखंड आंदोलन का प्रतीक

प्रमुख संवाददाता। रांची

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा है कि हेमंत सरकार, सरकार नहीं शिकारी बन गई है. लोकतंत्र के मालिक जनता की चुनी सरकार चुनाव से पहले उसके मतदाताओं का शिकार करने के लिए सरकारी खजाने का चारा फेंक रही है. हजारों युवाओं, बेरोजगारों का यह जुटान इस बात का गवाह है कि सरकार ने वादा खिलाफी के साथ उनके सपनों को कुचला है. नीति, नीयत और विश्वसनीयता के पैमाने पर विफल इस निकम्मी सरकार को सत्ता से बेदखल करने का समय आया है. युवा इसी संकल्प के साथ हर एक कदम बढ़ाते रहें.

सुदेश महतो रविवार को प्रभात तारा मैदान में हुई झारखंड नवनिर्माण संकल्प सभा में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि शहीदों के सपनों का झारखंड बनाने के लिए नीति, नीयत और विश्वसनीयता की आवश्यकता है. मौजूदा सरकार इन तीनों मापदंडों पर विफल रही है. हमारे युवा सड़कों पर हैं. युवा रोजगार मांग रहे हैं.

हम विकास-दर नहीं, रोजगार-दर देखेंगे

हर युवा को राज्य सरकार ने लूटा : राज्य सरकार ने युवाओं से बेरोजगारी भत्ता का वादा किया था. अगर यह अपने वादे पर काम किए होते तो आज हर युवक को 4 लाख 20 हज़ार रुपए मिले होते. हेमंत सरकार ने सिर्फ राज्य को ही नहीं लूटा, जमीन व खदान को नहीं लूटा, बल्कि इन्होंने हर युवा के 4 लाख 20 हज़ार रुपया को भी लूटा है. सरकार ने कहा था दो हजार रुपये का चूल्हा भत्ता देंगे. अभी तक हर महिला को दो हजार रुपए प्रति माह के दर से चूल्हा भत्ता दी होती तो अभी तक 5 वर्ष में हर महिला को एक लाख बीस हज़ार रुपए मिला होता. महिलाओं को यह राशि हेमंत सरकार से मांगनी चाहिए. सरकार ने कहा था हर वर्ष जेपीएससी परीक्षाएं लेगी. लेकिन यह भी नहीं हुआ.

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, प्रधान महासचिव राम चंद्र सहिस, महासचिव एवं विधायक लंबोदर महतो, महासचिव एवं विधायक सुनीता चौधरी, उपाध्यक्ष उमाकांत रजक, कुशवाहा शिवपुजन मेहता, डॉ देवशरण भगत, हसन अंसारी, राजेंद्र मेहता, बनमाली मंडल, हरीश कुमार, अरविंद कुमार, युवा आजसू के अमित कुमार, गौतम सिंह, अमित महतो, जब्बार अंसारी, ओम वर्मा, ज्योत्सना केरकेट्टा, विशाल महतो सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे.

निकम्मी सरकार को हटाना है: चंद्रप्रकाश चौधरी

गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि चौथी बार सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम कर रही है. आज तक एक भी आवेदन का निष्पादन नहीं हुआ. अगर हुआ होता तो इन्हें चौथी बार यह कार्यक्रम करने की जरूरत नहीं पड़ती. आज यहां आए हज़ारों युवाओं ने इस निकम्मी सरकार को सत्ता से हटाने का संकल्प लिया उसे हम सभी मिलकर पूरा करने का काम करेंगे. रामचंद्र साहिस ने कहा कि राज्य की दिशा और दशा बदलने की क्षमता युवाओं में है. उमा कांत रजक ने कहा कि इस वादाखिलाफी सरकार को उखाड़ फेंकना है. युवा शक्ति के साथ से से बदलाव लाने की तैयारी है. विधायक लंबोदर ने कहा कि वर्तमान सरकार की कथनी और करनी में बहुत अंतर है. मौके पर गुवा गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई.

5 लाख लोग रोजगार की तलाश में निकलते हैं घरों से

5 लाख लोग रोजगार की तलाश में घरों से निकलते हैं. इसमें शिक्षित, अशिक्षित, कुशल, अकुशल एवं हर प्रकार के कामकाजी उम्र के लोग शामिल हैं जो हर रोज घर से निकलते हैं और बिना एक रुपये कमाए वापस लौट जाते हैं. सरकार की प्राथमिकता आंदोलनकारियों के अनुरूप नहीं है.

बिरसा चौक से प्रभात तारा मैदान तक की गई पदयात्रा

आजसू सप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिभा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. इसके बाद वहां से उन्होंने हजारों बेरोजगार युवाओं के साथ प्रभात मैदान स्थित सभा स्थल तक पदयात्रा की. पदयात्रा में पार्टी के सांसद, विधायक, पूर्व विधायक कई पदाधिकारी भी शामिल हुए.

---

15 को पीएम मोदी आएंगे जमशेदपुर, वंदे भारत ट्रेन की सौगात देंगे

सीएम फेस पर पार्लियामेंटरी बोर्ड लेगा फैसला: शिवराज

- बिगड़ती कानून व्यवस्था, घुसपैठ और बदलती डेमोग्राफी के मुद्दे के साथ चुनाव में जाएंगे

प्रमुख संवाददाता। रांची

केंद्रीय कृषि मंत्री सह झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सीएम फेस पर पार्लियामेंटरी बोर्ड फैसला लेगा. बिगड़ती कानून व्यवस्था, बदलती डेमोग्राफी और घुसपैठ सहित अन्य मुद्दों के साथ बीजेपी चुनाव में जाएगी. वे रविवार को प्रदेश बीजेपी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि 19 से 20 सितंबर या इसके आस-पास किसी भी तिथि में राज्य के छह हिस्सों से परिवर्तन यात्रा निकाली जाएगी. इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है. इस यात्रा का पार्टी के टॉप छह लीडर नेतृत्व करेंगे. इस यात्रा के जरिए राज्य सरकार की विफलता को सामने लाया जाएगा. लोगों के आक्रोश को उभारा जाएगा.

शिवराज ने कहा कि पीएम मोदी 15 सितंबर को जमशेदपुर आएंगे. पीएम आवास सहित अन्य योजनाओं की सौगात देंगे. टिकट बंटवारा पर कहा कि पार्टी में लोकतंत्र है. इसलिए हर कोई टिकट का दावा कर सकता है. वरीय नेता भी जिलों में जाकर जनता और कार्यकर्ताओं संग चर्चा करते हैं.

रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते विस चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान.

शिवराज ने और क्या कहा

- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी देश के बाहर जाकर देश के सम्मान के साथ न खेलें
- 15 सितंबर को पीएम मोदी जमशेदपुर से वंदे भारत ट्रेन की सौगात देंगे.
- पीएम एक लाख 13 हजार 195 गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना की सौगात देंगे.
- पांच साल में राज्य सरकार ने विकास का कोई काम नहीं किया
- चुनाव देखकर सरकार कर रही है धड़ाधड़ घोषणाएं
- राज्य सरकार को पता है कि जो योजनाएं वह शुरू कर रहे हैं उसे पूरा नहीं करना है.
- भ्रष्टाचार चरम पर है, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में भी पुरुष इसका लाभ ले रहे हैं.

केवल वोट के लिए राज्य सरकार कर रही घोषणाएं : शिवराज ने कहा कि सिर्फ वोट के लिए राज्य सरकार घोषणाएं कर रही हैं. जब भाजपा ने पूछा कि आखिर लोगों को मिला क्या तो और कई घोषणाएं करने लगे. इस मौसम में युवाओं को उत्पाद सिपाही की नौकरी के लिए दस-दस किलोमीटर दौड़ लगवाकर नियुक्ति का दिखावा करने लगे. इस दौरान न पानी, न छांव, न इलाज की व्यवस्था की गई. इसका नतीजा हुआ कि 16 नौजवानों को अपनी जान गंवानी पड़ी. शिवराज ने कहा कि झामुमो सरकार को राज्य के युवा कभी माफ नहीं करेंगे. हमारा लक्ष्य झारखंड को झामुमो के कुशासान से मुक्त कराना है.

संयुक्त शिक्षक मोर्चा के लोग सीएम से मिले, मिला समाधान का आश्वासन

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश संयुक्त शिक्षक मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल रविवार को सीएम हेमंत सोरेन से मिला. शिक्षकों के लंबित एवं जायज मांगों से संबंधित ज्ञापन सौपा. सीएम ने कहा कि उनकी सभी मांगें उनके संज्ञान में हैं. समाधान के लिए प्रयास कर रहे हैं. मोर्चा के प्रदेश संयोजक अमीन अहमद व प्रवक्ता अरुण दास ने बताया कि राज्य के सभी स्कूलों के शिक्षकों के साथ होते अत्याचार को एमएसीपी का लाभ देकर सरकार इसे दूर कर सकती है.

विडंबना है कि शिक्षकों को छोड़कर राज्य के सभी कर्मियों को नियमित रूप से प्रोन्नति व एमएसीपी का लाभ मिल रहा है. किंतु शिक्षकों के साथ अन्याय हो रहा है. उन्होंने चुनाव आचार संहिता के पूर्व शिक्षकों को आर्थिक न्याय देने की मांग की. मोर्चा सदस्यों ने झारखंड के साथ एक ही साथ बने छत्तीसगढ़ व उत्तराखंड का उदाहरण देते हुए कहा कि दोनों ही राज्यों में राज्यकर्मियों की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ाकर 62 वर्ष कर दी गई है.

2006 से पूर्व के नियुक्त शिक्षकों को छठे वेतन आयोग की अनुशंसा के बावजूद उत्क्रमित वेतनमान से वंचित रखा गया है, जबकि सचिवालय कर्मियों को पहले से ही इसका लाभ मिल रहा है. जिससे राज्य के शिक्षक अपने ही राज्य में ठगा सा महसूस कर रहे हैं. मोर्चा ने गृह जिला तबादले के मामले में पूर्व के जटिल नियमों को शिथिल करते हुए सामूहिक तबादले की मांग की. शिष्टमंडल में मोर्चा के अमीन अहमद, विजय बहादुर सिंह, अरुण दास, आशुतोष कुमार, फखरुद्दीन, मकसूद जफर हादी शामिल थे.

सीएम से मिले मनरेगा कर्मी, मिला आश्वासन

रांची। रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलने के लिए मनरेगा संघ के प्रतिनिधि उनके आवास पर सुबह 10 बजे पहुंचे. शिष्टमंडल में प्रदेश अध्यक्ष जॉन बागे , संजय प्रमाणिक, बसंत टुडू, मोइनुल, लतीफ शामिल थे. मुख्यमंत्री के यहां से सूचना मिली कि वे आज किसी से नहीं मिलेंगे. उनका कार्यक्रम चाईबासा का है, और वे वहीं के लिए निकल रहे हैं. फिर भी मनरेगा संघ को मुख्यमंत्री के द्वारा समय दिया गया. प्रदेश अध्यक्ष जॉन बागे ने बताया कि मुख्यमंत्री ने हमारी बातों को गंभीरता पूर्वक सुना.

न्यूज अपडेट

जमीयतुल इराकीन की पुरानी बिल्डिंग बनी स्कूल, सांसद ने किया उद्घाटन

रांची। जमीयतुल इराकीन की पुरानी बिल्डिंग कलालटोली में रविवार को हाईटेक स्कूल का उद्घाटन राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने किया. मौके पर सांसद को सौंपा गया. बताया कि ईराकिया गर्ल्स स्कूल की पुरानी बिल्डिंग का जीर्णोद्वार मौजूदा कमेटी ने किया है. इस पर 15 लाख खर्च हुए. कम पैसे के कारण कक्षा 1 से कक्षा 6 की बच्चियों के लिए बेंच /डेस्क नहीं है, बोरिंग भी नहीं है. सांसद से मांग की कि वे कमेटी की मदद करें. महासचिव सैफुल हक ने कहा कि कमेटी ने 18 माह में कई कार्य किये हैं. प्रयास है कि जल्दी ही और संसाधन जुटाए जाएं. इसके लिए मदद चाहिए.

विहिप झारखंड प्रांत कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

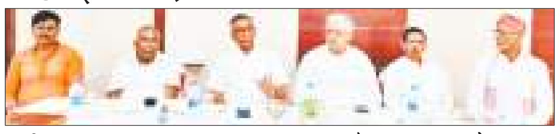

रांची। विहिप झारखंड प्रांत कार्यकारिणी की बैठक रविवार को चंद्रकांत रायपत की अध्यक्षता में संपन्न हुई. मुख्य अतिथि के रूप में विनायकराव देशपांडे, केंद्रीय सहसंगठन महामंत्री शामिल थे. बैठक में विगत कार्यक्रमों की समीक्षा की गई, जिसमे षष्टिपूर्ति का कार्यक्रम पूरे प्रान्त में 340 प्रखंड में 277 प्रखंड में की गई और 36 प्रखंडो में कार्यक्रम किया जाना हैं. बैठक में आगामी कार्यक्रम समीक्षा कि गई. जिसमे दुर्गा अष्टमी का कार्यक्रम 3 अक्तूबर से 13 अक्तूबर तक किया जायेगा, सभी विभाग में नारी शक्ति संचलन यात्रा निकाली जायेगी,17 अक्टूबर को बाल्मिकी जयंती कार्तिक अष्टमी गोपाष्टमी 8 नवंबर ,15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस मनाया जाएगा.

एआईएमआईएम का मिलन समारोह आयोजित

रांची। हिंदपीढ़ी मंटू चौक में एआईएमआईएम का मिलन समारोह का आयोजन अध्यक्ष महताब आलम के नेतृत्व में हुआ. अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मो शाकिर ने की. मुख्य अतिथि के रूप में मिर्जा रियाजुल हसन, सैयद सोहेल कादरी, सरफराज अहमद, मुजफ्फर हुसैन, अब्दुल हन्नान, मो. नसीरुद्दीन ने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया. मिर्जा रियाजुल हसन ने पार्टी की नीतियों को विस्तार से बताया. महताब आलम ने कहा कि मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं पर मुसलमानों में खौफ है, इस बार झारखंड की जनता ओवैसी के नेतृत्व पर विश्वास जता रही है. मौके पर मो मेराज, मौलाना मोकर्रम मदनी, जावेद अहमद, मो अनवर, मो अखलाक आदि शामिल थे.

दिउडी मंदिर में धर्म का नहीं, बल्कि जमीन का विवाद है: ग्राम सभा

रांची। दिउड़ी ग्राम सभा के बैनर तले रविवार को दिउड़ी मंदिर विवाद और दो आदिवासी अगुवा को पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने के विरोध में सैकड़ों आदिवासी रांची नगर निगम पार्क के सामने जमा थे. जो तमाड़ के प्रसिद्ध दिउड़ी मंदिर को लेकर दर्द और दुख के बताने के लिए रविवार को सीएम हेमंत सोरेन से मिलना चाहते थे. मौजूद लोगों ने बताया कि धर्म का विवाद नहीं, बल्कि जमीन का विवाद है. श्रद्धालुओं से धर्म के नाम पर पैसा वसूला जा रहा है. मंदिर को व्यवसाय बना दिया गया है. जबरदस्ती मंदिर का विवाद बनाया गया है. बल्कि यह जमीन का लड़ाई है. जब आदिवासी समाज गलत का विरोध करता है, तो उसकी आवाज दबाई जाती है. और लोगों पर गलत आरोप लगा कर पुलिस प्रशासन से दबाव बनाया जाता है. यह मंदिर आदिवासियों का है. इसे आदिवासियों ने बनाया है. यह मंदिर आदिवासियों की आस्था से जुड़ा हुआ है. जिसपर गैर आदिवासियों ने ट्रस्ट बना कर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है. प्रशासन के बलबूते दिउड़ी की जमीन को लूटा जा रहा है.

समस्या का समाधान करने में युवाओं को आगे आना होगा: समीर केरकेट्टा

संवाददाता। रांची

सामाजिक, राजनीतिक हर क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी चाहिए. युवा हर परिस्थिति से लड़ने के लिए आगे आएं. ये बातें रविवार को डायसिस ऑफ छोटानागपुर युथ मोमेंट बहूबाजार पेरिस में आयोजित युवा यूथ कैम्प को कोकर पेरिस के यूथ डायरेक्टर समीर केरकेट्टा ने कहीं.

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी करें. चाहे वह देश, चर्च , परिवार या समाज हो. इसके लिए जो ईश्वर का वचन है. उसे पूरा करना है. सत्य का वचन को अपनी कमर से बांधे रखना है और धार्मिकता के झिलम (वस्त्र) में चाहे किसी भी धर्म को मानते हैं. आज हर परिस्थिति से आज हमारी लड़ाई, परिवार से हैं, भ्रष्टाचार , सिस्टम से है. और अपने आप से भी है. आज हम अपने परिपेक्ष्य को कहां देख पाते हैं? इसके लिए हमें हर समय बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए. हर अच्छे काम के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए.

41 युवाओ ने कैंडल सर्विस में लिया हिस्सा : संतपपौल्स कथिड्रल चर्च के पेरिस पुरोहित डेविड ने 41 युवाओं को कैंडल सर्विस के माध्यम से डीसीवाईएम के नये सदस्य बनाए. जिसमें सभी युवाओं ने हाथ में जलते कैंडल को पकड़ा और चर्च के गतिविधियों, यीशु सुसमाचार ,युवाओ के आंदोलन ,नये विचारो को आगे बढाने के लिए संकल्प दिलाया.

पुरस्कृत हुए युवा : यूथ कैम्प मे युवाओं के बीच विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किये गये. जिसमें ग्रुप क्विज, बाइबल क्विज, कैंडल सर्विस, स्लो सांग, एक्शन सांग आयोजित हुआ. पहला ,दूसरा और तीसरा पुरस्कार पाने वाले युवाओं को पुरस्कृत किया गया. मौके पर डीसीवाईएम के अध्यक्ष अमित सुरीन, सचिव अनिप टोप्पो, निदेशक मनोनीत सौके शोभा पूर्ती, सुभांजली खलखो समेत अन्य शामिल थे.

मौसम आज से बिगड़ेगा राजधानी का मौसम, भारी बारिश का ऑरेंज-यलो अलर्ट

12 सितंबर तक खराब रहेगा झारखंड का मौसम

संवाददाता। रांची

झारखंड में एकबार फिर मौसम बिगड़ने के आसार हैं. मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान झारखंड के विभिन्न हिस्सों में गरज चमक के साथ आंधी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग की मानें तो झारखंड के अलग अलग हिस्सों में 12 सितंबर तक मौसम खराब रहेगा.

भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र ने 10 और 11 सितंबर को झारखंड के कुछ जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है. बंगाल की खाड़ी में बन रहा कम दबाव का क्षेत्र मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र दबाव में तब्दील हो गया है. यह दबाव दीघा

(पश्चिम बंगाल) से 410 किलोमीटर दक्षिण में मौजूद है. अगले 24 घंटों के दौरान इस मौसम प्रणाली के उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों की ओर बढ़ने और गहरे दबाव में तब्दील की उम्मीद है. इसके बाद यह अगले दो दिनों के दौरान मैदानी इलाकों में जोरदार बारिश कराएगा. यह वेदर सिस्टम अगले दो दिनों के दौरान उत्तरी ओडिशा, पश्चिम बंगाल में गंगा के तटीय इलाकों के साथ झारखंड और उससे सटे उत्तरी छत्तीसगढ़ में आगे बढ़ जाएगा. इसे देखते हुए मौसम विभाग ने ओडिशा के गंजम, गजपति, रायगढ़ा, मलकानगिरी और कोरापुट जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है.

तेज हवा के साथ होगी बारिश : मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार, मंगलवार और बुधवार को ओडिशा के अधिकांश हिस्सों में बारिश का अनुमान है. मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान झारखंड के विभिन्न हिस्सों में तेज हवा और गरज चमक के साथ बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है. खासकर सूबे के दक्षिणी भागों में कहीं-कहीं पर भारी बारिश की संभावना जताई है. रांची, बोकारो, गुमगुला, हजारीबाग, खूंटी और रामगढ़ जिलों में विभिन्न जगहों पर झमाझम बारिश का पूर्वानुमान है. रांची में भी गरज चमक के साथ बारिश की एक से दो लहर देखी जा सकती है. रांची में 12 सितंबर तक ऐसा ही मौसम देखने को मिल सकता है. मौसम विभाग की ओर से जारी ऑल इंडिया वेदर बुलेटिन में कहा गया है कि 10 और 11 सितंबर को झारखंड में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है. खासकर 10 सितंबर को लोहरदगा, सिमडेगा और गुमला जिलों, जबकि 11 सितंबर को कोडरमा, चतरा और हजारीबाग जिलों के विभिन्न हिस्सों में भारी से ज्यादा भारी बारिश देखी जा सकती है. इसको लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. 12 सितंबर को भी झारखंड मेंके विभिन्न हिस्सों में झमाझम बारिश की संभावना है.

धनबाद ड्रैगन्स की लगातार तीसरी जीत दुमका डायनामोज ने जीता पहला मैच

जेएससीए वीमेंस टी 20 लीग

खेल संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के घरेलू महिला टी 20 लीग में धनबाद ड्रैगन्स ने लगातार तीसरी जीत दर्ज की. रविवार को दो मुकाबले जेएससीए मुख्य और ओवल मैदान में खेले गए. जिसमें धनबाद ड्रैगन्स ने रांची रॉयल्स को 40 रनों से मात दी. दूसरे मुकाबले में दुमका ने बोकारो वॉरियर्स को हराकर जीत का खाता खोला.

दोनों मैच जीतने वाली टीम रांची रॉयल्स और धनबाद ड्रैगन्स के बीच मुकाबला हुआ. टॉस जीतकर ड्रैगन्स ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. धनबाद ड्रैगन्स ने शशि माथुर के 39 गेंदों पर 46 रन और प्रियंका लूथरा के 23 गेंदों पर 29 रन के बदौलत 20 ओवर में आठ विकेट पर 117 रन बनाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी रांची रॉयल्स की टीम धनबाद ड्रैगन्स की प्रीति कुमारी और प्रियंका लुथरा के गेंदबाजी के सामने नहीं टीक सकी और 18.1 ओवर में 9 विकेट पर 77 रन ही बना सकी.

प्रीति कुमारी ने तीन और प्रियंका ने दो विकेट झटके. रांची रॉयल्स की ओर से संध्या कुमारी ने सर्वाधिक 22 रन बनाए. शानदार गेंदबाजी के लिए धनबाद ड्रैगन्स कि प्रीति कुमारी प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. जेएससीए मुख्य मैदान में बोकारो वॉरियर्स और दुमका डायनामोज के बीच मैच खेला गया. टॉस जीतकर बोकारो वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16.4 ओवर में 65 रनों पर ढेर हो गई. दुमका डायनामोज की ममता पासवान ने 11 रन देकर चार विकेट झटके. वहीं बोकारो वॉरियर्स कि ओर से प्रीति शर्मा ने सर्वाधिक 21 रन बनाए. आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी दुमका डायनामोज कि टीम ने 11.3 ओवर में दो विकेट खोकर 68 रन बना लिए और अपना पहला मुकाबला जीता. दुमका डायनामोज की ओर से सोनिया ने नाबाद 34 रनों कि पारी खेली. चार विकेट लेने वाली दुमका डायनामोज कि ममता पासवान को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

▼ ब्रीफ खबरें

रिसालदार शाह बाबा के मजार पर की चादरपोशी

रांची । बिहार सरकार के जेडीयू से ग्रामीण विकास मंत्री सह झारखंड प्रभारी डॉ अशोक चौधरी रविवार को डोरंडा स्थित हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार शाह बाबा की दरगाह में चादरपोशी की. चादरपोशी के बाद अशोक चौधरी ने कहा कि बाबा के दरबार मे मैने अपनी बेटी सांभवी चौधरी के लिए मन्नत मांगी थी, जो बाबा की दुवा से पूरी हो गई. आज मेरी बेटी बिहार के समस्तीपुर से संसद बन गई है. उन्होंने कमेटी द्वारा किए जा रहे बाबा के दरबार के लिए विकास कार्यों की सराहना की. कहा कि अगर मैं उर्स के मौके पर रांची मे रहा तो बाबा के उर्स मे जरूर शामिल होऊंगा.

एकता कमेटी ने बच्चों को किया सम्मानित

रांची। भारतीय एकता कमेटी की ओर से गुदड़ी स्थित कार्यालय में समारोह का आयोजन किया गया. मौके पर बच्चों को सम्मानित किया गया. बच्चों को मेडल का सम्मान दिया गया. लोगों ने कहा बच्चों को इस तरह सम्मानित करने से उनका हौसला बढ़ता है, और वे आगे से आगे बढ़ेंगे. कमेटी अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने बच्चों को अच्छी शिक्षा हासिल करने की सीख दी. उन्होंने कहा कि शिक्षा के ही बल पर कल आप समाज, राज्य व देश का नाम रौशन कर पायेंगे. इसलिये अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस करें.

ईस्ट जोन योगासन चैंपियनशिप समाप्त

रांची। गुरु नानक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रांची में चल रहे चार दिवसीय पूर्वी क्षेत्रीय योगासन चैंपियनशिप- 2024 का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया. मालूम हो इस चैंपियनशिप में करीब 40 विद्यालय के 350 विद्यार्थियों ने भाग लिया. समापन समारोह के आरंभ में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार कुलतार सिंह, उपाध्यक्ष सरदार करनल विजय सिंह समेत अन्य सभी सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन किया गया. इस प्रतियोगिता में सीबीएसई के पर्यवेक्षक शुभम् कुमार व प्रवीर पारोई को सम्मानित किया गया.

रिसालदार शाह बाबा का सालाना उर्स 19 से

रांची । रिसालदार बाबा दरगाह कमेटी के अध्यक्ष अय्यूब गद्दी, महासिचव जावेद अनवर, उपाध्यक्ष रिजवान हुसैन ने बताया कि डोरंडा स्थित हजरत रिसलदार शाह बाबा का 217वां सालाना उर्स 19 सितंबर से होगा, जो 23 सितंबर तक चलेगा. उन्होंने बताया कि उर्स में जायरीनों की सुरक्षा को लेकर दरगाह कमेटी ने प्रशासन से मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरा और विशेष सुरक्षा बल की मांग की है. मौके पर दरगाह कमेटी के बेलाल अहमद, उप सचिव जुल्फेकार अली, मो सादिक, कोषाध्यक्ष जैनुल आबेदीन शामिल थे.

जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का समापन

रांची। जिला योगासन खेल संघ द्वारा आयोजित पांचवा जिला स्तरीय योगासन का रविवार को समापन हुआ. डीएवी नंदराज में आयोजित प्रतियोगिता के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मधुलिका वर्मा, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी, सामाजिक कार्यकर्ता जय श्रीवास्तव, शिक्षिका नेहा रानी उपस्थित रहे. रविवार को जूनियर एवं सब जूनियर वर्ग के बालक बालिकाओं का प्रतियोगिता कराया गया. समापन समारोह में सभी विजेता खिलाड़ियों को पदक और स्मृति चिन्ह के साथ सम्मानित किया गया.

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ की जमशेदपुर में हुई बैठक में एजीएम में नई चयन समिति का गठन

16 खिलाड़ी सम्मानित, लिये गये कई निर्णय

खेल संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) रविवार को जमशेदपुर के होटल द वेव इंटरनेशनल में संपन्न हुई. बैठक में कुल 446 सदस्य उपस्थित हुए. विदेश में होने के कारण बैठक में एमएस धोनी ऑनलाइन जूम के जरिए शामिल हुए. एजीएम में लगभग सभी एजेंडे सर्वसम्मति से पारित किया गया. वहीं थोड़े विरोध के बीच 28 नए सदस्यों के चयन प्रक्रिया को कमेटी ने पास किया.

एजीएम में नई चयन समिति का गठन किया गया, जिसमें हाल ही में क्रिकेट से संन्यास लेने वाले खिलाड़ियों को शामिल किया गया है. साथ ही बीसीसीआई टूर्नामेंट में सभी आयु वर्ग के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और गेंदबाजों को सम्मानित किया गया. जिसमें रणजी ट्रॉफी में विराट सिंह, अनुकूल रॉय, पुरुष अंडर 23 में शिखर मोहन, मनीषी, पुरुष अंडर 19 में वत्सल तिवारी, अभिषेक यादव, पुरुष अंडर 16 में चैतन्य बीर और ईशान ओम को सम्मानित किया गया. वहीं वूमेंस सीनियर में रश्मि गुड़िया, देवयानी प्रसाद, वूमेंस अंडर 23 में प्रियंका लूथरा, नेहा कुमारी साव, वूमेंस अंडर 19 में प्रगति कुमारी, पल्विका राठौर, वूमेंस अंडर 15 में कुमारी पलक और दिव्या राय को सम्मानित किया गया.

वार्षिक आम बैठक में खिलाड़ी को सम्मानित करते संघ के पदाधिकारी.

एजीएम के प्रमुख फ़ैसले

सीनियर चयन समिति में सुब्रतो दास (अध्यक्ष), अनवर मुस्तफा, बिनोद खुल्लर, सुब्रतो घोष, ब्रजेश रॉय. **जूनियर चयन समिति** में सौरभ तिवारी (अध्यक्ष), शाहबाज नदीम, सतीश सिंह, विकास कुमार, राजेश झा महिला चयन समिति में मिलन दत्ता (अध्यक्ष), जेके सिन्हा, निशिकांत मोहंती, चरणजीत कौर, मनोज कुमार

2. **पेंशन योजना की शुरूआत :** उन खिलाड़ियों के लिए खिलाड़ी पेंशन योजना को अपनाया जो 2003 के बाद क्रिकेट से सेवानिवृत्त हो गए हैं और जिन्हें बीसीसीआई से कोई लाभ नहीं मिल रहा है.
3. **उन्नत पुनर्वास केंद्र की स्थापना :** राज्य के खिलाड़ियों को उच्च गुणवत्ता वाले उपचार और रिकवरी सेवाएं प्रदान करने के लिए एक उन्नत पुनर्वास केंद्र स्थापित किया जाएगा.
4. **जिलों में बुनियादी ढांचे का विकास :** जिलों में बुनियादी ढांचे के विकास को मंजूरी दी ताकि जमीनी स्तर पर क्रिकेट सुविधाओं को बढ़ाया जा सके और खिलाड़ियों के विकास में सहायता की जा सके.
5. जेएससीए के दोनों बैंकरों अर्थात् इंडियन बैंक और बैंक ऑफ इंडिया ने सभी आयु वर्ग के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और गेंदबाजों के लिए क्रिकेट गियर प्रदान करने के लिए 2-2 लाख रुपये प्रायोजित करने पर सहमति व्यक्त की है.

शहर के पूजा पंडाल

लुभाएगा फल-फूल और पेड़ के छाल से सजा गया पंडाल

संवाददाता ।रांची

▪ सत्य अमर लोक

सत्य अमर लोक दुर्गा पूजा समिति, मारवाड़ी भवन में इस बार भी भव्य रूप में दुर्गोत्सव मनाएगा. इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है. पश्चिम बंगाल से आए कारीगर रात-दिन पंडाल निर्माण में लगे हैं. ढांचा खड़ा किया जा चुका है. पंडाल 60 फुट चौड़ा और 70 फुट उंचा पंडाल को और भी अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए दर्जनो बांस लगाए जा रहे हैं. जल्द ही फल-फूल और पेड़ के छाल से सजा काल्पनिक मंदिर लुभाने लगेगा. पूजा स्थल पर दूर तक आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी. दर्शनार्थियों के स्वागत के लिए तोरण द्वार बनाए जाएंगे. पूजा समिति के सुरेश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि पूजा के दौरान मारवाड़ी भवन में खाने-पीने के स्टाल भी लगाए जाएंगे. जहां अन्य व्यंजनों के साथ साउथ इंडियन और मारवाड़ी व्यंजन का भी श्रद्धालु जायका चखेंगे. उन्होंने बताया कि समिति ने 1978 में पूजा की शुरुआत की थी. उस वक्त छोटे रूप में पूजा होती थी, लेकिन अब यह वट वृक्ष का रूप ले चुकी है. समिति की ओर से हर साल दर्शनार्थियों के लिए मनभावन और अद्भुत भव्य पंडाल का निर्माण कराया जाता है. इस बार भी बेहतर प्रयास किया जा रहा है.

अशोक सामंता के निर्देशन में बन रहा पंडाल : मेदिनीपुर, ललाट गांव से आए मुख्य कारीगर अशोक सामंता के निर्देशन में 36 कारीगर पंडाल निर्माण कार्य में लगे हैं. अशोक ने बताया कि दो माह पहले से ही साज-सज्जा की तैयारी चल रही है. गांव में ही फल-फूल और पेड़ का छाल एकत्रित कर काम शुरू कर दिया है.

पूजा स्थल पर 30 अगस्त से काम में लगे हैं. नवरात्र के पंचमी तक सारा काम पूरा कर लिया जाएगा. षष्ठी को सभी घर लौट जाएंगे. उन्होंने बताया कि तीन से 15 सौ रुपए की हाजिरी तक के कारीगर काम कर रहे हैं.

16 फीट ऊंची और 24 चौडी होगी मां की प्रतिमा

सजे-घजे पंडाल के भव्य दरबार में 16 फीट ऊंची और 24 चौडी मां दुर्गा की प्रतिमा अन्य देवी-देवताओ संग आभा बिखेरेंगी. मेदिनीपुर के अनूप गोराई की देख-रेख में शिल्पकारों की टोली प्रतिमाएं गढ़ रही है.

गठित पूजा समिति : संरक्षक विधायक सीपी सिंह, भाजपा नेता सत्येंद्र नारायण सिंह, व्यवसायी ओम प्रकाश राजगढ़िया, श्याम सुंदर गोयल, अध्यक्ष श्री हेमेंद्र सिंह, सचिव कमल गुप्ता, कोषाध्यक्ष रवि नारसरिया सहित 50 सदस्य गठित पूजा समिति में शामिल हैं, जो तन-मन और धन से मां दुर्गा की पूजनोत्सव की तैयारी में लगे हैं.

दस दिनों तक व्रतोपवास और साधना पर रहेंगे जैन धर्मावलंबी

उत्तम छमा से दिगंबर जैन समाज का पर्युषण प्रारंभ

खास बातें

- जैन मंदिर ववासुपुज्य जिनालय में की गयी विशेष पूजा-अर्चना
- वाद्ययंत्रों के साथ संगीतमय सामूहिक पूजन, शास्त्र वाचन

संवाददाता ।रांची

दिगंबर जैन समाज का पर्वराज पर्युषण रविवार को उत्तम छमा के साथ प्रारंभ हो गया. अब दस दिनो तक धर्मावलंबी व्रत-उपवास और तप-साधना कर भक्ति में रमे रहेंगे. साथ ही प्रत्येक दिन उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, अकिंचन और ब्रह्मचर्य दशलक्षण धर्मों को आत्मसात कर आत्म उत्थान के पथ पर अग्रसर होंगे. दशलक्षण पर्व के पहले दिन समाज के जेजे रोड स्थित दिगंबर जैन मंदिर और वासुपुज्य जिनालय में विशेष पूजा-अर्चना की गयी. जैन मंदिर में सागर से आए विद्वान पंडित निखिल शास्त्री के सानिध्य में वाद्ययंत्रो के साथ संगीतमय सामूहिक पूजन, शास्त्र वाचन और मंडल पूजन किया गया. पवन कुमार,रोहित कुमार बाकलीवाल परिवार और सुनील,अनिल चांदूवाड परिवार ने मंदिर में प्रथम शान्ति धारा कर श्रीजी के श्रीचरणो में श्रद्धा अर्पित की.

दोपहर में जैन युवा जागृति की ओर से फेंन्सी ड्रेस प्रतियोगिता करायी गयी. रात्रि प्रवचन में निखिल शास्त्री ने उत्तम क्षमा धर्म पर प्रवचन दिया. उन्होंने यश वैभव गुण संपदा,जो चाहो भरपूर ,क्षमा विनय का भाव धर,रहो क्रोध से दूर का ज्ञान देते हुए उत्तम क्षमा का संक्षिप्त अर्थ भी समझाया. कहा कि क्रोध को पैदा न होने देना, क्रोध पैदा हो ही जाए तो विवेक से नम्रता पूर्वक उसे विफल कर देना चाहिए. हेमंत सेठी, आकाश सेठी और राकेश काशलीवाल के निर्देशन में संगीतमय पूजन संपन्न हुआ. मंडल पूजन में प्रमोद झांझरी,विनोद झांझरी,कमल पाटोदी और अध्यक्ष नरेंद्र गंगवाल, मंत्री पंकज पांड्या आदि शामिल थे. अब सोमवार को उत्तम मार्दव धर्म की पूजा होगी.

दिगंबर जैन मंदिर में शांतिधारा करते जैन पुरोहित (ऊपर) संगीतमय सामूहिक पूजन, शास्त्र वाचन करते श्रद्धालु.

इन्होंने भी किया शांतिधारा

दिगंबर जैन मंदिर में सामूहिक पूजन के दौरान संजय, अजय छाबड़ा,सुरेश कुमार, पंकज कुमार, प्रभाष पांड्या, कमल कुमार, राजेश कुमार पाटोदी,छितरमल,राजेश कुमार, राकेश गंगवाल ने शांतिधारा किया .वासुपूज्य जिनालय में अमीत कुमार, राकेश कुमार रारा परिवार और सुचित्रा देवी, अमित, सुमीत पाटनी परिवार ने शांतिधारा का मौका मिला.

बाबा गणिनाथ गोविंदजी की जयंती मनायी गयी

रांची । रांची नगर मद्धेशिया वैश्य विकास समिति के तत्वावधान में आईएमए भवन करम टोली में बाबा गणिनाथ गोविंदजी की 58वां वार्षिक जयंती मनाई गई. इसकी अध्यक्षता कन्हैयालाल गुप्ता ने की. मुख्य अतिथि के रूप में सीताराम साहू शामिल हुए. उन्होंने लड़कियों की शादी के लिए कहा कि मैं 11 जोड़े लड़के लड़कियों की शादी में जो खर्च आयेगा मैं दूंगा एवं क्षेत्रीय भाषा पर विशेष जोर दिया. समिति अध्यक्ष कन्हैया लाल गुप्ता ने कहा कि शिक्षा से हमारा समाज आगे बढ़ेगा और समाज की विसंगतियों को दूर किया जा सकता है. मौके पर रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया. जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया.

पीयूष पाठक ने बड़ा तालाब छठ घाट पर उतारी आरती

रांची। जल स्रोतों के स्वच्छता और निर्मलता के प्रति जनजागरण को लेकर गायत्रीश्री पीयूष पाठक का अभियान जारी है. यूं तो समय-समय पर विविध स्थानों पर गंगा आरती उतार पीयूष पर्यावरण संरक्षण और नदी-तालाबों की स्वच्छता का संदेश दे ही रहे हैं, प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को नियमित रूप से विवेकानंद सरोवर बड़ा तालाब में भी बनारस की तर्ज पर आरती उतार, शहर के लोगो से तालाब की स्वच्छता के लिए आगे आने की अपील भी कर रहे हैं. इसी कड़ी में उन्होंने रविवार की शाम छह बजे भी बड़ा तालाब छठ घाट पर बनारस के पुरोहितो संग आरती उतारी. इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ ने हिस्सा लिया. नदी-तालाबो की स्वच्छता का संकल्प दुहराया.

न्यूज अपडेट ▼

खाटू नरेश का केशर-चंदन तिलक शृंगार आज

रांची। नगर की प्रसिद्ध धार्मिक संस्था श्रीश्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में 9 सितंबर को हरमू रोड के श्रीश्याम मंदिर में केशर-चंदन तिलक शृंगार किया जाएगा. यह जानकारी मंडल के महासचिव विश्वनाथ नारसरिया ने दी. उन्होंने बताया कि मंदिर में यह अनुष्ठान श्री खाटूधाम के श्री श्याम मंदिर की परंपरा के अनुसार किया जाएगा. इस अवसर पर खाटूनरेश को नवीन पोशाक पहनाकर, फूलों का भव्य शृंगार कर पंचमेवा का भोग लगाया जाएगा. इसके लिए कोलकाता से फूल मंगवाए जा रहे है. उन्होंने बताया कि मंदिर में विगत विगत दो वर्षों से कई विशेष अनुष्ठानों ओर कार्यक्रमों का लगातार आयोजन किया जा रहा है. उन कार्यक्रमों में हर मंगलवार को श्री सुंदर कांड और हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ एवं हर शनिवार को श्रीश्याम भंडारे का आयोजन उल्लेखनीय है.

श्रावण माह में बेहतर काम के लिए किए गए सम्मानित

रांची। पहाड़ी मंदिर में रविवार को श्रावण मास के दौरान बेहतर काम करने के लिए सफाई कर्मी, कर्मचारी और सेवा में लगे भक्तो को पहाड़ी मंदिर विकास समिति की ओर से सम्मानित किया गया. मौके पर महाकाल मंदिर में शृंगार-पूजन कर आरती भी उतारी गयी. इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ के साथ राज्यसभा सांसद महुआ माजी विधायक सीपी सिंह, वरीष्ठ पत्रकार विजय पाठक, पूर्व आयुक्त जटाशंकर चौधरी, वीरेंद्र त्रिपाठी, समिति के सचिव राकेश सिन्हा, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार, वित्त प्रभारी राजेश साहू, प्रवक्ता बादल सिंह ने भी खास तौर से हिस्सा लिया.

हरियाणा संघ की नयी कार्यकारिणी का हुआ गठन

रांची । हरियाणा संघ की बैठक अग्रसेन भवन में रविवार को प्रातः 11:30 बजे हुई. उपरोक्त बैठक में 70 से ज्यादा सदस्यों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से नई कार्य समिति का गठन सभा के बीच में किया गया. हरियाणा संघ संचालन समिति की अध्यक्षता कर रहे रमेश शर्मा ने आए हुए सदस्यों का स्वागत, अभिनंदन किया. उन्होंने जानकारी दी कि 31 अगस्त तक 226 हरियाणा संघ के सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण की है. .बैठक में अध्यक्ष रमेश शर्मा, उपाध्यक्ष- लक्ष्मी चंद दीक्षित, अरुण शर्मा, मंत्री- विनोद जैन, उप मंत्री-प्रमोद सारस्वत, राहुल शर्मा, कोषाध्यक्ष-अनिल अग्रवाल सर्व सम्मति से बनाये गये. इसी प्रकार सर्व समिति से सुभाष पिलानिया, महेंद्र वर्मा, श्याम सुंदर भारद्वाज, आलोक अग्रवाल, कमल शर्मा, श्याम सुंदर गोयल ,गोविंद अग्रवाल, राज कौशिक, श्याम बिहारी गोयंनका, धर्मचंद शर्मा, मैनपाल शर्मा, आशीष डालमिया, सुनील गुप्ता, अशोक जैन ,महेंद्र कुमार शर्मा कार्यकारिणी सदस्य चुने गये. मंत्री बिनोद जैन ने कहा कि संस्था का संविधान बनाना आवश्यक है. संविधान निर्माण समिति के लिए दीपेश निराला एवं राहुल शर्मा को जिम्मेदारी दी गई.

पत्रकार लंकलपल्ली अशोक को हुसैन शाह कवि पुरस्कार

संवाददाता। रांची

हिन्दी के वरिष्ठ हिंदी पत्रकार-लेखक लंकलपल्ली अशोक को वर्ष 2024 का श्री हुसैन शाह कवि पुरस्कार के लिए चयन किया गया है .इस पुरस्कार के तहत पचास हजार रुपए की नगद राशि, एक प्रशस्ति पत्र व स्मृतिचिन्ह प्रदान किया जाता है. यह पुरस्कार इस वर्ष तेलुगु के साहित्यकार प्रो. धूलिपाला महादेव मणि और लंकलपल्ली अशोक को सम्मिलित रूप से प्रदान किया जाएगा. पत्रकार अशोक ने ब्रह्मर्षि हुसैन शाह द्वारा तेलुगु में लिखित दार्शनिक ग्रंथ 'शाह दर्शन' का हिंदी में अनुवाद किया था. विभिन्न विधाओं में अशोक अब तक एक सौ से अधिक पुस्तकें हिंदी में लिख चुके हैं. वर्ष 2001 से प्रदान किये जा रहे इस पुरस्कार को दक्षिण भारत का अत्यंत प्रतिष्ठामूलक साहित्यिक पुरस्कार माना जाता है. यह साहित्यिक पुरस्कार अब तक डॉ. तुर्लापाटी कुटुंबाराव, राऊरी भारद्वाज, आचार्य आत्रेय, आचार्य मंडली बुद्ध प्रसाद, तनिकेल्ला भरणी, वासिनी वसंत कुमार तथा कालीपटनम रामा राव समान कई दिग्गज कालजयी साहित्यकार-पत्रकारों को प्रदान किया जा चुका है. पिठापुरम के श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम प्रेक्षागृह में 9 सितंबर को सुबह नौ बजे एक भव्य समारोह में पीठम के नौंवे पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह के हाथों यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा.

जिला दुर्गा पूजा समिति का अध्यक्ष बने विक्की

संवाददाता ।रांची

जिला दुर्गा पूजा समिति इस बार भी भव्य रूप में दुर्गोत्सव मनाएगी. इसके सफल आयोजन को लेकर रविवार को नयी कमेटी गठित की गयी, जिसमे सर्वसम्मति से विक्की यादव को अध्यक्ष चुना गया. मुनचुन राय, हीरालाल साहू,अशोक पुरोहित,अशोक चौधरी मुख्य संरक्षक बनाए गए. साथ ही आलोक साहू,रमेश गुप्ता,राजेश ठाकुर ,पंकज साहू,हेम सिंह,मनोज ठाकुर,उमेश कामदार,लल्लु सिंह, रवि रोहतगी, कुणाल अजमानी संरक्षक,विश्वजीत बॉस, शैलेस्वर दयाल सिंह, अजय गुप्ता सह संरक्षक,उदय प्रताप सिंह मुन्ना मुख्य सलाहकार,मनोज गुप्ता संयोजक, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश गोप,राहुल शर्मा, सदस्यता प्रभारी राजकुमार महतो, उपाध्यक्ष मनीष सिंह, राहुल गुप्ता,राकेश शर्मा, कमल गुप्ता, संजय सोनी, अमरेन्द्र सिंह,वीरू साहू, विनोद गोप, रवि सिंह, मिनी सिंह, विजय गुप्ता, राजीव चौधरी,आशुतोष वर्मा, मोनू विवेक,शुभम सिन्हा,रवि रोहतगी,मनीष श्रीमाली,अभिषेक चौधरी ,कन्हैया लाल भारतीया ,अंकित गुप्ता ,प्रेम सिंह,बैजू सोनी ,कौशल चौधरी,बैजू सोनी, संदीप गुप्ता, महामंत्री कुंदन सिंह,अरविंद साह, मंत्री आदर्श सिंह,किशन गोयल,धनंजय कुमार,पप्पू वर्मा,एकाश कुमार,भोला शर्मा, रितेश द्विवेदी, किसलय सानू सानू झा, नरेश पंडित, साहित्य पवन,भोला झा,राहुल सिंह,रिक्की यादव, संजय गुप्ता, धनंजय सिंह, राजेश वर्मा,सत्यम ,मनीष राय सत्यदर्शी,सेखर प्रसाद,राजकिशोर प्रसाद,साहित्य पवन ,संदीप घोष,दीपक गुप्ता,आनंद कुमार,शशांक शर्मा ,अमित वर्मा ,आकाश वर्मा ,अमित वर्मा, विश्वविजय गांगुली,अमित हर्षवीर ,नारायण साव ,उत्तम यादव, संजीव सिंह , अविनाश कुमार, प्रखर लोहिया, किशन मोदी, रोनित साहू, मीडिया प्रभारी साजन सिन्हा,विवेक सिंह, सह मीडिया प्रभारी नीरज यादव, रिषभ अग्रवाल,नमन भारतीय ,स्वतंत्र गुप्ता, प्रवक्ता मंटू लाला, दिलीप स्वर्णकार, संगठन मंत्री शैलेंद्र यादव,आशुतोष सिंह, कोषाध्यक्ष पवन मुरारका और कार्य समिति सदस्य किशन गोयल,ज्योति शंकर साहू, सुजाता भैया, सुजाता मोदी का मनोनयन किये गये.

मार्शल आर्ट | प्रेस क्लब में इमा प्रतिभा सम्मान समारोह, राष्ट्रीय पदक विजेता सम्मानित

मयंक दास को मिली ब्लैक बेल्ट प्रथम डान की उपाधि

संवाददाता। रांची

इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी (इमा) की प्रेस क्लब शाखा के तत्वावधान में रविवार को प्रेस क्लब सभागार में इमा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें पिछले दिनों राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले तीन बालिका और दो बालक कराटे खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया. साथ ही पिछले दिनों ग्रेडिंग में सफल रहे कराटे खिलाड़ियों को बेल्ट एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन एवं विशिष्ट अतिथि प्रेस क्लब के सचिव अमर कांत ने पदक जीतकर राज्य को गौरवान्वित करने वाले खिलाड़ी मारिया लवलीन खेस, वृष्टि मोनिका केरकेट्टा, पीहू लकड़ा, उदित राज एवं अभिजीत बनर्जी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया. इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी (इमा) के तकनीकी निदेशक सह नेशनल कोच शिहान सुनील किस्पोट्टा ग्रेडिंग में सफल रहे सभी खिलाड़ियों को बेल्ट एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया. मयंक कुमार दास को ब्लैक बेल्ट प्रथम डान की उपाधि से नवाजा. इस अवसर पर इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के अध्यक्ष सेंसेई अनिल किस्पोट्टा राकेश तिर्की रवि कुमार सिंह, स्वस्तिका तरफादार, उमा शंकर महतो उपस्थित थे.

बेल्ट पाने वाले खिलाड़ी

येलो बेल्ट- अक्षिता कुमारी, अन्य मृणालिनी कुजूर, ध्रुव गुप्ता, नमन कुमार बड़ाईक, महिमा जोसेफ तिर्की, मार्टिन जोसेफ तिर्की.

ऑरेंज बेल्ट- दक्षित नारायण तिर्की, चेरी जीबी हेंब्रम, एरिक विहान एंथोनी सामद, तनिष्क घोष, शापोन स्तुति खलखो

ब्लू बेल्ट- रितिका आंवी, अभिज्ञा, आरोहण हंस, भार्गव हंस, आदित्य राज, अभिजीत बनर्जी

पर्पल बेल्ट- अंश एंथोनी मुंडारी

ब्राउन बेल्ट- शाइनी शिमोना टोप्पो, सुनिधि एंजेल एक्का, प्रीत सोनी, पीहू लकड़ा, एरिक अनमोल टुडू, अन्या ट्विंकल कुजुर, वृष्टि मोनिका केरकेट्टा, मारिया लवलीन, खेस एवलिन, जीवी हेमब्रोम

रांची में बालू लदे पांच हाईवा किये गये जब्त

रांची। नगड़ी सीओ राकेश श्रीवास्तव ने रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर नारो बाजार टांड के समीप छापेमारी कर अवैध तरीके से ले जाया जा रहे बालू लदे पांच हाईवा को जब्त किया है. इसके बाद जब्त हाईवा को नगड़ी थाना को सौंप दिया है. मिली जानकारी के अनुसार नगड़ी सीओ को सूचना मिली थी कि बगैर चालान के बालू की ढुलाई हो रही है. सूचना मिलते ही नगड़ी सीओ नगड़ी थाना की मदद से नारो बाजार टांड में बालू लदे हाईवा का इंतजार करने लगे. जैसे ही बालू से लदे हाईवा पर नजर पड़ी हाईवा को रुकवाया और कागजात की मांग की लेकिन कोई भी हाईवा चालक कागजात नहीं दिखा पाया. चालान नहीं होने के चलते सीओ राकेश श्रीवास्तव सभी हाईवा को जब्त कर थाना को सौंप दिये.

दिव्यकला मेला समाप्त, वीर सिंह को मिला बेस्ट डिस्प्ले का अवार्ड

संवाददाता। रांची

हरमू मैदान मे दिव्यकला मेले का रविवार को समापन हो गया. मेले के अंतिम दिन मे लोगों ने जमकर खरीदारी की. मेले के अंतिम दिन सीएमडी, एनडीएफडीसी नवीन शाह द्वारा मेले की रिपोर्ट पेश की गई. विभिन्न वर्गों के पुरस्कार वितरित किए गए. बेस्ट डिस्प्ले का अवार्ड वीर सिंह को, बेस्ट इनोवेशन का अवार्ड, हाइएस्ट सेल का अवार्ड मोहम्मद आरिफ तथा बेस्ट वूमेन एंटरप्रन्योर का अवार्ड जुगनू परवीन को दिया गया. समापन समारोह में वरिष्ठ समाजसेवी सुशीला एक्का ने कहा कि हम ने दिव्यांगजनों की प्रतिभा और कौशल का अद्भुत प्रदर्शन देखा. उनकी कला, संगीत, और संस्कृति ने हमें मंत्रमुग्ध कर दिया और हमें उनकी क्षमताओं का एहसास कराया है. सीएमडी, एनडीएफडीसी नवीन शाह ने बताया कि दिव्य कला मेले में 20 राज्यों से आये 75 दिव्यांग उद्यमियों ने लगभग 73 लाख रुपए से अधिक का बिजनेस किया है.

समारोह के दौरान कई दिव्यांग उद्यमियों ने अपने अनुभव दर्शकों से साझा किये. इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार तथा समाजसेवी इंद्रजीत लकड़ा ने भी विचार रखा. धन्यवाद ज्ञापन के दौरान एनडीएफडीसी के सहायक महाप्रबन्धक, अरुण कुमार ने बताया कि अगला मेला 19-29 सितंबर तक विशाखापट्टनम में आयोजित किया जाएगा.

झारखंड में शराब का गोरखधंधा : व्यवसायी संघ ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की

संवाददाता। रांची

झारखंड में शराब नीति को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं. झारखंड शराब व्यवसायी समिति लगातार सरकार की गलत शराब नीति का विरोध करता रहा है. शराब की बिक्री के लिए ऐसी-ऐसी एजेंसी को मैनपावर सप्लाई की जिम्मेवारी सौंप दी गयी, जिसे शराब के ट्रेड की कोई जानकारी ही नहीं थी. इतना हा नहीं झारखंड स्टेट वेबरेज कारपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) न जाने वैसी कंपनियों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है,जिन पर करोड़ों रुपये की हेराफेरी का आरोप है.

जेएसबीसीएल ने विजन प्लेसमेंट एजेंसी, मार्शल व बेवेले कंपनी को शराब दुकानों में शराब की बिक्री के लिए मैनपावर सप्लाई की जिम्मेवारी सौंपी थी. इन कंपनियों पर करोड़ों की हेराफेरी का आरोप भी लगा. जेएसबीसीएल ने खुद भी अनियमितता व हेरेफेरी की जांच करायी. गड़बड़ियों को सही भी पाया, लेकिन शराब बेचनेवाली कंपनियों को किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की.

विजन प्लेसमेंट एजेंसी, मार्शल और बेवेले कंपनी पर शराब बिक्री के करोड़ों रुपये की हेराफेरी के आरोप लगे हैं. लेकिन जेएसबीसीएल न जाने क्यों इन कंपनियों पर मेहरबान बनी हुई है. शराब व्यवसायी संघ के महासचिव सुबोध कुमार जायसवाल ने मामले की अपने स्तर से पड़ताल की, तो शराब बिक्री के पैसों की हेराफेरी सहित गबन के मामले सामने आए. जेएसबीसीएल ने मामले की जांच करायी, चो मोटी रकम की हेराफेरी व गड़बड़ी सामने आयी. शषराब बिक्लेरी के पैसों की हेराफेरी व गड़बड़ी मामले में का खुलासा होने के बावजूद गड़बड़ी की दोषी कंपनियों पर किसी तरह की कोई कार्रवाई न होने से उत्पाद विभाग के अफसरों पर सवाल पर उठ रहे हैं.

- बेकरी, सौंदर्य प्रसाधन बनानेवाली कंपनी को 7 जिलों में दे दी शराब बेचने की जिम्मेवारी
- विजन, मार्शल व बेवले प्लेसमेंट एजेंसी पर करोड़ों की हेराफेरी के आरोप,पर जेएसबीसीएल मेहरबान

संघ के महासचिव जायसवाल का आरोप है कि बेकरी, सौंदर्य प्रसाधन, अस्पताल की हाउसकीपिंग का काम करनेवाली कंपनी को झारखंड के गुमला, सिमडेगा,खूंटी, लोहरदगा, हज़ारीबाग, कोडरमा और चतरा जिले की शराब दुकानों में शराब बेचने की जिम्मेवारी दे दी गयी. संघ ने जब इन मैनपावर सप्लाई कंपनियों के बारे में पता लगाया, तो पता चला कि भारी गड़बड़झाला है. महासचिव का कहना है कि 13 मार्च 2023 को विजन कंपनी द्वारा मैनपावर सप्लाई के लिए जो टेंडर डाला गया था, उसके पेपर की जांच की जाएगी, तो सारी की सारी गड़बड़ियां सामने आ जाएंगी. ऑफलाइन पेपर में व्यापक पैमाने पर गड़बड़िया मिली हैं. शराब बिक्री के पैसों की हेराफेरी को लेकर संघ द्वारी पहले भी उत्पाद विभाग को सचेत किया जा रहा था.

विजन कंपनी ने फरजी कागजात जमा कराया : बताया गया था कि विजन कंपनी और मार्शल कंपनी द्वारा प्लेसमेंट एजेंसी का काम हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, खूंटी, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा जिले में विजन प्लेसमेंट एजेंसी से कराया जा रहा है. विजन प्लेसमेंट एजेंसी द्वारा विभाग में जो बीजी और एमडी पेपर जमा किया गया है, वह अनियमितता की पोल खोलता है. प्लेसमेंट एजेंसी के लिए शर्त थी कि उसे तीन साल तक काम करने का अनुभव हो और 50 लाख तक काम करने का अनुभव होना चाहिए. लेकिन विजन प्लेसमेंट एजेंसी ने पांच लाख को 50 लाख का कर काम हासिल कर लिया. दस्तावेज की जांच से मामले साफ हो जाएगा.

धनबाद में काम कर रही मार्शल कंपनी का भी बीजी नकली : मार्शल कंपनी धनबाद में काम कर रही है और इस कंपनी का भी बीजी नकली है. इसकी भी जांच संघ द्वारा करने पर ही मामले उजागर हुआ था. बाद में तत्कालिन उत्पाद आयुक्त द्वार द्वार बीजी जमा करवा दिया गया था. अभी जितने भी जिलों का बैंक में नकद संग्रह एंट्री जमा है, सभी जिलों से पैसा बहुत ही ज्यादा, लगभग चार गुना ज्यादा उठा चुका है.

विजन कंपनी की अवैध उगाही के पैसों की बंदरबाट

विजन कंपनी द्वार डेली कलेक्शन से उगाहे गये अवैध रुपयों की आपस में बंदरबांट की जा चुकी है. मामले की किसी एजेंसी से जांत करा कर अविलंब कार्रवाई की जानी चाहिए, तोकि कितने पैसों की हेराफेरी हुई, इसका आंकड़ा सामने आ सके.

खूंटी में 7 करोड़ की गड़बड़ी

खूंटी जिले में शराब बिक्री के करीब 7 करोड़ रुपये कम पाए गए हैं, जिसकी अभी भी जांच जारी है. विजन प्लेसमेंट एजेंसी द्वारा जहां भी प्लेसमेंट का काम दिया गया है, वहां की जांच करने पर हकीकत सामने आ जाएगी. अनुमान के अनुसार लगभग 20 करोड़ रुपये कम पाये गये हैं.साथ ही साथ मार्शल कंपनी, जो धनबाद में काम कर रही है, वहां भी जांच करायी जाए, तो काफी गड़बड़ियां सामने आएंगी.

न्यूज अपडेट

मजदूर नेता राणा संग्राम सिंह पंचतत्व में विलीन

रांची। एचईसी के मजदूर नेता राणा संग्राम सिंह रविवार को पंचतत्व में विलीन हो गए. स्वर्णरेखा नदी तट पर धुर्वा के सीठियो मुक्तिधाम में उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया. मुखाग्नि उनके मंझले पुत्र ने दी. इस अवसर पर परिवार के सदस्यों-रिश्तेदारों के अलावा काफी संख्या में एचईसी के कर्मचारी सहित कांग्रेस नेता मौजूद थे. वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, राजेश ठाकुर, झारखंड प्रदेश इंटक के अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय, रविन्द्र कुमार सिंह, इन्द्रजीत सिंह, विनय जायसवाल, विनय सिन्हा दीपू, विधायक राजेश कच्छप,बीनू सिंह, आलोक दुबे ,सरजू सिंह, हरेंद्र सिंह, भवन सिंह, लालदेव सिंह, प्रकाश ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी.इससे पूर्व धुर्वा मोड़ स्थित आवास से शव यात्रा निकली.

दिउड़ी मंदिर में तालाबंदी की घटना में दो गिरफ्तार

बुंडू । विगत पांच सितंबर को तमाड़ स्थित प्राचीन कालीन दिउड़ी मंदिर में आदिवासी समुदाय के कुछ उपद्रवियों के द्वारा मंदिर के मुख्य द्वार में तालाबंदी कर दिया गया था . जिसपर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जड़े गए ताला तोड़कर पुजा अर्चना शुरू करवाई. इस तालाबंदी की घटना के विरुद्ध बीस नामजद लोगों पर तमाड़ थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी . मामले में पुलिस छापामारी कर रही थी. इसी बीच बुंडू डीएसपी रतिभान सिंह ने बुंडू में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि कल पुलिस ने दो आरोपी पुर्ण चंद्र सिंह मुंडा और राधा कृष्ण मुंडा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. इधर आमतौर पर दिउड़ी मंदिर परिसर में रविवार के दिन भीड़भाड़ होती है. हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं ,पर आज मंदिर बिलकुल सूना सूना दिखा और बहुत कम लोग पुजा अर्चना के लिए पहुंचे.पुरे मामले पर एसडीपीओ रतिभान सिंह और डीआरडीए के निदेशक अजय कुमार साव ने शांति की अपील की है.

आजसू की कार्यकर्ता संकल्प सभा में हुए शामिल

डकरा। प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में प्रभात तारा मैदान धुर्वा में आयोजित नवनिर्माण संकल्प में खलारी के सैकड़ो कार्यकर्ता रांची पहुंचे तथा साथ ही साथ सैकड़ो बेरोजगार लोगों का बायोडाटा को मौजूदा सरकार को सौंपा जाएगा, वहीं मौजूद सरकार से ये सवाल करेगी की इन बेरोजगारों के जीवन का क्या होगा,खलारी से कार्यकर्ताओं में रांची जिला उपाध्यक्ष नागेश्वर महतो,अर्जुन महतो, बुटन यादव, राजकुमार गुप्ता,अमृत भोक्ता, राजा खान,देव ओझा,सोनू, आकाश, थैंकु,जीतू,लव साव आदि सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थें.

सिल्ली आसपास के क्षेत्रों में गणेश महोत्सव संपन्न

सिल्ली/मुरी। सिल्ली -मुरी आसपास के क्षेत्रों में गणेश पूजा बड़े धूमधाम से मनाया गया. प्रखंड कार्यालय के प्रांगण में, रेलवे कॉलोनी ए टाइप, हिंडालको पंडाल, गायत्री कॉलोनी छोटा मुरी में भव्य पंडाल बनाकर भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई. पंडाल को रंग-बिरंगे विद्युत के द्वारा सजाया गया था जो काफी आकर्षक दिख रहा था. पंडाल के इर्द-गिर्द विभिन्न तरह के स्टॉल लगाया गया था जिसका भक्तजनों ने आनंद उठाया. कार्यक्रम के दौरान नागपुरी कलाकार भी उपस्थित रहे और उन्होंने एक से बढ़कर एक गीत गया. महोत्सव को संपन्न कराने में प्रखंड प्रांगण कमेटी के अध्यक्ष कौशल कुमार, कोषाध्यक्ष विमल, सचिव शिवलाल महतो, धीरज, सरोज, निशांत, रोहित एवं आनंद का काफी सराहनीय योगदान रहा.

ब्रह्माकुमारी गीता पाठशाला में मना गणेश महोत्सव

गणेश महोत्सव में शामिल ब्रह्माकुमारी संस्था के लोग.

डकरा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सुभाष नगर सेवा केंद्र गीता पाठशाला में रविवार को श्रीगणेश महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया. इस अवसर पर केंद्र में गणेश जी की मनमोहक झांकी सजाई गई. गणेश के रूप में वेदांत और माता गैरी परी बहन ने मनमोहक झांकी प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया. गीता पाठशाला के नियमित बहन बीके प्रीति बहन ने कहा जब हम श्री गणेश द्वारा प्रतीकात्मक रूप से दर्शाए गए, दिव्य गुणों का अनुभव करना और उन्हें अपने हर विचार, वचन और कर्म में व्यक्त करना शुरू कर देते हैं भगवान गणेश हम सभी का विध्न हारने वाले है. इस मौके पर प्रेम भाई, प्रतिमा बहन, अनिता बहन सहित ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े लोग लोग मौजूद थे.

उर्दू तहजीब और अदब की जुबान हैः हाजी मोइनुद्दीन

इटकी। अंजुमन फरोग ए उर्दू के तत्वाधान में इटकी मक्का मैरिज हॉल में रविवार को आयोजित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में 303 उर्दू के छात्र-छात्राओं को मेडल प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में इटकी प्रखंड के मैट्रिक टॉपर तंजीला परवीन, इंटर की अदीबा महविश, ग्रेजुएशन के अबरार आलम, एमए की शाजिया परवीन और पीएचडी की डॉ अफसाना परवीन को टॉप किए जाने पर अंजुमन की ओर से मेडल, प्रशस्ति पत्र के अलावा 2100-2100 रुपए का नकद पुरस्कार भी दिया गया. पुरस्कार वितरण समारोह का अध्यक्षता करते हुए हाजी मोइनुद्दीन ने अपने संबोधन में कहा कि उर्दू तहजीब और अदब की जुबान है जो मोहब्बत का पैगाम देती है और गंगा जमुनी तहजीब का एक अनूठा मिसाल है. वही अंजुमन के अध्यक्ष मोहम्मद इकबाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड के उर्दू भाषाओं की यह बदनसीबी है कि अलग राज गठन के 23 वर्ष बाद भी उर्दू अकादमी का गठन नहीं किया जाना दुर्भाग्य की बात है.मौके पर है डॉ गालिब नशतर, दानिश अयाज, डॉ जाहिद इकबाल, डॉ शगुफ्ता बानो, डॉ मुकम्मल हुसैन, सरफराज अहमद, डॉ मनव्वर हुसैन, जमी अतुल मोमिनीन के सदर तस्लीम अहमद, इस्लाही तंजीम के सदर जीशान अली, जमीअतुल कुरैशी के सेक्रेटरी मोहम्मद आजाद कुरैशी, अफसर इमाम सहित कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए.

ब्रीफ खबरें

लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने की बैठक

अनगड़ा। प्रखंड अंतर्गत बोगईबेडा पंचायत के गवरबेड़ा ,सिरपा, घोड़लता मिलकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रन्तिकारी मोर्चा पार्टी का बैठक गोपाल माहतो का अध्यक्षता में किया गया. पार्टी संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा किया गया . कार्यकर्ताओं ने बताया कि झारखंड हित को लेकर पार्टी सुप्रीमो जयराम महतो के विचार है उसे राज्य के धरातल में उतारना है . 17 सितम्बर को अनगड़ा प्रखंड मुख्यालय मैदान में जयराम महतो का कार्यक्रम तय हुआ है यह सूचना प्रकाश लकड़ा ने बताया .

दुर्गा पूजा समिति की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा की गयी

बुढ़मू। प्रखंड के मां शारदीय दुर्गा पूजा समिति भांटबोडया की बैठक रविवार को रामकिशोर गिरि की अध्यक्षता में हुई. बैठक में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा हर्षोल्लास पूर्वक मनाने का निर्णय लिया गया. पूजा की सफलता को लेकर एक कमेटी का भी गठन किया गया. जिसमें अध्यक्ष लाल अमन शाहदेव, सचिव कलेश्वर महतो व कोषाध्यक्ष जयकुमार साहु चुने गए. वहीं कमेटी के मुख्य संरक्षक चंद्र कांत गिरि, संरक्षक परिबा साहु, जनार्दन साहु व मौके पर कमेटी के दर्जनों सदस्य मौजूद थे.

बुंडू के गुरुकुल परिसर में पौधरोपण आज

बुंडू । स्वयंसेवी संस्था गुरुकुल की इकाई गुरुकुल विद्यानिकेतन एवं गुरुकुल पब्लिक स्कूल की ओर से सोमवार को बुंडू नगर क्षेत्र के भकुवाडीह से सतीयारीन गांव के बीच स्थित विद्यालय के लिए खरीदी गई जमीन पर आज पौधरोपण किया जायेगा. इस संबंध में विद्यालय प्रमुख कवि नायेक एवं उपप्रधानाचार्य पंचानन महतो ने बताया की वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और पेड़ की कटाई से पर्यावरण को नुकसान पहुंचा है.

ग्राम सभा के अधिकारों का हो रहा हननः संघ

सोनाहातू। प्रखंड के बारुहातू पंचायत सचिवालय में पारंपरिक ग्राम प्रधान संघ सोनाहातू रविवार को अध्यक्षता मुंडा कृष्ण कुमार सिंह के अध्यक्षता में संपन्न हुआ. संचालन जगतपाल बड़ाईक द्वारा किया गया. बैठक में देवड़ी गांव के ग्राम सभा के नियमों को प्रसाशन द्वारा उलंघन किये जाने पर ग्राम प्रधान संघ सोनाहातू ने निन्दा प्रस्ताव पारित किया.बैठक में मुंडा कृष्ण कुमार सिंह, गोपाल सिंह मानकी, ब्रजकिशोर सिंह मानकी, हरिहर सिंह मुंडा, मनमोहन सिंह मुंडा आदि ने बातों को रखा.

स्कॉर्पियो ने तीन लोगों को रौंदा, एक की मौत

संवाददाता। रातू

रातू थाना क्षेत्र के गोविंद नगर के पास रविवार दोपहर को तेज रफ्तार स्कार्पियो ने तीन लोगों को अपने चपेट में ले लिया. जिसमें एक की मौत मौके पर ही हो गयी,आनन फानन में स्थानीय लोगों ने उन्हें रातू सीएचसी लाया जहां डॉ सुजीत कश्यप ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को रिम्स रेफर कर दिया. मृतक की पहचान तिलता ग्राम निवासी गोपीचंद शाह 75 के रूप हुई.जबकि, उनकी पत्नी 70 वर्षीया राजमणी देवी 70, एवं नाती प्रियांशु 13,गंभीर रूप से घायल हो गये. घटना के बारे में बताया जाता है कि राजमणी के सिर एवं शरीर के अनेक हिस्सों में गंभीर अंदरुनी चोटें आयीं है. जबकि प्रियांशु का बांया हाथ टूट गया है.दोनों घायलों को रिम्स के न्यूरो सर्जरी वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां महिला की स्थिति गंभीर बनी हुई है. दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की पीसीआर-29 की टीम घटनास्थल पर पहुंची तथा मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये रिम्स भेज दिया. घटना को लेकर मृतक के पुत्र राजेश कुमार ने रातू थाना में अज्ञात स्कार्पियो चालक के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपीचंद अपने पत्नी और नाती के साथ रांची जाने के लिये ऑटो के इंतजार में खड़े थे तभी गोविंद नगर की ओर से एक कार निकल रही थी. इस दौरान तिलता ओवरब्रिज की ओर से तेजी और लापरवाही से स्कार्पियो चलाते हुये जा रहे चालक ने पहले डिवाइडर पर गाड़ी चढ़ा दी और फिर तीनों को रौंदते हुये काठीटांड चौक की ओर फरार हो गया.

बाइक हादसे में बहनोई की मौत, साला गंभीर

हुसैनाबाद(पलामू)। जपला छतरपुर मुख्य पथ के गमहर बीघा के समीप बाइक असंतुलित होकर गड्ढे में गिर गई, जिससे हैदरनगर थाना क्षेत्र के सरगड़ा निवासी 45 वर्षीय संतोष रजवार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई . जबकि संतोष का साला हुसैनाबाद के संढा गांव का निवासी सत्यनारायण रजवार गंभीर रूप से घायल हो गए. ग्रामीणों ने दोनों को तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचाया. चिकित्सकों ने संतोष रजवार को मृत घोषित कर दिया. जबकि सत्यनारायण रजवार का इलाज किया जा रहा है. खबर मिलने पर संतोष रजवार के परिजन के अलावा मुखिया व भाजपा नेता प्रदीप कुमार सिंह अस्पताल पहुंचे. पुलिस ने अस्पताल पहुंच कर शव का अंत्यपरीक्ष कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया.

टेंपो पुल से 40 फीट नीचे गिरा, बच्ची की मौत

चौपारण। हजारीबाग के चौपारण की दनुआ घाटी मे रविवार को एक टेंपो दुर्घटना का शिकार हो गया. इस हादसे में एक बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. बताते चलें की दनुआ घाटी में हर रोज मौत का तांडव जारी है .इसी क्रम रविवार को चतरा जिले के तुलबुल कर्मा से 10 लोग एक टेंपो से धर्म सभा मे शामिल होने के लिए बिहार के सुलेबटा मैदान शोभ जा रहे थे. इसी दौरान दनुआ घाटी में हथिया बाबा मंदिर के टेंपो को पीछे से आ रहे अनियंत्रित कंटेनर ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे टेंपो 40 फीट पुल से नीचे गहरी खाई में जा गिरा, जिससे टेंपो के परखच्चे उड़ गए .वहीं टेंपो में सवार नैंसी कुमारी की मौके पर मौत हो गई. घटना के बाद एक-एक करके पांच गाड़ियां आपस में टकरा गईं. घटना की जानकारी तुरंत चौपारण पुलिस को दी गई. पुलिस ने राहत कार्य चला कर सभी घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया. घायल लोगों में परी कुमारी, पम्मी, मनीता कुमारी, भारती देवी, भाग्या देवी, रश्मि देवी, देवंती देवी, दिनेशवरी देवी, एवं कंटेनर ड्राइवर मो. रियासत गंभीर हालत में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हज़ारीबाग रेफर कर दिया गया. मृतक का शव को पुलिस ने अपने कब्जे मे ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

खाई में दुर्घटनाग्रस्त टेंपो .

रातू में कल मनेगा करम पूर्व संध्या महोत्सव

रातू। प्रखंड के काठीटांड़ स्थित पड़हा भवन परिसर में 10 सितंबर को करम पूर्व संध्या महोत्सव मनाया जायेगा. इसकी शुरुआत दिन के 11 बजे प्रार्थना सभा से होगी. इसके बाद देर शाम तक गीत-नृत्य का दौर चलेगा. इसमें प्रत्येक गांव से खोड़हा टीम पारंपरिक वेश-भूषा और गाजे-बाजे के साथ भाग लेगी. उन्हें पुरस्कृत भी किया जायेगा. इस आशय का निर्णय अमर उरांव की अध्यक्षता में आयोजित सरहुल पूजा समिति की बैठक में लिया गया. वक्ताओं ने धर्म व संस्कृति की रक्षा पर जोर दिया. उन्होंने समाज के प्रबुद्ध, युवा और छात्रों से विलुप्त होती पड़हा व्यवस्था, रीति-रिवाज व धरोहर को बचाने में आगे आने की अपील की. इससे पूर्व तैयारी समिति का गठन किया गया.

हॉस्टल संचालकों के साथ खलारी पुलिस ने की बैठक

खलारी । खलारी कोयलांचल क्षेत्र के मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत आवासीय हॉस्टलों में रह रहे बालक एवं बालिकाओं के सुरक्षा को लेकर हॉस्टल संचालकों के साथ थाना परिसर में पुलिस पदाधिकारियों के द्वारा बैठक किया गया. बैठक की अध्यक्षता ख़लारी डीएसपी राम नारायण चौधरी और संचालन मैक्लुस्कीगंज थाना प्रभारी गोविंद कुमार ने की. इस बैठक में विद्यार्थियों के सुरक्षा के बिंदुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया. जिसमें हॉस्टलों में सीसीटीवी लगाने,बाउंड्री के ऊपर कंटीली तार लगाने, पुलिस प्रशासन सहित हॉस्पिटल, अग्निशाम सेवा का मोबाइल नम्बर रखने, हॉस्टल के विद्यार्थियों को स्कूल, कॉलेज से आने जाने के समय निगरानी रखने समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई.

खिजरी विधायक ने नौ लाभुकों को सौंपा चेक

लाभुकों को चेक सौंपते खिजरी विधायक राजेश कच्छप.

नामकुम । खिजरी विधायक राजेश कच्छप के अनुशंसा पर स्वीकृत मुख्यमंत्री चिकित्सा अनुदान राहत कोष के तहत खिजरी विधान सभा क्षेत्र के नौ लाभुकों को पांच लाख पैंसठ हजार रुपये का लाभ दिलाया गया. जिसकी रविवार को विधायक के आवास लुपुंगटोली में खिजरी विधायक राजेश कच्छप के हाथों लाभुकों को चेक सौंपा गया. विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि जनता के हर सुख दुःख में मैं एवं हमारी सरकार खड़ी है. जनता के हर समस्या के सामाधान का प्रयास करुंगा. मौके पर प्रखण्ड अध्यक्ष विजय टोप्पो, ओरमांझी प्रखण्ड महिला अध्यक्ष अनीता देवी, अनगड़ा प्रखण्ड महिला अध्यक्ष सरिता देवी, रेशमा देवी, समीम अंसारी, दशरथ पहान, पंचु तिर्की, बबलू लकड़ा, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक एवं अन्य लोग उपस्थित थे.

पीसीसी सड़क सहित कई योजनाओं की आधारशिला रखी गई

क्षेत्र का विकास एक मात्र लक्ष्य है : विधायक

संवाददाता ।बेड़ो

मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने बेड़ो प्रखंड के दिघिया पंचायत के कुदारखो में विधायक मद से स्टेज निर्माण कार्य, विधायक योजना मद अन्तर्गत करकरी पंचायत के नरकोपी में सिंगलू साहु के घर से हाई स्कूल जाने वाली सड़क पर पीसीसी पथ निर्माण, तुतलो पंचायत के मसियातु से चपाडीह तक सड़क का मोरमीकरण कार्य, डोरंडा पंचायत के डोरंडा टोंगरी टोली में अखड़ा निर्माण कार्य, डोरंडा पंचायत के बिल्टी कमलटोली में मुस्लिम कब्रिस्तान में जनाजा शेड निर्माण सहित केशा पंचायत के नारी बघिया टोली में भी कार्य की आधारशिला रखी . इस मौके पर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि विकास योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र का विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है लेकिन आम जनता की सहभागिता भी उतनी ही ज़्यादा जरूरी है. उन्होंने कहा कि अपने जीवन की जीवन स्तर एवं गुणवत्ता को बढ़ाना ग्रामीणों की भी जिम्मेदारी है और इसमें कोई भी लापरवाही दीर्घकाल में हम सभी के लिये घातक साबित हो सकती है.सभी की इच्छा और आकांक्षाएं जरूर पूरी होगी. इसके पूर्व विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने अलग-अलग गांव में भ्रमण कर शिलान्यास कार्यक्रम में योजनाओं के आधारशिला रखी और उन्होंने ग्रामीणों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली. इस मौके पर उप प्रमुख मोदि्सर हक के अलावे रविंद्र प्रसाद उर्फ सिंगलू, फहीमुद्दीन उर्फ फहीम अंसारी, कुदुस अंसारी, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, मीर मुस्लिम हुसैन, तुतलो पंचायत की मुखिया गंगी उराईन, करकरी पंचायत की मुखिया सरिता एक्का, पंचायत अध्यक्ष सुनील मिंज, प्रतिमा उराईन,नंदिया उराईन अलीशा उराईन, महावीर उरांव, भवानी उरांव, एकराम अंसारी आदि शामिल थे.

पीसीसी सड़क निर्माण का आधारशिला रखती विधायक शिल्पी नेहा तिर्की.

आयोजन मांडर प्रखंड के नारो स्कूल मैदान में करम पूर्व संध्या एवं मिलन समारोह मनाया गया

अपनी संस्कृति एवं सभ्यता को बचा कर रखने की जरूरतः जगरे उरांव

संवाददाता। मांडर

अभी भी सरना समाज शिक्षा से कोसों दूर है. हमें नई शिक्षा पद्धति को हर हाल में अपनाना ही होगा. साथ ही शराब से भी दूर रहने की अपील उन्होंने युवाओं से की. युवा ही समाज को आगे ले जा सकते हैं और उन्हें अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन करना ही होगा. आज के युवा अपनी परंपरा और संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं जो कि गलत है. हमें आधुनिक बनना होगा पर अपनी परंपरा और संस्कृति को साथ लेकर भी हर हाल में चलना ही होगा. यह बांते समाज सेवी जगरे उरांव ने रविवार को थाना क्षेत्र के नारो फुटबॉल मैदान में आयोजित करम पूर्व संध्या में कहा. खुखरा परगना परंपरागत पड़हा सरकार, दक्षिणी छोटानागपुर, रांची की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम की अगुवाई पड़हा संरक्षक समाजसेवी जगरे उरांव के द्वारा किया गया. ईस समारोह में कुल 90 खोड़हा के दलों अपने परम प्रागत वेश भूषा एवं वाद्य यंत्रो के साथ ने भाग लिया. इस्से पूर्व परंपरागत रूप से पूजा अर्चना के बाद कार्यक्रम की सुरुवात की गईं. आयोजन समिति द्वारा बताया गया कि छत्तीसगढ़, उड़ीसा सहित गुमला, रांची, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा सहित कई स्थानों से खोड़हा की टीम यहां पहुंची है. इन सभी के बीच प्रमाण पत्रों का वितरण भी आयोजन समिति के द्वारा किया गया. साथ ही आयोजन समिति द्वारा बेहतर प्रदर्शन करने वाली पहली टीम को एक लाख, द्वितीय स्थान पर रहने वाली टीम को 75 हजार और तृतीय स्थान पर रहने वाली टीम को 50 हजार का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. इसके अलावा जो भी खोड़हा की टीम यहां पहुंची थी उन सब के बीच पुरस्कार स्वरूप पांच-पांच हजार रुपये की नगद राशि का भी वितरण किया गया. वहीं दूसरी और बच्चों की मंडली के बीच प्रथम स्थान पर रहने वाले को 50 हजार , द्वितीय स्थान पर तीस हजार और तृतीय स्थान पर रहने वाली टीम को 20 हजार की नगद राशि देकर सम्मानित किया गया. मौके पर समस्त पड़हा राजा एवं सभी गांव से महतो, मुंडा, पाहन, कोटवार सहित मांडर प्रखंड के कई पंचायत के मुखिया गण एवं सम्मानित व्यक्ति उपस्थित थे. समाचार लिखे जाने तक कार्यक्रम की समाप्ति नहीं हुई थी.

करमा पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल आदिवासी समाज के लोग.

महाआरती के बाद विशाल भंडारा का किया गया आयोजन

गणपति महोत्सव के दूसरे दिन हजारों की भीड़ उमड़ी

संवाददाता। बेड़ो

श्री राधे-कृष्ण यूथ संगम के तत्वावधान में आयोजित छह दिवसीय गणपति बप्पा के महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ पड़ी. लगातार दूसरे दिन पंडाल में स्थापित गणपति बप्पा की प्रतिमा की पुजारी अशोक पंडा एवं सोनू पंडा की देखरेख एवं नेतृत्व में विधिवत पूजा अर्चना की गई. श्री राधे-कृष्ण यूथ संगम के कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग धार्मिक अनुष्ठानों में मुख्य पुजारी अशोक पंडा एवं सोनू पंडा के नेतृत्व में हिस्सा लिया. गणपति के मंत्रोच्चार के बीच गणपति बप्पा की महाआरती का आयोजन किया गया.

भंडारा की तैयारी में जुटे रौनियर वैश्य महासभा के कार्यकर्ता.

इस मौके पर रविवार को रौनियार वैश्य महासभा बेड़ो इकाई के तत्वावधान में भंडारा का आयोजन किया गया. भंडारा के दौरान अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, सचिव मोती लाल गुप्ता, संगठन सचिव विजय कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष डॉ रमेश प्रसाद गुप्ता, मनोज कुमार गुप्ता, जयशंकर प्रसाद गुप्ता उर्फ बबलु, विकास कुमार गुप्ता, राजेन्द्र रौनियार, विकास बंटी सहित दर्जनों समाज के लोगों ने भंडारा के दौरान श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष चंद्र नीच और केमन्द्रुम दोष में है. किसी कार्य के पहले सोच-विचार कर करें. कार्य व्यवसाय एवं नौकरी में रुकावटें होंगी. किया गया परिश्रम सार्थक होने में बिलंब होगा. वहीं परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. शिवलिंग पर जल अर्पण करें.

वृष बेकार की बहस होगी. व्यापार में लाभ नहीं के बराबर होगा. पर आय का मार्ग खुलेगा.आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. काम-काज के लिए अच्छा रहेगा. परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा. मन में कुछ नकारात्मक विचार आ सकते हैं. अन्न का दान करें.

मिथुन रोग शोक से बचें. संतान की शिक्षा में सुधार होगा. घरेलू विवाद कोशिश करने से सुलझ सकता है. कार्य होगा और भाग्योदय संभव है. पारिवारिक सुख अच्छा मिलेगा. मिथ्या आरोप लगने के कारण क्रोध बढ़ सकता है. मीठी वस्तु का दान करें.

कर्क गलत कार्य से दूरी बना कर रहें. काम काज सामान्य रहेगा. मन प्रसन्न रखना होगा. नवीन मित्रता हो सकती है. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य में कमी देखने को मिल सकती है. शिक्षा में विशेष ध्यान देना होगा.

सिंह किसी महिला से विवाद हो सकता है. परिवार के सदस्यों की तरफ से सुख और सहयोग मिलेगा. आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बना रहेगा. कार्य होने से शुभफलों की प्रधानता रहेगी. किसी अपने से विवाद से दूर रहें.

कन्या समय अनुकूल है, पर रूखे व्यवहार से बनी बनाई बात बिगड़ सकती है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. अधिक प्रभाव होने के बाद भी काम काज सामान्य रहेगा. परीक्षा एवं प्रतियोगिता में आशाजनक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं.

तुला काम काज सामान्य रहेगा. आपका मन किसी भी काम में पूरी तरह से नहीं लग पाएगा. आपके लिए निराशाजनक हालात पैदा हो सकते हैं.परिवार या मित्र से मतभेद हो उत्पन्न हो सकते है. मंदिर में अन्न और जल का दान करें.

वृश्चिक समय उत्तम फल प्रदान करेगा. कामकाज में सफलता मिलेगी. दूसरों के साथ अच्छे संबंध बने रहेंगे. स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बन सकती है. वाहन के प्रति सावधानी रखने की आवश्यकता है. हनुमानजी का ध्यान पूजन करें.

धनु विदेश से लाभ हो सकता है. स्वास्थ्य और शिक्षा में खर्च अधिक होगा, पर आर्थिक स्थिति अच्छी होगी. यात्रा बहुत जरूरी नहीं हो तो टाल दें. साथ ही वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. खर्चे में बढ़ोतरी होगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें.

मकर गलत आय और लोगों से बचें. योजना में विस्तार हो सकता है.कामकाज में सफलता मिलेगी. शिक्षा-प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. परिवार के लोगों के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा. शनि देव को खुश करने का उपाय करें.

कुंभ जीवन साथी की भावनाओं की कद्र करें. व्यापार से लाभ संभव है. किसी आपने से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी. स्वभाव में गंभीरता एवं एकाग्रता बनी रहेगी. परिवार की तरफ से मन प्रसन्न रहेगा. किसी प्रकार के विवाद में ना पड़े.

मीन ससुराल में किसी से बहस हो सकती है. करीबियों की भावनाओं की कद्र करें. आपके मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. कामकाज में लाभ होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. गणेशजी का ध्यान पूजन करें. लड्डू का भोग लगावें.

महिला जूनियर ताइक्वांडो में भाग लेगी ढोढी-मंधैनियां की बेटी

मयूरहंड(चतरा)। जिले के मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र के ढोढी-मंधैनिया निवासी राजेंद्र प्रसाद वर्मा की पुत्री

रूपाली राज वर्मा का राष्ट्रीय महिला जूनियर ताइक्वांडो के लिए चयन हुआ है. यह प्रतियोगिता यूपी के आगरा में नेशनल पब्लिक स्कूल में 8 सितंबर से 11 सितंबर तक आयोजित हो रही है, जिसमें भाग लेने को लेकर रुपाली वर्मा आगरा पहुंच गई है. वहां झारखंड के तरफ से खेलेगी. इससे पहले रूपाली ने राज्य स्तर पर भी ताइक्वांडो प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त कर चुकी है. रूपाली वर्मा हजारीबाग के आरसी मिशन रेसिडेंशियल स्कूल में सातवीं कक्षा की छात्रा है. रूपाली अपनी कड़ी मेहनत के बदौलत गांव ही नहीं पूरे राज्य को गौरवान्वित करने के साथ अपने विद्यालय का नाम रौशन कर रही है.

बेलांकन्नी माता तीर्थ स्थल में बने गिरजाघर का उद्घाटन

सिमडेगा। जिले के फरसाबेड़ा में बेलांकन्नी माता तीर्थ स्थल में बने भव्य गिरजाघर का रविवार को उद्घाटन किया गया. चर्च के उदघाटन समारोह में सिमडेगा बिशप विन्सेंट बरवा, हजारीबाग बिशप आनंद जोजो, गुमला बिशप लीनुश पिंगल एक्का, सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा, कोलेबिरा विधायक विक्सल कोंगाडी सहित सैकड़ों पुरोहित व धर्मबहनें भी उपस्थित थे. समारोह में मुख्य अनुष्ठाता के रूप में बिशप विन्सेंट बरवा उपस्थित थे. उनकी अगुवाई में विशेष मिस्सा पूजा हुई. इसके बाद चर्च परिसर एवं वेदी में आशीष जल का छिड़काव किया गया. बिशप बरवा ने नवनिर्मित चर्च निर्माण के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया साथ ही सम्पूर्ण मसीही धर्मावलम्बियों को बधाई दी. कार्यक्रम में उपस्थित विधायक भूषण बाड़ा ने अपने संदेश में कहा कि गिरजाघर विश्वास, आस्था एवं एकता का प्रतीक है,जो ईश्वर एवं इंसान को जोड़ता है. कार्यक्रम में जोसिमा खाखा, डेविड तिर्की, थियोडोर कीड़ो, शीतल एक्का, शोभेन तिग्गा, नीला नाग, ज्योति लुगुन, उर्मिला केरकेट्टा सहित हजारों की संख्या में धर्मावलम्बी उपस्थित थे.

बारेसांढ़ में जान हथेली में रख कर ग्रामीण अपनी फसलों की रक्षा कर रहे हैं

हाथियों का आतंक जारी, लाखों की फसल बर्बाद

संवाददाता। गारू(लातेहार)

पलामू टाइगर रिजर्व के बारेसांढ़ में इन दोनों जंगली हाथियों का आतंक काफी बढ़ गया है. अब तक 30 से 35 किसने की फसलों को अब तक बर्बाद कर चुका है. धान की फसल अभी मध्य अवस्था में है. फसल के पैदावार इसी अवस्था में निर्णय होता है. ऐसे में जंगली हाथियों का झुंड रात भर तांडव मचा कर फसलों को बर्बाद कर रहा है. जान हथेली में रख कर ग्रामीण अपनी फसलों की रक्षा कर रहे हैं. भुक्तभोगी ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग को सूचना देने के बाद फसल नुकसान की मुवायना के लिए ट्रैकर को भेज देते हैं और बस प्रक्रिया फोटो खींचाई तक ही सीमित रह जाता है. बताते चलें कि सभी वनरक्षी हड़ताल के बाद वापस नहीं आ पाए हैं.

सुरक्षित हाथी जोन का किया जा चुका है घेराबंदी

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दो सालों में हाथियों का आतंक पहले की तुलना में काफी बढ़ गया है, जिसका मुख्य कारण टेनो, जोड़ा सखुवा और बैगिन दह जैसे हाथियों के सुरक्षित जोन में घेराबंदी कर दिया गया है. वाइल्डलाइफ सॉफ्ट रिलीज सेंटर के घेरान में करंट लगाया गया है जिसके कारण हाथी गांव की ओर रुख कर रही है.

जो किसान हैं प्रभावित

सुलदीप घांसी, सिमोन बृजिया, कन्हाई सिंह, दयाशंकर राम, सकलदीप भुइयाँ, रामबिहारी सिंह, विजय सिंह समेत लगभग 20 लोगों के खेत में लगी फसल को बर्बाद हो चुका है.

क्या कहते हैं अधिकारी

इस संबंध में डीएफओ कुमार आशीष ने बताया कि हाथियों को गाँव में आने से रोकने के लिए कर्मियों को निर्देशित कर रहे हैं और किसान के फसलों का मुआवजा विभाग द्वारा दिया जाएगा.

वरीयता में टिकट पर मेरा हक पार्टी तय करेगी : बेसरा

संवाददाता। रामगढ़

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सह दर्जा प्राप्त मंत्री व झारखंड राज्य समन्वय समिति के सदस्य फागु बेसरा ने कहा कि मांडू विधानसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन से झारखंड मुक्ति मोर्चा चुनाव लड़ेगी. कहा कि वरीयता के आधार पर मेरा हक बनता है कि मैं यहां से चुनाव लड़ूं. आगे इस पर पार्टी तय करेगी. कहा पिछले 2019 का चुनाव में गठबंधन से जहां झामुमो ने चुनाव लड़ने से त्रिकोणीय संघर्ष में भाजपा दो हजार मतों से जीती थी. झामुमो पांच हजार मतों से पीछे था. एआईएमआईएम के चुनाव लड़ने के कारण भाजपा को इसका सीधा लाभ मिला था. इस बार जनता भूल नहीं करेगी. इस क्षेत्र की जनता भाजपा, आजसू गठबंधन को सफाया करने का मन बना लिया है. पिछला इतिहास नहीं दोहराएगी. फिर एक बार झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने झारखंडी जनता के हित में कई योजनाओं को धरातल में उतारा है. स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार से संबंधित कई योजनाएं लागू की हैं. सर्वजन पेंशन योजना, मंईया सम्मान योजना, पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति योजना, उच्च शिक्षा के लिए सस्ता ब्याज पर ऋण, बेरोजगारों के लिए रोजगार सृजन योजना के तहत 50 लाख तक 40% सब्सिडी पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है.

सीपीआई के राज्यस्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में बोले डी. राजा

इंडिया गठबंधन में भाकपा को सम्मानजनक सीटें मिले

वाददाता। रांची

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी. राजा ने कहा कि हमारी पार्टी का झारखंड में बहुत तेजी से बढ़ रही है. राज्य के सभी जिलों में मजबूत संगठन व सभी जन संगठन के नेतृत्व व कार्यकर्ता दिल जान से लगे हुए हैं. इस बार के विधानसभा चुनाव में झारखंड में लाल परचम मजबूती से लहराएगा. उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में हमें सम्मानजनक सीट भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को देना चाहिए, राज्य में किसी भी परिस्थिति में भारतीय जनता पार्टी को आने से रोकने के लिए मजबूत गठबंधन के साथ चुनाव लड़ना होगा. इंडिया गठबंधन के नेतृत्व के साथियों की जवाबदेही है कि राज्य के सभी विपक्षी पार्टियों को एकजुट कर चुनाव में उतरे. वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में अपने उद्गार व्यक्त कर रहे थे. रविवार को इसका आयोजन अटल वेंडर मार्केट स्थित बैंक्विट हॉल के अतुल कुमार अंजन सभागार में किया गया था. उन्होंने कहा कि इसलिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सभी जिलों में विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रही है. लोकसभा के चुनाव में तालमेल में कमी के कारण दोबारा मोदी सत्ता में आ गए. किंतु उनके भी 400 के दावे खोखले साबित हुए, इसीलिए झारखंड विधानसभा चुनाव में पहले से ही भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी तैयारी कर रही है.

चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादे को पूरा करें सरकार : मेहता : पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि राज्य की जनता आंदोलित है, राज्य के खनिज संपदाओं पर कॉर्पोरेट घराने की नजर है, अदानी के खिलाफ पिछले एक वर्ष से लोग धरने पर अडिग हैं. सरकार एवं प्रशासन सुन नहीं रही है, भूमि बैंक के कारण किसानों को काफी नुकसान हो रहा है, राज्य में ना विस्थापन नीति बनी है और ना ही विस्थापन आयोग का गठन, अभी तक हुआ है. चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादे को अविलंब पूरा करें झारखंड सरकार.

सीपीआई की राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में मौजूद पार्टी के सदस्य.

पार्टी पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगी : महेंद्र पाठक

राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से हमारे सभी कार्यकर्ता एवं नेतृत्व के साथी जनता के घर-घर में जाकर चुनाव की तैयारी व वोट मांगेंगे, हमारी पार्टी पूरी मजबूती के साथ झारखंड विधानसभा की चुनाव लड़ेगी. महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जैनेंद्र कुमार भंते अपने पूरे कार्यकर्ताओं के साथ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया, जिसमें कई जिले के पदाधिकारी शामिल थे. महासचिव ने उन्हें माला पहनकर और गले में पार्टी का लाल पट्टा देकर स्वागत किया. जैनेंद्र कुमार ने कहा कि हमारी पुरानी पार्टी हमारा पुराना घर है, हम पूरे जोश खरोश के साथ राज्य की जनता को सेवा करने के लिए पूरी तरीके से जिंदगी को समर्पित करेंगे. मौके पर राष्ट्रीय परिषद के सदस्य कन्हाई मल पहाड़िया, आदिवासी महासभा के महासचिव पशुपति कोल, महादेव राम, सोनिया देवी, केडी सिंह, मजदूर नेता लखनलाल महतो, डॉ पीयूष, अंबुज ठाकुर, रुचिर कुमार तिवारी, गणेश कुमार सिंह, पुष्कर महतो आदि ने भी अपने विचार रखा. मौके पर इम्तियाज खान, कलाम रसीदी, कमरू निशा, लालदेव सिंह, तारकेश्वर सिंह, आरती देवी, किरण कुमारी, सिमरन, रश्मि तिवारी, राधिका तिवारी, रश्मि तिवारी, बसंत गोप, अनिल असुर, संजय गिरी, इसाक अंसारी, महादेव राम, प्रकाश रजक, अनिरुद्ध कुमार आदि बड़ी संख्या में किसान, मजदूर, वामपंथी शामिल थे. इसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय परिषद के सदस्य पीके पांडे, संचालन अजय सिंह ने किया.

हमारी पार्टी मजबूती के साथ लड़ेगी चुनाव : रमेंद्र : पूर्व सांसद रमेंद्र कुमार ने कहा कि गठबंधन में हमें जगह मिले तो मजबूती से चुनाव लड़ने के लिए आगे आना चाहिए, किसान मजदूर की एकता के बल पर राज्य में मजबूती के साथ हमारी पार्टी चुनाव लड़ेगी.

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम की मॉनिटरिंग के लिए डीजीपी की बड़ी पहल

कार्यक्रम की शुरुआत 10 सितंबर से होगी

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड पुलिस राज्य के सभी जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन करेगी. डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर इस कार्यक्रम की शुरुआत 10 सितंबर से होगी. जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में 18 मुख्य मुद्दे पर आम जनता की समस्या सुनी जाएगी और उनकी मदद की जाएगी. झारखंड पुलिस मुख्यालय ने कार्यक्रम की मॉनिटरिंग के लिए 21 जिलों में 21 आईजी और डीआईजी रैंक के अफसरों को प्रतिनियुक्त किया है. प्रतिनियुक्त अधिकारी जन शिकायत समाधान कार्यक्रम से संबंधित दिशा-निर्देश का सही से अनुपालन हो रहा है या नहीं, आम जनता से मिली शिकायत का सही तरीके से निवारण किया जा रहा है या नहीं, पुलिस पदाधिकारी और कर्मी के खिलाफ दुर्व्यवहार से संबंधित प्राप्त शिकायत को लेकर नियमानुसार कार्रवाई हो रही है या नहीं, आम जनता के प्रति पुलिस का व्यवहार सम्मानजनक है या नहीं और जिले के एसपी द्वारा प्राप्त शिकायतों का निष्पादन सही ढंग से किया जा रहा है या नहीं, इसकी मॉनिटरिंग करेंगे. हालांकि कोल्हान रेंज में किसी अधिकारी को प्रतिनियुक्त नहीं किया गया है.

21 जिलों में प्रतिनियुक्त हुए आईजी और डीआईजी

रांची	आईजी मनोज कौशिक.
खूंटी	आईजी प्रभात कुमार.
सिमडेगा	आईजी असीम विक्रांत मिंज.
गुमला	आईजी अखिलेश झा.
हजारीबाग	आईजी पंकज कंबोज.
बोकारो	आईजी माइकल राज एस.
पलामू	आईजी नरेंद्र सिंह
लातेहार	आईजी राजकुमार लकड़ा.
रामगढ़	आईजी एवी होमकर.
देवघर	आईजी ए विजयालक्ष्मी.
साहिबगंज	आईजी क्रांति गड़देशी.
गिरिडीह	डीआईजी सुनील भास्कर.
धनबाद	डीआईजी सुरेंद्र झा.
कोडरमा	डीआईजी मयूर पटेल कन्हैयालाल.
लोहरदगा	डीआईजी अनूप बिरथरे.
चतरा	डीआईजी कार्तिक एस.
गढ़वा	डीआईजी वाई एस रमेश.
दुमका	डीआईजी इंद्रजीत महथा.
गोड्डा	डीआईजी शैलेंद्र वर्नवाल.
पाकुड	डीआईजी संजीव कुमार.
जामताड़ा	आईजी शैलेंद्र सिन्हा.

मेक माई सिटी सेफ पर दें असुरक्षित क्षेत्र की जानकारी, होगी कार्रवाई

रामगढ़ पुलिस की अपील

रामगढ़ । महिलाओं की सुरक्षा के लिए झारखंड पुलिस ने 'मेक माई सिटी सेफ' शुरू की है. इसको लेकर रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि किसी भी क्षेत्र में महिलाओं के साथ कुछ गलत हो रहा है या कोई इलाका उनके लिए असुरक्षित है तो झारखंड पुलिस की वेबसाइट पर लॉग इन कर कुछ जानकारी देनी है. पुलिस उस पर त्वरित कार्रवाई करेगी. जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखा जायेगा.

अजय कुमार ने बताया कि जानकारी देने के लिए झारखंड पुलिस की वेबसाइट jhpolice.gov.in पर लॉग इन करना है. इसके बाद इनिसिएटिव्स में जाकर मेक माई सिटी सेफपर क्लिक करते ही एक विंडो खुलेगा, जिसमें कुछ जानकारियां देनी है. कोई दुरूपयोग न करे, इसलिए सूचना देने वालों की मांगी गयी है जानकारी : रामगढ़ एसपी ने बताया कि विंडो खुलने के बाद उसमें जानकारी देने वाला का नाम, उसके मोबाइल नंबर, जिला, जेंडर, ईमेल आईडी और पता डालना होगा. इस जानकारी को झारखंड पुलिस किसी के साथ साझा नहीं करेगी. ये जानकारी इसलिए मांगी गयी है, ताकि इस सुविधा का कोई दुरुपयोग न करे. इसके बाद उस जगह के बारे में जानकारी देनी है, जो महिलाओं के लिए असुरक्षित है. आपको बताना होगा कि वहां क्या परेशानी आ रही है. इसके बाद जानकारी सबमिट कर देना है. सूचना मिलने के बाद झारखंड पुलिस मुख्यालय से उक्त जानकारी संबंधित जिले को कार्रवाई के लिए दी जायेगी. रामगढ़ पुलिस ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि आपातकालीन सहायता के लिए डायल 112 पर कॉल करें. पुलिस तुरंत पहुंचकर आपकी समस्या का समाधान करेगी.

24 साल का हिसाब देना होगा : जयराम महतो

- झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की बदलाव संकल्प सभा और मिलन समारोह

संवाददाता। केरेडारी

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का बदलाव संकल्प सभा सह मिलन समारोह का आयोजन केरेडारी कृषि फार्म मैदान में रविवार को हुआ. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पार्टी सुप्रीमो जयराम महतो वशिष्ठ अतिथि क्रांतिकारी मो रिजवान मोतीलाल महतो समेत अन्य मौजूद थे. कार्यक्रम में बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र से संभावित प्रत्याशी के तौर पर दावेदारी पेश करने वालों में जेएलकेएम के केंद्रीय संगठन सचिव विकास कुमार महतो सदस्य बबलू सागर मुंडा प्रदीप कुशवाहा राजेश साव अपने अपने समर्थकों के साथ हाथों में बैनर पोस्टर व लेकर पहुंचे थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केरेडारी प्रखंड अध्यक्ष संतोष महतो ने किया. संचालन रामावतार रजक ने किया. कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य से त्याग पत्र देने वाले बालेश्वर कुमार कुशवाहा अपने हजरों समर्थकों के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का विधिवत सदस्यता ग्रहण की. मुख्य अतिथि जयराम महतो ने कहा कि राज्य के निर्माण हुए 24 वर्ष हो गया, लेकिन अब तक जितनी भी सरकारें बनी सभी ने यहां के मूलवासियों को ठगा है. किसी ने भी मूलवासियों के हितों के लिए कार्य नहीं किया. राज्य के बाहर के लोगों को रेवड़ी की तरह नौकरियां बांटते रहे और राज्य के शिक्षित युवक युवतियां बेरोजगार होकर दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं. राज्य में अब तक ना तो सही से नियोजन नीति बनी है और ना ही इस दिशा में किसी सरकार ने सार्थक पहल की है. संगठन सचिव बिकेश महतो ने कहा कि राज्य खनिज संपदा से धनी तो जरूर है लेकिन इसका लाभ यहां के लोगों को नहीं मिल रहा. कार्यक्रम में मनोरंजन के लिए झारखंड के मशहूर नागपुरी लोक गायक मजबूल खान ने नागपुरी गीत की प्रस्तुति दी.

चिनियां में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

चिनियां । गढ़वा जिले के चिनियां प्रखंड के डोल पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत प्रखंड प्रखंड प्रमुख सुनैना देवी, जिला पार्षद सदस्य बनारसी सिंह, 20 सूत्री अध्यक्ष मंगरु सिंह, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अरविंद यादव आदि ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया. कार्यक्रम में अंचल, बाल विकास, शिक्षा, पेंशन, आवास, स्वास्थ्य, पशु पालन, बैंक, कृषि, 15वें वित्त आयोग, समाज कल्याण, ई श्रम पोर्टल, सामाजिक सुरक्षा, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन सहित कई अन्य विभाग के स्टॉल लगाए गए थे. इस दौरान अबुआ आवास से 405, मनरेगा से 90, स्वास्थ्य से 10, पशु विभाग से 14, पंचायती राज से 18, पेंशन से 106, स्वच्छता विभाग से 16, पेयजल एवं स्वच्छता से 12, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से 25, मुख्यमंत्री लघु उद्योग विकास योजना से 6, केसीसी से 4, जाति आय निवास प्रमाण पत्र से संबंधित 8 सहित कई आवेदन आये.

कुंदरूमला में झारखंड प्रतिभा फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ

संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ प्रखंड के कुंदरूकला महथा बागीचा में झारखंड प्रतिभा फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ. मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश व विशिष्ट अतिथि कांग्रेस नेता छोटन कुमार ने इसका उद्घाटन किया. पहला मैच घुटवा बनाम सिकिदिरी के बीच खेला गया, जिसमें एक से घुटवा की टीम जीत दर्ज की. मुख्य अतिथि बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश ने इस अवसर पर उन्होंने खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल के महत्व और युवाओं के विकास में इसके योगदान को रेखांकित किया. सुधीर मंगलेश ने अपने संबोधन में कहा, फुटबॉल जैसे खेल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं, बल्कि यह भी सिखाते हैं कि एक टीम के रूप में कैसे कार्य किया जाए. मौके पर आयोजन कमेटी के निरंजन बेदिया, सुनील मेहता, विजय केसरी, हिरालाल महतो, इनायत अंसारी, कमलेश बेदिया, बिनोद करमाली, सालेंद्र महतो, कौसर अंसारी, रंजीत करमाली, खेमन महतो, एस अनवर, त्रिभुवन उर्फ राजू महतो, कुलदीप करमाली, चुरामन पटेल, दिवाकर गुप्ता, छोटेलाल करमाली, त्रिभुवन बेदिया आदि मौजूद थे.

विडंबना बुनियादी सुविधाओं से महरूम है स्वतंत्रता सेनानी बाबूराम नारायण सिंह और बाबू सुखलाल सिंह का पैतृक गांव

आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी आवागमन की सुविधा नहीं

अभिमन्यु सिंह। चतरा

आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी स्वतंत्रता सेनानी बाबूराम नारायण सिंह और बाबू सुखलाल सिंह का पैतृक गांव बुनियादी सुविधाओं से महरूम है. गांव तक आवागमन की सुविधा नहीं है. ग्रामीणों को अपने गांव तक आने जाने के लिए बरसात के दिनों में कीचड़ युक्त रास्ते से आवागमन करना पड़ता है, वहीं गया चतरा मुख्य पथ (एनएच 22) से मात्र आधा किलोमीटर की दूरी पर स्थित अपने गांव आने के लिए अर्धनग्न होकर लीलाजन नदी पार कर आते हैं. वर्ष 2012 में झारखंड प्रदेश की तत्कालीन अर्जुन मुंडा सरकार ने स्वतंत्रता सेनानी का पैतृक गांव के रूप में चिन्हित कर इस गांव को आदर्श गांव में चयन किया था, लेकिन सुविधा के नाम पर विकास की किरण आज भी कोसों दूर है. वर्ष 1927 में स्थापित गांव का प्राथमिक विद्यालय को उत्क्रमित करके उच्च विद्यालय तक पहुंचा दिया गया और वर्तमान में इस विद्यालय का दर्जा पीएम श्री विद्यालय के रूप में है. विद्यालय में वर्ग 1 से लेकर दशम तक की पढ़ाई होती है, लेकिन गांव तक आने का रास्ता नहीं रहने के कारण छात्रों की उपस्थिति काफी कम होती है. विद्यालय का अपना खेल मैदान नहीं होने के बावजूद विद्यालय में फिजिकल टीचर की नियुक्ति है. इसी गांव के मध्यम वर्गीय किसान बाबू भोली सिंह के घर तीन जनवरी 1897 को एक बालक ने जन्म लिया, जो आगे चलकर बाबू सुखलाल सिंह के रूप में राजनीति के शिखर पर पहुंचे.

सुखलाल सिंह का फाइल फोटो.

बाबू सुखलाल सिंह का परिचय: झारखंड की धरती के लाल बाबू सुखलाल सिंह थे, जो आजीवन गांधी जी के दर्शन को मूल मंत्र बनाकर रखें. भावी पीढ़ी शायद इस पुरुष को नहीं जानता हो, लेकिन इतिहास के पन्नों में कई रूप में इनकी गाथा दर्ज है. छरहरा बदन, लंबा कद, सांवला रंग, खादी की धोती और कुर्ता, सिर पर गांधी टोपी धारण किए अगर कोई व्यक्ति साइकिल की सवारी से जा रहा हो, तो आंख मूंदकर कोई भी आदमी यह कह सकता था कि वैद्य जी जा रहे हैं. दरअसल उनको लोग वैद्य जी के नाम से ही ज्यादा जानते थे. स्वतंत्रता सेनानी के रूप में इनकी अलग पहचान है. जेल जाना इनकी वार्षिक दिनचर्या रही थी. 26 जनवरी 1929 को जब पूरे देश में स्वतंत्रता दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया जा रहा था, तो उस समय केंद्रीय कारागार में इन्हें कैद किया गया और 1932 में रिहा हुए.

बाबू सुखलाल सिंह वर्ष 1934 में हजारीबाग जिला परिषद के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष बने. अंग्रेजी शासन के दौरान 1936 मे चतरा गिरिडीह विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए. दूसरी बार पुनः निर्वाचित होने पर उन्हें संसदीय सचिव बनाया गया. आजादी के बाद 1952 में चतरा विधानसभा से निर्वाचित हुए और लगातार 5 वर्षों तक जन समस्याओं से संबंधित विधेयक लाने में सफल रहे. डोभी चंदवा मार्ग को बनवाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी, उस समय तत्कालीन मंत्री अब्दुल कयूम अंसारी ने विशेष रूप से रूचि लेकर इस सड़क को निर्माण करवाने में मदद की थी. चतरा विधानसभा से अंतिम चुनाव लड़ा था, जिसमें राजा बहादुर कामाख्या नारायण सिंह की जीत हुई थी और वह हार गए थे. 1969 में संपन्न हुए मध्यावधि चुनाव में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष एस. निजलिंगप्पा ने सीट दी थी. उस समय चुनाव में वैलेट पेपर का प्रयोग होता था. प्रत्याशी मतदाताओं को वैलेट पेपर को दिखाकर अपने पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करते थे.

शिविर में 191 मामलों का निष्पादन

संवाददाता। भवनाथपुर

पंडरिया पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेलपहाड़ी परिसर में रविवार को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत उप प्रमुख पिंटू टोपनो, मुखिया गायत्री देवी, समाजसेवी अनिल चौबे ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की. शिविर में पंचायत के लोगों की विभिन्न समस्याओं के निदान के लिये अलग-अलग स्टॉल लगाकर आवेदन लिया गया. जिसमें अंचल, बाल विकास, शिक्षा, पेंशन, आवास, स्वास्थ्य, पशु पालन, बैंक, कृषि, 15वें वित्त आयोग, समाज कल्याण, ई श्रम पोर्टल, सामाजिक सुरक्षा, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन सहित 8 कई अन्य विभाग के स्टॉल लगाए गए. शिविर में 954 आवेदन मिले एवं 191 का निष्पादन किया गया. शिविर में अबुआ आवास योजना 489, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना 113, मईयां सम्मान योजना 70, पशु विकास योजना 95, सर्वजन पेशन योजना 62, राशन कार्ड 18, श्रम विभाग 33, सहित कई विभाग के आवेदन प्राप्त हुए. उप प्रमुख पिंटू टोपनो, मुखिया गायत्री देवी ने जेएसएलपीएस सखी मंडल की महिलाओं को रोजगार के लिए 6 लाख 50 हजार का चेक एवं विद्यालय के 68 छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया. कार्यक्रम का संचालन बीटीएम राकेश कुमार ने किया. मौके पर कल्याण पदाधिकारी राजगीर राम, जेई विजय शंकर राय, श्रम मित्र नंदू राम, कौशल कुमार सिंह, धर्मेंद्र कुमार, अशोक कुमार, चंदन कुमार, पंकज कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे.

गहराता रोजगार संकट

नवउदारवादी आर्थिक नीतियों के दुष्परिणाम रोजगार के क्षेत्र में साफ दिखायी दे रहे हैं. भारत में बढ़ती बेरोजगारी और रोजगारहीनता भयावह होती जा रही है. ऐसे ले-ऑफ एक बड़े संकट के बतौर परिघटना को प्रदर्शित कर रहा है. भारत पांच ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, लेकिन भारत की समस्या यह है कि वास्तविक अर्थव्यवस्था के संकटों पर चर्चा नहीं हो रही है. दुनिया भर में आइटी कंपनियों में जिस तरह के हालात हैं, उसका असर भारत में स्पष्ट दिख रहा है. कहा जा रहा है कि यह तो आगाज है. भविष्य में और गंभीर संकट से इंकार नहीं किया जा सकता है. 2022 और 2023 के बाद इस साल भी आईटी सेक्टर में नौकरियों के जाने का सिलसिला जारी है. आईटी विशेषज्ञों की मानें तो आने वाला कल और ज्यादा चिंता का सबब बनने वाला है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने के बाद आईटी सेक्टर की कंपनियों में कार्यबल घटाने की प्रतिस्पर्धा होने लगी है. इस साल जनवरी में 44 हजार कर्मियों की छंटनी हुई. फरवरी में 25 हजार और मार्च में 15 हजार कर्मी छंटनी के शिकार हुए. मई में 21 हजार, जून में 19 हजार, जुलाई में 19 हजार और पिछले महीने अगस्त में 26 हजार से ज्यादा आईटीकर्मियों को नौकरी गंवानी पड़ी. दरअसल संकट के बहुआयामी कारणों की तलाश की जरूरत है. अगस्त महीने में टेक सेक्टर में छंटनियों में भारी बढ़ोतरी नए संकट का संकेत है. प्रमुख टेक कंपनियां जैसे इंटेल, आईबीएम और सिस्को के साथ-साथ 40 से अधिक छोटे स्टार्टअप्स ने भी बड़े पैमाने पर छंटनियों की घोषणा की है. इस साल अब तक 422 कंपनियों में 1,36,000 से अधिक टेक प्रोफेशनल्स की नौकरी जा चुकी है. गुरु इंटेल ने अपने कर्मचारियों को भेजे एक मेमो में बताया कि वह अपने कुल वर्कफोर्स का 15 प्रतिशत से अधिक यानी 15,000 कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है. यह फैसला कंपनी की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत 2025 तक 10 बिलियन डालर की लागत में कटौती की जाएगी. कंपनी ने यह कदम दूसरी तिमाही के खराब परिणामों और कमजोर आउटलुक के बाद उठाया है. इंटेल के सीईओ ने कहा कि कंपनी की राजस्व वृद्धि की समस्या का कारण ज्यादा खर्च और कम मुनाफा है, हालांकि इंटेल ने पिछले 25 वर्षों में सीपीयू चिप बाजार में ऐतिहासिक दबदबा बनाए रखा है.सिस्को सिस्टम्स ने अपने ग्लोबल वर्कफोर्स में लगभग सात प्रतिशत कटौती करने का फैसला किया है, जिससे लगभग 6,000 कर्मचारी प्रभावित होंगे. बेंगलुरु स्थित सोशल मीडिया फर्म शेयरचैट ने अगस्त 2024 में अपने अर्द्धवार्षिक परफॉरमेंस असेसमेंट के बाद अपने कर्मचारियों की संख्या में पांच प्रतिशत की कटौती की, जिससे लगभग 30-40 कर्मचारी प्रभावित हुए. 2023 में प्रमुख आईटी कंपनियों में छंटनियों में पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई.

> गुरु इंटेल ने अपने कर्मचारियों को भेजे एक मेमो में बताया कि वह अपने कुल वर्कफोर्स का 15 प्रतिशत से अधिक यानी 15,000 कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है. यह फैसला कंपनी की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत 2025 तक 10 बिलियन डालर की लागत में कटौती की जाएगी.

सुभाषित

दिवसेनैव तत् कुर्याद् येन रात्रौ सुखं वसेत्।
यावज्जीवं च तत्कुर्यात् येन प्रेत्य सुखं वसेत्॥

दिनभर ऐसा काम करो, जिससे रात में चैन की नींद आ सके. वैसे ही जीवनभर ऐसा काम करो, जिससे मृत्यु पश्चात् सुख मिले. अर्थात् सद्गति प्राप्त हो. जो मूर्ख चैन और सुख के मूल की परवाह नहीं करते, वे सदा ही दुखी और बेचैन रहा करते हैं. उन्हें कहीं शांति नहीं मिलती.

कांग्रेस की लड़ाई अपने ही क्षत्रपों से

राज्यों में कांग्रेसी हमेशा ठसक में रहते हैं. इसे केवल आलाकमान ही तोड़ सकता है. हरियाणा में मौका है कि कांग्रेस नेतृत्व सख्त मैसेज दे कि गुटबाजी करनेवाला कोई भी नेता बख्शा नहीं जाएगा. यह चुनाव कोई क्षत्रप नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी लड़ रही है. पार्टी में किसी तरह की गुटबाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. राहुल गांधी ने जिस तरह भाजपा में खलबली मचा रखी थी, उसी तरह उन्हें कांग्रेस नेताओं को भी काबू करने की कोशिश करनी होगी.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

हरियाणा में कांग्रेस से जुड़ने के लिए भाजपा के बागियों में होड़ लगी है. रेसलर विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया ने तो कांग्रेस का दामन थाम भी लिया है. लेकिन अगर दिल से पूछिए कि वहां कांग्रेस ने कुछ अच्छा किया है जवाब होगा नहीं. वहां भाजपा की सरकार ने बहुत बुरा किया है. यही वजह है कि हरियाणा में कांग्रेस की स्थिति बहुत अच्छी मानी जा रही है. लेकिन सामने जीत देख कर हरियाणा के कांग्रेस नेता बावले होते जा रहे हैं. सबको सीएम पद दिख रहा है और सीएम बनने के लिए अपने से ज्यादा बाकियों को लड़ाने में जुटे हैं. कांग्रेस हाईकमान यह मैसेज देने में लगातार नाकाम रहा है कि हरियाणा में नेता नहीं, पार्टी चुनाव लड़ रही है. सच्चाई यह है कि भाजपा के कुशासन के खिलाफ राहुल गांधी ने जो अभियान चलाया, उसी की वजह से हरियाणा में कांग्रेस की हालत बेहतर दिख रही है. हरियाणा में क्षत्रपों की वजह से जनता वोट नहीं देगी. वोट मिलेंगे कांग्रेस नेता राहुल गांधी की किसान समर्थक नीतियों, अग्निवीर के खिलाफ आवाज, महंगाई-बेरोजगारी, छोटे व्यापारियों के उद्योग धंधे ठप होने, राज्य की गौरव पहलवान बेटियों के साथ नाइंसाफी के खिलाफ आवाज उठाने के लिए.

कांग्रेस जब तक यह मैसेज देने में कामयाब नहीं होगी, तब तक क्षत्रप अपने आप तीस मार खां बन कर आपस में ही लड़ते रहेंगे. ये लड़ाई भूपिंदर सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और रणदीप सुरजेवाला जारी रखे हुए हैं. कांग्रेस नेतृत्व शायद राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का उदाहरण याद नहीं कर रहा है. तीनों राज्यों में कांग्रेस आपसी गुटबाजी के चलते ही चुनाव हार गई थी. यह संयोग ही है कि राजस्थान में इंचार्ज होने के नाते गुटबाजी झेल चुके अजय माकन अब हरियाणा की स्क्रीनिंग कमेटी अध्यक्ष हैं. हालांकि यही गुटबाजी हरियाणा में खुद माकन को दो साल पहले राज्यसभा चुनाव हरवा चुकी है. राहुल गांधी के उम्मीदवार के तौर पर माकन की पहचान थी. मगर इसकी परवाह न करते हुए किरण चौधरी ने माकन के खिलाफ वोट दिया था. उस समय कांग्रेस का ही एक गुट किरण चौधरी को बचाने में लग गया था. कांग्रेस अनुशासन समिति ने उन्हें कारण बताओ नोटिस दिया. उसे दबा दिया गया. यहां तक कि माकन की आवाज को भी दबा दिया गया. राहुल गांधी की यही कमजोरी उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है. उन्हें तब बोलना चाहिए था, लेकिन वे चुप रह गए. पार्टी को नुकसान पहुंचाने वालों पर अगर सख्त मैसेज एक बार चला जाए तो वह नजीर बन जाता है. किरण चौधरी को भी अगर उसी समय कांग्रेस ने पार्टी से निकाल दिया होता तो आज भाजपा भी उन्हें न लेती. मगर अब भाजपा ने किरण चौधरी को राज्यसभा सदस्य बना दिया है. बेटी को विस चुनाव लड़वा रही है.

यह हरियाणा में कांग्रेस की सच्ची तस्वीर है. वहां गुटबाजी किस स्तर तक है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कुमारी शैलजा स्क्रीनिंग कमेटी को ओवर रूल करके अपने 90 नाम सीधे सीईसी को भेज दिए. हरियाणा में 90 सीटें हैं और इसके लिए 2500 से अधिक लोग कतार में हैं. कुछ सीटों पर तो 40-40 लोगों ने टिकट मांगा है. आप को याद होगा कि 2019 में भी हरियाणा में कांग्रेस की स्थिति बहुत अच्छी थी, लेकिन गुटबाजी की वजह से पार्टी 31 सीटों पर ही रुक गई. स्पष्ट बहुमत तो भाजपा को भी नहीं मिला, वह भी 40 पर रुक गई. मगर जोड़ तोड़ करके उसने सरकार बना ली. उस समय कांग्रेस के क्षत्रप आपस में नहीं लड़ते तो कांग्रेस जीत सकती थी. ऐसा ही अभी लोकसभा चुनाव में हुआ. उसने पांच सीटें तो जीतीं, लेकिन अगर सब मिल कर लड़ते, तो कांग्रेस आठ सीटें जीत सकती थी. कांग्रेस में जनता जितना भी चाहे, इसके नेता ही अड़ जाते हैं-अच्छा तुम हमसे भी ताकतवर हो गए हो, एक क्षत्रप दूसरे को जीतने नहीं देता. कांग्रेसी हमेशा इसी ठसक में रहते हैं कि हम ही सबकुछ हैं. इस ठसक को कांग्रेस हाईकमान ही तोड़ सकता है, लेकिन वह भी समय पर सही फैसला लेने से चूक जाता है. हरियाणा में अब मौका है कि आलाकमान सख्त मैसेज दे कि गुटबाजी करने वाला कोई नेता बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों न हो. यह चुनाव कांग्रेस पार्टी लड़ रही है. कोई गुट नहीं चाहिए. हरियाणा को अलग राज्य भी कांग्रेस ने ही बनाया था. 1966 में. और यह देश में एक विकसित राज्य का मॉडल बना. भाजपा 10 साल से वहां सत्ता में है. राज्य में भी, केंद्र में भी. कोई बहाना नहीं है. डबल इंजन की सरकार कहते हैं. मगर हरियाणा में क्या किया. भाजपा जनता के सवालों का जवाब नहीं दे पा रही है. नतीजा चुनाव डेट बढ़ा दो, मॉब लिंचिंग के समर्थन में आ जाओ, हिंदू-मुसलमान शुरू करो और सबसे बढ़ कर कांग्रेस की गुटबाजी से उम्मीद करो. इसके अलावा भाजपा के पास हरियाणा में कुछ बताने को नहीं है. इसमें खास बात यह है कि सभी सवालों का जवाब खुद हरियाणा की जनता दे रही है. वह हिंदू-मुसलमान एजेंडे से बहुत दूर आ चुकी है. मगर एक चीज का जवाब खुद कांग्रेस को देना होगा, गुटबाजी का. अभी बहुत समय है. राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे का एक सख्त बयान सारे गुटबाजों के तेवर ढीले कर देगा. अभी तीसरी बार पीएम बने नरेंद्र मोदी को तीन महीने नहीं हुए और एक के बाद एक कई फैसले उन्हें वापस लेने पड़े. यही नहीं महाराष्ट्र में मोदी को छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के लिए सार्वजनिक माफी भी मांगनी पड़ी. यह सब राहुल गांधी का इंपैक्ट है. मगर राहुल गांधी का यही असर कांग्रेस पार्टी पर भी होना चाहिए. सत्ता पक्ष में खलबली मचना तभी सार्थक होगा, जब खुद राहुल गांधी की पार्टी एकजुट होगी. हरियाणा टेस्ट केस है. अगर वहां पर गुटबाजी पर काबू कर लिया गया तो इसका मैसेज जम्मू-कश्मीर, झारखंड और महाराष्ट्र समेत हर राज्य में जाएगा. और कांग्रेस आलाकमान हरियाणा में ढीला रहा तो वहां भी राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसा रिजल्ट आ सकता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

मिल सकते हैं भगवान

भगवान को प्राप्त करना बहुत ही सरल है. कहीं जाने की या दर-दर ठोकर खाने की भी जरूरत नहीं है. कई काम भी नहीं करना हैं. केवल और केवल एक काम करना हैं. और भगवान घर बैठे प्राप्त हो जायेंगे. जैसे कोई रोग हो जाए तो जितने डॉक्टर के पास जाओ उतनी ही तरह-तरह की दवाएं और हिदायतें दी जाती हैं. वैसे ही भगवान को प्राप्त करने के नाना तरीके हैं और लोग बताते भी रहते हैं. लेकिन हम सिर्फ एक सरलतम तरीका बता रहे हैं. भगवान छल-कपट से और छल-कपट करने वालों से बहुत दूर रहते हैं और छल-कपट रहित निर्मल मन वालों के बहुत पास रहते हैं. श्रीराम जी कहते हैं कि निर्मल मन वाले ही हमें पा सकते हैं. दूसरे नहीं. बिना मन निर्मल किये ही हम तीर्थों के चक्कर लगाते फिरते हैं. साधु-महात्माओं के दर्शन और आशीर्वाद लेते रहते हैं. प्रवचन सुनते रहते हैं. मंदिर जाया करते हैं. घर में भी पूजा-पाठ करते रहते हैं. यथा-शक्ति दान-दक्षिणा भी देते रहते हैं. व्रत-उपवास भी करते रहते हैं. लेकिन भगवान नहीं मिलते, क्योंकि हमारे पास निर्मल मन नहीं है. यही सबसे बड़ी समस्या है. हम सब भगवान को तो पाना चाहते हैं. लेकिन बिना मन निर्मल किये. जो कि सम्भव नहीं है. अपना मन ही निर्मल नहीं है तो भगवान कैसे मिलें? अपना प्रतिबिम्ब भी देखना हो तो निर्मल यानी साफ-सुथरा दर्पण की आवश्यकता होती है. यदि दर्पण साफ-सुथरा न हो तो खुद अपना प्रतिबिम्ब भी नहीं दिखाई पड़ता. तब गंदे मन रुपी दर्पण से भगवान कहाँ दिखेंगे ? यदि दर्पण में अपनी छवि बसानी यानी देखनी है तो दर्पण को स्वच्छ करना ही होगा. ठीक ऐसे ही मन में श्रीराम को बसाने के लिए मन स्वच्छ करना ही पड़ेगा. दर्पण स्वच्छ हो तो कुछ करना थोड़े पड़ता है. जैसे दर्पण के सामने गए प्रतिबिम्ब उसमें आ गया. भगवान तो हर जगह हैं. कण-कण में हैं. कहीं जाना भी नहीं है. हम हमेशा भगवान के सामने पड़ते हैं. लेकिन भगवान हमारे मन रुपी दर्पण में नहीं आते, नहीं दिखते. क्योंकि अपना मन रुपी दर्पण निर्मल नहीं है. अतः यदि हमारा मन निर्मल हो जाए तो भगवान खुद हमारे मन में बस जायेंगे. आ जायेंगे और हमें दिखने लगेंगे. अतः भगवान को पाने के लिए हमें कुछ नहीं करना है. सिर्फ हमें अपने मन को निर्मल बना लेना है. सब छोड़कर हम अगर यह काम कर ले जाएँ तो भगवान हमें मिल जाएंगे. भगवान खुद कहते हैं-'निर्मल मन जन सोमोहि पावा. हमहिं कपट छल छिद्र न भावा'.

एमएसपी की मांग पर उलझा है सियासत

• सामयिकी

डॉ. ज्ञान पाठक

किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं, लेकिन केंद्र ने उसकी अनदेखी करते हुए 2 सितंबर को कृषि क्षेत्र के लिए 14,000 करोड़ रुपये की सात नयी बड़ी योजनाओं की घोषणा की है. मोदी सरकार ने कहा कि ये योजनाएं किसानों के कल्याण के लिए हैं, लेकिन किसान कह रहे हैं कि उनकी भलाई उनकी फसलों के कानूनी रूप से सुनिश्चित न्यूनतम मूल्य पर निर्भर करती है, जिसे वे पारंपरिक रूप से अनेक बार बहुत कम कीमत पर, यहां तक कि अपनी उत्पादन लागत से भी कम पर बेचने के लिए मजबूर हैं. किसान इसके खिलाफ सुरक्षा चाहते हैं, लेकिन मोदी सरकार कह रही है कि किसानों का कल्याण केवल उन कानूनों और नीतियों के माध्यम से सुरक्षित किया जा सकता है, जिन्हें वे लागू करना चाहते हैं. किसान उन्हें इस आधार पर खारिज करते हैं कि सरकार का मतलब केवल व्यापार और कॉर्पोरेट के लिए कृषि-अर्थव्यवस्था का विकास करना है, जबकि सरकार का कहना है कि उनकी योजनाओं से किसानों की आय बढ़ेगी. किसानों ने कानूनी तौर पर एमएसपी की गारंटी मांगी, लेकिन केंद्र ने 3 सितंबर को एग्रीश्योरफंड लॉन्च किया. संक्षेप में, मोदी सरकार और किसान दो अलग-अलग ध्रुव हैं - किसान कृषि और अपनी फसलों के लिए लाभकारी मूल्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन सरकार का ध्यान कृषि-अर्थव्यवस्था पर है, जो व्यापार और कॉर्पोरेट लाभप्रदता को बढ़ावा देती है. मोदी सरकार ने स्पष्ट रूप से कृषि और ग्रामीण विकास की उपेक्षा की है, अन्यथा यह कैसे हो सकता था कि दोनों विभागों में पूर्णकालिक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भी तैनात नहीं किये गये हैं? शिवराज सिंह चौहान को कृषि और किसान कल्याण के साथ-साथ ग्रामीण विकास दोनों मंत्रालय सौंपे गये हैं. यह किसानों और ग्रामीण लोगों के वास्तविक कल्याण के लिए सरकार की कम प्राथमिकताओं को दर्शाता है. इसलिए यह आरोप प्रथम दृष्टया सही है कि मोदी सरकार आर्थिक विकास के नाम पर मुख्य रूप से व्यापार और कॉर्पोरेट लाभप्रदता पर ध्यान केंद्रित कर रही है और इस भरोसे में है कि वे अधिक निवेश और रोजगार लायेंगे, जिसमें वे पिछले एक दशक में विफल रहे हैं. किसानों, ग्रामीण लोगों और बेरोजगारी की स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है. केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 3 सितम्बर को एग्रीश्योर का शुभारंभ किया, जो स्टार्ट-अप और ग्रामीण उद्यमों के लिए एक कृषि कोष है, जिसके बारे में सरकार ने कहा कि यह एक अभिनव कोष है, जो भारत में कृषि परिदृश्य में क्रांति लाने की दिशा में एक अग्रणी कदम है. मोदी सरकार हमेशा किसानों की समृद्धि पर जोर देती रही है, लेकिन कुछ खास नहीं कर रही है. मोदी सरकार का 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वायदा एक उदाहरण है, जो सरकार की दोषपूर्ण नीतियों और तथाकथित किसान कल्याण योजनाओं के कारण पूरी तरह विफल हो गया, जिससे कृषि उपज और उत्पादों में कॉरपोरेट और व्यवसायों को भारी मुनाफा हुआ, लेकिन किसानों को नुकसान हुआ. एग्रीश्योर के लॉन्च से एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली केंद्रीय कैबिनेट समिति ने किसानों के कल्याण के नाम पर 13,966 करोड़ रुपये की सात नयी बड़ी योजनाओं को मंजूरी दी थी. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट का फैसला भारत के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए है. मोदी सरकार का यह फैसला केंद्र द्वारा 28,602 करोड़ रुपये की 12 औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को मंजूरी दिये जाने के एक सप्ताह बाद आया है. कई लोगों को यह उद्योग बनाम कृषि क्षेत्र के बीच संतुलन बनाने जैसा लगा, लेकिन यह आंशिक रूप से ही सही है, क्योंकि किसानों के कल्याण के नाम पर शुरू की गयी योजनाएं किसानों की आय बढ़ाने के बजाय कृषि-व्यवसाय के हितों की बेहतर सेवा करती हैं. अगर ऐसा नहीं होता, तो सरकार बढ़ती इनपुट लागत को ध्यान में रखते हुए किसानों को न्यूनतम मूल्य का आश्वासन क्यों नहीं देती? कृषि क्षेत्र की योजनाओं के लिए सात नयी बड़ी घोषणाएं हैं: फसल विज्ञान, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए 3,979 करोड़ रुपये, कृषि शिक्षा, प्रबंधन के लिए 2,291 करोड़ रुपये, डिजिटल कृषि मिशन के लिए 2,817 करोड़ रुपये, पशुधन स्वास्थ्य एवं उत्पादन के लिए 1,702 करोड़ रुपये, बागवानी के सतत विकास के लिए 860 करोड़ रुपये, कृषि विज्ञान केंद्र प्रबंधन के लिए 1,202 करोड़ रुपये तथा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए 1,115 करोड़ रुपये. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> मोदी सरकार ने स्पष्ट रूप से कृषि और ग्रामीण विकास की उपेक्षा की है, अन्यथा यह कैसे हो सकता था कि दोनों विभागों में पूर्णकालिक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भी तैनात नहीं किये गये हैं? शिवराज सिंह चौहान को कृषि और किसान कल्याण के साथ-साथ ग्रामीण विकास दोनों मंत्रालय सौंपे गये हैं. यह किसानों और ग्रामीण लोगों के वास्तविक कल्याण के लिए सरकार की कम प्राथमिकताओं को दर्शाता है.

दलबदल भाजपा की विस्तार रणनीति

• सियासत

कल्याणी शंकर

केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी दो-तरफ़ा आधार पर विस्तार करने के लिए काम कर रही है - पहला अन्य दलों, विशेष रूप से कांग्रेस से प्रभावशाली नेताओं को भाजपा में शामिल कर तथा दूसरा बड़े पैमाने पर पार्टी में नये सदस्यों की भर्ती कर. हालांकि विपक्षी राजनीतिक पार्टियों से इसमें कम संख्या में नेता शामिल हो सकते हैं, लेकिन उनका प्रभाव महत्वपूर्ण है, जबकि जनाधार बढ़ाने के लिए पार्टी बड़ी संख्या में नये सदस्यों को नामांकित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है. झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन झारखंड के वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पिछले महीने उन्हें हटाकर पुनः यह पद संभालने के बाद भाजपा में शामिल हो गये हैं. हेमंत सोरेन के एक घोटाले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किये जाने के बाद से चंपाई मुख्यमंत्री पद संभाल रहे थे. यह कदम प्रभावशाली मुख्यमंत्रियों के भाजपा में शामिल होने की प्रवृत्ति को बढ़ाता है, जो पार्टी की रणनीतिक सफलता को उजागर करता है. भाजपा अन्य दलों के जाने-माने नेताओं को गले लगाती है, क्योंकि वे अपने प्रभाव और कार्यकर्ताओं को साथ लाते हैं. कांग्रेस से आये असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा इसका एक बेहतरीन उदाहरण हैं. वह पूर्वोत्तर में सबसे चर्चित व्यक्ति बन गये हैं. नेशनल इलेक्शन वॉच-एडीआर के अनुसार, दलबदल और पार्टी बदलने के मुख्य कारण मूल्य-आधारित राजनीति का अभाव, पैसे और सत्ता का लालच, पुरस्कृत राजनीतिक पद और कुशल, ईमानदार और विश्वसनीय नेताओं की कमी है. भाजपा ने समानांतर ट्रैक पर 10 करोड़ नये सदस्य बनाने की योजना बनाई है. पिछले हफ्ते की बैठक में, पार्टी नेतृत्व ने फैसला किया कि यह अभियान दो चरणों में होगाः 2 से 25 सितंबर और 1 से 15 अक्टूबर.पिछले दशक में, भाजपा ने उल्लेखनीय वृद्धि देखी है. 1980 के दशक में, उच्च-मध्यम वर्ग, शहरी लोगों और बड़ी संख्या में हिंदुओं ने मुख्य रूप से भाजपा का समर्थन किया. तबसे इसने एक व्यापक राजनीतिक आधार बनाया है, जो इसके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है. भाजपा ने कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया है और 18 करोड़ सदस्यों के साथ पहले से ही दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है. ग्रैंड ओल्ड पार्टी, कांग्रेस के 13 करोड़ सदस्य हैं. पिछले दशक में, पूर्व मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों सहित कई प्रभावशाली कांग्रेस नेता भाजपा में चले गये, जिससे उनकी हताशा, लालच और सत्ता की लालसा का पता चला. भाजपा ने उनमें से कुछ को अच्छे पदों से पुरस्कृत किया है. उनमें से उल्लेखनीय नेताओं में हिमंत विश्व शर्मा, कैप्टन अमरिंदर सिंह, जितिन प्रसाद, आरपीएन सिंह, मिलिंद देवड़ा और ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हैं. महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण, रितेश पांडे, संगीता आज़ाद और अन्य हाल ही में भाजपा में शामिल हुए हैं. वे कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस और वाईएसआरसीपी जैसे विभिन्न राजनीतिक दलों से आते हैं. 2014 के बाद से भाजपा को सदस्यों के पाला बदलने से सबसे ज़्यादा फ़ायदा हुआ है, जबकि कांग्रेस को सबसे ज़्यादा नुकसान उठाना पड़ा है. जीतने के बाद भी विपक्षी दलों को चिंता है कि भाजपा उनके विधायकों को पाला बदलने के लिए मनाने की कोशिश करेगी - कई दलबदलू निर्णायक मौकों पर, जैसे कि सरकार के बहुमत साबित करने के समय होने वाले मतदान के दौरान. अन्य दलों के नेताओं को आकर्षित करने की भाजपा की सफल रणनीति एडीआर विश्लेषण में स्पष्ट है. यह दर्शाता है कि दल बदलने वाले 22प्रतिशत उम्मीदवार फिर से चुनाव लड़कर भाजपा में शामिल हो गये. इसके बाद 10 प्रतिशत कांग्रेस में और 6 प्रतिशत बसपा में शामिल हो गये. पिछले एक दशक में, भाजपा ने अन्य दलों के कई नेताओं को आकर्षित किया है, जिसने पूर्वोत्तर क्षेत्र में हेमंत विश्व शर्मा जैसे नेताओं के उदय में योगदान दिया है. भाजपा इन दलबदलुओं का स्वागत क्यों करती है? इसके तीन मुख्य कारण हैंः पहला, इससे वह पार्टी कमज़ोर होती है जिससे दलबदल होता है. दूसरा, इससे भाजपा को स्थापित पार्टियों के जाने-माने नेताओं को अपने साथ लाने का मौक़ा मिलता है, जिससे उसके रैंक मज़बूत होते हैं. तीसरा, भाजपा में दूसरी पंक्ति के नेताओं की कमी को देखते हुए दलबदलुओं को अपने साथ लाना आसान है. भाजपा के पुराने वफ़ादार सदस्य तब नाखुश होते हैं, जब नये लोगों को अच्छे पद मिलते हैं जबकि वे पार्टी के प्रति वफ़ादार रहे हैं. ऐसा पहले भी हो चुका है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> नेशनल इलेक्शन वॉच-एडीआर के अनुसार, दलबदल और पार्टी बदलने के मुख्य कारण मूल्य-आधारित राजनीति का अभाव, पैसे और सत्ता का लालच, पुरस्कृत राजनीतिक पद और कुशल, ईमानदार और विश्वसनीय नेताओं की कमी है. भाजपा ने समानांतर ट्रैक पर 10 करोड़ नये सदस्य बनाने की योजना बनाई है.

मीडिया में अन्यत्र

योग्यता आधारित चिकित्सा-शिक्षा पाठ्यक्रम

शिक्षा प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है, लेकिन शिक्षा के वास्ते किया जाने वाला हर कुछ सार्वभौमिक हित में ही नहीं होता है. जब शिक्षा अपने रास्ते से भटक जाती है तो तत्काल सुधारात्मक उपायों की जरूरत होती है. गलत व्याख्याओं से भरपूर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा प्रकाशित योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम दिशानिर्देशों को वापस लेने का सरकार का फैसला, कानून और तर्क के दायरे में एक प्रतिगामी कदम को झटका देता है. बीते 31 अगस्त को प्रकाशित, इस पाठ्यक्रम में गुदा मैथुन और समलैंगिकता को 'यौन अपराध' की श्रेणी में शामिल करते हुए उन्हें "अप्राकृतिक यौन अपराध" के रूप में निर्दिष्ट किया गया. इस पाठ्यक्रम ने 'ट्रांसवेस्टिज़्म' या विपरीत लिंग के कपड़े पहनने (क्रॉस-ड्रेसिंग) को भी यौन विकृति की श्रेणी में रखा. छात्रों को पहले जिस सात घंटे की दिव्यांगता संबंधी दक्षता से गुजरना अनिवार्य था, उसे भी फाउंडेशन कोर्स से बाहर कर दिया गया. ऐसा करने के क्रम में, एनएमसी ने न सिर्फ मेडिकल छात्रों को सदियों पीछे ले जाने का प्रयास किया, बल्कि उसने देश के कुछ कानूनों का उल्लंघन करते हुए यह सब किया और पूर्व में निर्धारित दिशानिर्देशों की अनदेखी की. गुदा मैथुन, समलैंगिकता और 'ट्रांसवेस्टिज्म' को अपराध/विकृति के रूप में उल्लेख करके, एनएमसी ने ट्रांसजेंडरपर्सन (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 का उल्लंघन किया. खासतौर पर, मद्रास और केरल हाईकोर्ट की चेतावनी के बाद, एनएमसी ने अक्टूबर 2021 में सभी मेडिकल विश्वविद्यालयों को एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय के संबंध में अवैज्ञानिक, अपमानजनक और भेदभावपूर्ण जानकारी को मंजूरी नहीं देने का निर्देश दिया था. फाउंडेशन कोर्स से अनिवार्य दिव्यांगता संबंधी दक्षताओं को हटाकर, एनएमसी ने दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 का उल्लंघन किया है. यह अधिनियम विश्वविद्यालयों, कॉलेजों एवं स्कूलों के पाठ्यक्रम में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों को शामिल करने को अनिवार्य बनाता है और इसके अलावा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, डॉक्टरों, नर्सों एवं पैरामेडिकल कर्मियों के लिए सभी शैक्षिक पाठ्यक्रमों में एक घटक के रूप में दिव्यांगता के समावेश को आवश्यक करता है. फिर, यह एनएमसी ही थी, जिसने सालों की वकालत के बाद 2019 में इन दक्षताओं को पेश किया था. **(द हिंदू)**

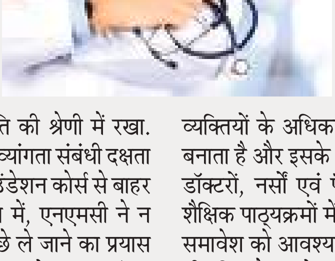

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

झूम/झूल/झूलन

अंखियों में छोटे-छोटे सपने सजाई के, बहियों में निंदिया के पंख लगाई के, चंदा में झूले मेरी बिटिया रानी, चांदनी रे झूम, हो चांदनी रे झूम. वात्सल्य रस से सराबोर यह दुर्लभ गीत सन् 1979 में बनी फिल्म नौकर का है. लोरी की श्रेणी में आनेवाले इस भावपूर्ण गीत को स्वर सम्राज्ञी लता मंगेशकर और किशोर कुमार दोनों ने अलग-अलग गा कर जन मानस को विभोर किया है. गीतकार मजरूह सुलतानपुरी की कल्पना की पराकाष्ठा देखिए कि नन्हीं बिटिया रानी चंदा में झूल रही है. इस गीत में चांदनी को झूमने की सलाह दे रहे हैं, लेकिन क्या चांदनी झूम सकती है? ध्यान देने पर पूरे गीत में रूपक अलंकार की छटा मन मोह लेती है, लेकिन सबसे अधिक आकर्षित करते हैं झूम और झूल शब्द. दोनों ही हिंदी भाषा के मूल और संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द हैं. झूम का मतलब है झूमने की क्रिया या भाव, तंद्रा, ऊंघने की क्रिया या भाव, मद में झूमना, नृत्य, कृषि की एक प्राचीन पद्धति जो अब क्रमशः चलन से बाहर हो रही है. अकर्मक क्रिया के रूप में झूम बन जाता है झूमना. यह शब्द इतना लोकप्रिय है कि बार-बार आगे-पीछे, ऊपर-नीचे या इधर-उधर हिलने, झोंके खाने, मस्ती या नशे में शरीर को आगे-पीछे और इधर-उधर हिलाने, लहराने को झूमना ही समझा जाता है. लोग मस्ती में भी झूमते हैं और नशे में भी. जब हवा बहती है तो पेड़-पौधे भी झूम उठते हैं. कानों में लटक कर मस्ती में झूमते रहने के कारण ही महिलाओं द्वारा बड़े शौक से पहना जानेवाला आभूषण झुमका कहलाता है. इस गाने में झुमके की सुंदरता महसूस की जा सकती है-झुमका गिरा रे, बरेली के बाजार में..... इसका मतलब झूम-झूम कर होनेवाला नाच, गीतों के साथ होने वाला झूमर नृत्य. उसी प्रकार झूलने की क्रिया या भाव को झूल कहा जाता है. चौपायों की पीठ पर डाले जानेवाले कपड़े को भी झूल कहते हैं. झूल का मतलब पेड़ की डाल या छत पर लटकायी हुई मजबूत रस्सी आदि से बंधी पटरी जिस पर बैठकर झूते हैं, झूला, वह कपड़ा जो पहनने के बाद ढीला-ढाला और भद्दा लगे.

करवटें बदलते रहें सारी रात हम!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

सोने का अर्थ-शास्त्र मुझे आजतक समझ में नहीं आया, फिर वह सोना चाहे धातु वाला सोना हो चाहे जाग्रत अवस्था का विलोम हो. सोना दिन ब दिन मंहगा होता चला जा रहा है. सत्ताईस-अट्ठाइस हज़ार तक पहुंच गया. फिर लुढ़का तो लुढ़कता ही चला गया. चार-पांच दिन में चार पांच हज़ार लुढ़क गया. अजब तमाशा है! यही हाल जाग्रत अवस्था के विलोम, सोने का है. कभी नींद आ जाती है, कभी नहीं आती. आती तो खूब आती है, नहीं आती तो आने का नाम ही नहीं लेती. जब आती है तो व्यक्ति के पूरे वजूद पर छा जाती है. बड़ी रहम दिल है. भूखे के लिए भोजन बन जाती है, प्यासे के लिए पानी. ठण्ड में गर्माहट और गरमी में ठंडक देती है. नींद में अनिकेतन को घर मिल जाता है, मित्र-विहीनों को मित्र मिल जाते हैं. सोते वक्त बदकिस्मत, खुशकिस्मत हो जाते हैं. नींद के आगोश में सब बराबर हो जाते हैं. प्रजातंत्र के तीन मूल्यों में से एक मूल्य समानता का है. सोते समय नींद के आगोश में सभी बराबर हैं. राजा और रंक का, अमीर और गरीब का भेद मिट जाता है. समानता के अतिरिक्त प्रजातंत्र की एक और कद्र, स्वतंत्रता का भी नींद में समावेश रहता है. जिस तरह मुर्दे की आत्मा मरने के बाद शरीर छोड़ देती है और भटकने के लिए स्वतन्त्र हो जाती है, सोते आदमी की आत्मा भी पूरी तरह स्वच्छंद हो जाती है. सोने का कोई समय निश्चित नहीं होता. समय-असमय आप कभी भी सो सकते हैं नींद भला कब बुरी लगती है? रात तो सोने के लिए है ही, सुबह की एक झपकी भी थोड़ा और तरोताजा कर देती है. भोजनोपरांत दोपहर का अल्प विश्राम आदमी को स्फूर्ति देता है. शांत वातावरण सोने के लिए सहायक है, माना. पर नींद का मारा शोरगुल में भी आसानी से सो सकता है. भाषण सुनते समय न जाने कितने श्रोता, श्रोता नहीं रह पाते- 'सोता' हो जाते हैं. नेता जी भाषण देते रहते हैं, श्रोता सोते रहते हैं. संसद की कार्यवाही चलती रहती है, सांसद झपकियां लेते रहते हैं. आजकल वे मुख्यतः दो ही काम करते हैं - या तो सोते हैं या चिल्लाते हैं. संगीत की महफिलों में संगीत-प्रेमी संगीत सुनते-न -सुनते नींद में डूब जाते हैं. संगीत उन्हें थपकियां देकर सुलाने का काम करता है. छात्र अपनी कक्षाओं में अक्सर सोते हुए देखे जा सकते हैं. अध्यापक द्वारा पढ़ाया जाना उन्हें सोने से पहले दादी मां की कहानी सुनना जैसा लगता है. धर्म भीरु लोग धार्मिक प्रवचन सुनने जाते हैं, घर में इन बड़े-बूढ़ों को नींद नहीं आती. सो प्रवचन सुनते सुनते सो जाते हैं. मुबारक हैं वे जिन्हें नींद आती है. हम हैं कि रात रात भर जागते रहते हैं. तारे गिनते रहते हैं. मन्त्र पढ़ते रहते हैं. अनुलोम-विलोम करते रहते हैं. हाल यह कि हम सारी रात करवटें बदलते रहें और नींद है कि आती ही नहीं!

7 लाख से अधिक सुसाइड होते हैं पूरी दुनिया में हर साल
(विश्व स्वास्थ्य संगठन)

15 से 29 वर्ष की आयु में यह मृत्यु का तीसरा बड़ा कारण माना गया है.

15% की वृद्धि के साथ झारखंड अब सबसे अधिक छात्र आत्महत्या दर वाले पांच राज्यों में शामिल हो गया है.

5 वें स्थान पर झारखंड का नाम कुल मामले की 6% हिस्सेदारी के साथ है.

मैं ज़िंदगी का साथ निभाता चला गया / हर फ़िक्र को धुएं में उड़ाता चला गया...वक्त है गुजरे जमाने के इस गीत को एक बार फिर शिद्दत से गाने का. जिंदगी की अहमियत को समझने और वक्त पर संभलने का, क्योंकि...

जिंदगी से बड़ी नहीं कोई और दास्तां

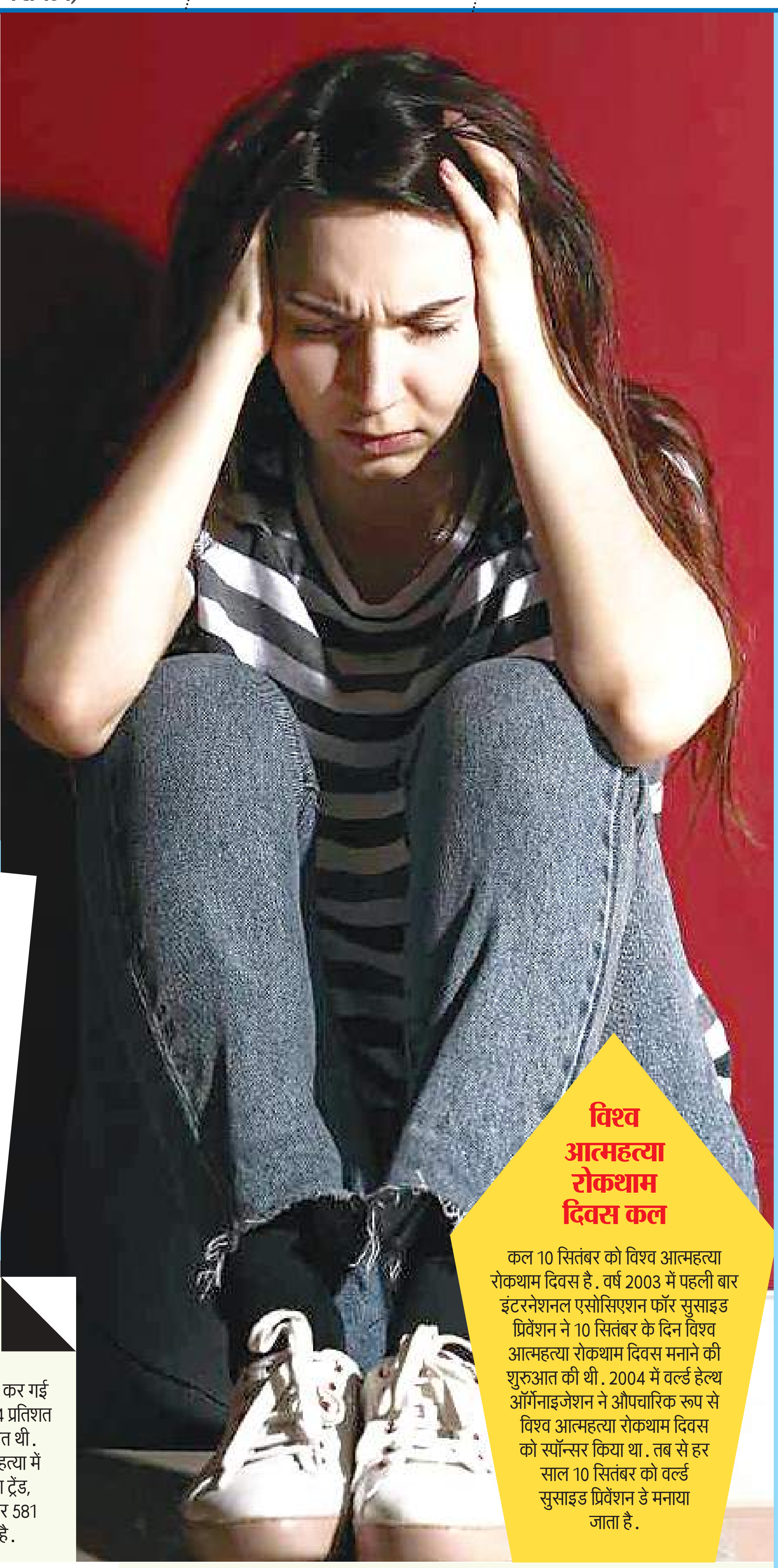

आत्महत्या से जुड़ी एक नई रिपोर्ट झारखंड के माथे पर शिकन ही नहीं कलंक भी लगा रही. इस रिपोर्ट के मुताबिक सूबे में आत्महत्या की दर चिंताजनक रूप से बढ़ रही है. प्रतिवर्ष 15% की वृद्धि के साथ झारखंड अब सबसे अधिक छात्र आत्महत्या दर वाले पांच राज्यों में शामिल हो गया है. वहीं राष्ट्रीय स्तर पर भी विशेषकर छात्रों की आत्महत्या की दर चिंताजनक दर से बढ़ रही है, जो जनसंख्या वृद्धि और समग्र आत्महत्या प्रवृत्तियों दोनों से कहीं अधिक है. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के आधार पर "छात्र आत्महत्याएं : भारत में फैलती महामारी" शीर्षक वाली यह रिपोर्ट पिछले दिनों वार्षिक आइसी 3 सम्मेलन और एक्सपो 2024 के दौरान जारी की गई.

किस राज्य में कितने सुसाइड

- **महाराष्ट्र** : 1764 (14%)
- **तमिलनाडू** : 1416 (11%)
- **मध्यप्रदेश** : 1340 (10 %)
- **उत्तरप्रदेश** : 1060 (8%)
- **झारखंड** : 824 (6%)

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस कल

कल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस है. वर्ष 2003 में पहली बार इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन ने 10 सितंबर के दिन विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाने की शुरुआत की थी. 2004 में वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने औपचारिक रूप से विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस को स्पॉन्सर किया था. तब से हर साल 10 सितंबर को वर्ल्ड सुसाइड प्रिवेंशन डे मनाया जाता है.

क्यों आत्महत्या पर तुले छात्र

छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं बहुत बढ़ गई हैं. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के नवीनतम आंकड़े यह दुखद दास्तां बयां कर रहे हैं. आलम यह है कि छात्रों की आत्महत्या की दर समग्र आत्महत्या प्रवृत्तियों की दर से तो अधिक है ही, अब यह जनसंख्या वृद्धि दर को पार कर गई है. देश में कुल आत्महत्याओं में सालाना 2 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है, जबकि छात्र आत्महत्याएं 4 प्रतिशत की दर से बढ़ रही हैं. 2022 में कुल स्टूडेंट्स की आत्महत्याओं में छात्रों की हिस्सेदारी 53 प्रतिशत थी. 2021 और 2022 के बीच छात्र आत्महत्याओं में 6% की कमी आई है, जबकि छात्राओं की आत्महत्या में 7% की वृद्धि हुई है. स्टूडेंट्स की आत्महत्या की घटनाएं जनसंख्या वृद्धि दर और कुल आत्महत्या ट्रेंड, दोनों को पार कर रही हैं. पिछले दशक में 0–24 वर्ष के बच्चों की आबादी 582 मिलियन से घटकर 581 मिलियन हो गई, जबकि स्टूडेंट्स आत्महत्या की संख्या 6,654 से बढ़ कर 13,044 तक हो गई है.

झारखंड पांचवे स्थान पर

राष्ट्रीय अपराध रेकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में आत्महत्या की घटनाएं कुल मिलाकर राष्ट्रीय स्तर का एक तिहाई है. राजस्थान का कोटा आत्महत्या के मामलों में हमेशा चर्चा में रहता है, लेकिन इस रिपोर्ट में वह 10वें स्थान पर है. चौथे स्थान पर सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश है, वहीं पांचवे स्थान पर झारखंड का नाम कुल मामले की 6% हिस्सेदारी के साथ है.

पिछले दशक में छात्राओं में 61% बढ़ी घटनाएं

रिपोर्ट के अनुसार पिछले दशक में छात्र आत्महत्याओं में 50 और छात्राओं में 61 प्रतिशत की वृद्धि हुई. पिछले पांच वर्षों में दोनों में औसतन 5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है. एनसीआरबी के आंकड़े पुलिस की ओर से दर्ज की गई प्राथमिकी रिपोर्ट (एफआईआर) पर आधारित है. सच पूछिए तो छात्रों की आत्महत्या की वास्तविक संख्या कहीं ज्यादा होने की आशंका दर्ज की जाती है.

बातें करें, उन्हें सुनें

यदि किसी परिचित या परिजन में कोई डिप्रेशन के लक्षण दिखे, उनकी बातों में गहरी निराशा दिखे तो उनसे बात करें. बिना अपनी राय थोपे, आलोचना किए या जजमेंटल हुए उनकी सुनें. उन्हें इलाज के लिए प्रोत्साहित करें. उन्हें नींद, व्यायाम, संतुलित भोजन आदि दिनचर्या बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करें. उन्हें मनोरंजक, सामाजिक गतिविधियों में शामिल करें, कोशिश करें उन्हें अकेला नहीं छोड़ें. उपेक्षित बिल्कुल नहीं होने दें.

खुद पर दें ध्यान

अवसाद या आत्महत्या के विचार से बचने के लिए खुद ही खुद की मदद करें. हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाएं. लोगों से मिले-जुलें. परिवार वाले गर दूर हैं तो फोन पर संवाद बनाए रखें. किसी से अधिक अपेक्षा नहीं रखें. खुद की व्यस्तता के तरीके ढूंढे. अपने शौक को समय दें. किसी तरह के नशे या मादक द्रव्यों को सेवन नहीं करें. कभी किसी से अपनी तुलना नहीं करें. जीवन में जो कुछ अच्छा है, उस पर विचार करें, उसके लिए खुद को शाबासी दें और सर्वशक्तिमान का आभार व्यक्त करें. जरुरत पड़े तो किसी से मदद मांगने में संकोच नहीं करें.

समय पर पहचान और सपोर्ट सिस्टम से बचती है जिंदगी

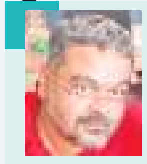

डॉ सिद्धार्थ सिन्हा
वरीय चिकित्सक

दुनियाभर में आत्महत्या के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं. आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई लोग स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी बीमारियों का शिकार हो जाते हैं. ऐसे में ज्यादातर लोग जिंदगी से हार मानकर मौत को गले लगा लेते हैं. दरकार इस बात की है कि हम समय रहते अपने और अपने अपनों के उस व्यवहार की पहचान करें जो आत्महत्या की ओर उन्मुख हो. अगर दो हफ्ते तक लगातार ऐसे नकारात्मक व्यवहार सामने आए तो तत्काल मनोचिकित्सक से संपर्क करें या सपोर्ट सिस्टम की मदद लें. याद रखिए इस मामले में परिवार और परिजनों का सपोर्ट बहुत मायने रखता है और ज्यादातर मन:स्थिति को आत्महत्या की कगार तक पहुंचने ही नहीं देता. आइए, आत्महत्या के चेतावनी संकेत और इसकी उपचार पद्धति के बारे में जानकारी हासिल करें-

ये हो सकते आत्महत्या के चेतावनी संकेत

चेतावनी संकेत वे संकेत हैं जो बताते हैं कि किसी व्यक्ति के आत्महत्या का प्रयास करने की आशंका हो सकती है. इन संकेतों को पहचान कर अपनी और अपने परिजनों की जान की रक्षा की जानी चाहिए-

- मरने की इच्छा या खुद को मारने की इच्छा के बारे में बात करना.
- खालीपन या निराशा महसूस करने या जीने का कोई कारण न होने के बारे में बात करना
- उनकी बातों से जाहिर होना कि वे ऐसी परिस्थितियों में फंसा हुआ खुद को महसूस कर रहे हैं जिसका कोई समाधान नहीं है.
- असहनीय भावनात्मक या शारीरिक दर्द महसूस कर रहे.
- दूसरों पर बोझ बनने की बात करना
- परिवार और दोस्तों से दूर रहना
- महत्वपूर्ण संपत्ति दान करना, मामलों को व्यवस्थित करना, जैसे वसीयत बनाना, किसी बेहद प्रिय चीज को दूसरे को दे देना.
- सोशल मीडिया या आमने सामने की बातचीत के दौरान मित्रों और परिवार को अलविदा कहना
- बहुत अधिक जोखिम उठाना जिससे मृत्यु हो सकती है, जैसे कि बहुत तेज गति से वाहन चलाना या अपनी बीमारी की परवाह, परहेज छोड़ देना.
- अक्सर मौत के बारे में बात करना या सोचना
- मूड में अचानक का बदलाव, अचानक बहुत दुखी से बहुत शांत या खुश हो जाना
- आत्महत्या की योजना बनाना या उसके तरीके खोजना, जैसे कि ऑनलाइन घातक तरीकों की खोज करना, गोलियां जमा करना या बंदूक खरीदना.
- खाने या सोने की आदतों में बदलाव

ऐसे होता उपचार

एक बार आत्महत्या की प्रवृति की पहचान हो जाती है, उसके बाद चिकित्सक उपचार प्रारंभ करते हैं. इसके लिए कुछ थेरेपी या दवाओं की सलाह दी जा सकती है.

संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (सीबीटी)

यह चिकित्सा थेरेपी लोगों को तनावपूर्ण अनुभवों से निपटने के नए तरीके सीखने में मदद कर सकती है. सीबीटी व्यक्तियों को उनके विचार पैटर्न को पहचानने और आत्महत्या के विचार आने पर वैकल्पिक कार्रवाई पर विचार करने में मदद करता है.

द्वंद्वात्मक व्यवहार थेरेपी (डीबीटी)

ये चिकित्सा थेरेपी किशोरों में आत्मघाती व्यवहार को कम करने में कारगर साबित हुई है. डीबीटी से बॉर्डरलाइन व्यक्तित्व विकार वाले वयस्कों में आत्महत्या के प्रयासों के जोखिम को भी कम करने में मदद मिली है. डीबीटी में प्रशिक्षित एक चिकित्सक किसी व्यक्ति को यह पहचानने में मदद कर सकता है कि कब उसकी भावनाएं या कार्य भारी हो जाते हैं और व्यक्ति को ऐसे कौशल सिखा सकते हैं जो उसे परेशान करने वाली स्थितियों से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने में मदद कर सकते हैं.

दवा कई बार क्लोज़ापाइन जैसी एंटीसाइकोटिक दवा का उपयोग सिज़ोफ्रेनिया या सिज़ोएफेक्टिव डिसऑर्डर वाले रोगियों में आवर्ती आत्मघाती व्यवहार के जोखिम को कम करने के लिए किया जाता है. चिकित्सक जरुरत के अनुसार अन्य दवाओं के सेवन की सलाह भी दे सकते हैं.

रिनपास हेल्पलाइन : 9471136697

रमता जोगी

ज्ञान की नगरी केंब्रिज

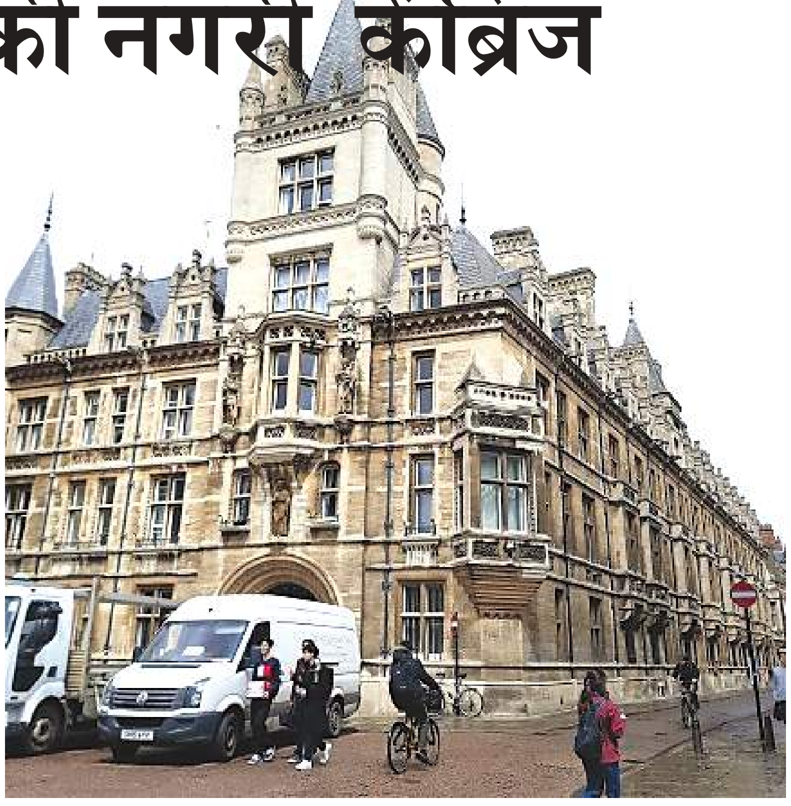

नूपुर अशोक

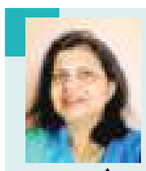

अधिकतर शिक्षण संस्थान किसी एक शहर में होते हैं लेकिन कुछ शहर ऐसे भी हैं जो पूरे के पूरे शिक्षण संस्थान हैं या यूं कहें कि ये शिक्षण संस्थान अपने आप में एक पूरा शहर है. इंग्लैंड की यात्रा के दौरान हमें ऐसे दो विश्वविख्यात शहरों को देखने का मौका मिला – केम्ब्रिज और ऑक्सफ़र्ड. केंब्रिज पहुंचने के लिए हमने ट्रेन ली. इन दोनों ही शहरों में काफी इलाके ऐसे हैं जहां किसी भी पेट्रोल या डीजल पर चलने वाले वाहन का प्रवेश निषिद्ध है. सिर्फ पैदल, साइकल या इलेक्ट्रिक वाहन ही वहां जा सकते हैं. बाकी हिस्सों में भी पार्किंग की समस्या है. लिहाजा आपको गाड़ी बहुत दूर पार्क करनी पड़ती है और फिर पैदल ही घूमना पड़ता है. इंग्लैंड की यात्रा के दौरान एक बात तो हमें अच्छी तरह समझ आ गई कि घूमने का शौक है तो शरीर मजबूत रखो और पैदल चलने को तैयार रहो. केंब्रिज में किंग्स कॉलेज मुख्य आकर्षण है. जब हम वहां पहुंचे तो पता चला कि अभी वहां परीक्षाएं चल रही हैं और इसी कारण पर्यटकों को अंदर जाने की मनाही है. हालांकि प्रवेश के टिकट उपलब्ध थे और उन्हें लेकर हम कुछ सीमित स्थानों पर जा सकते थे. हमने वही किया. किंग्स कॉलेज का चैपल देखा. उसके पीछे कैम नदी जो नहर जैसी दिखती है, उस पर लोग पंटिंग करते हैं – पंटिंग यानी लग्गी से चलाई जाने वाली नाव पर सैर. बारिश के आते-जाते झोंको ने हमें पंटिंग से दूर रखा. लेकिन एक परिचित के जरिए हमें पेम्ब्रोक कॉलेज के अंदर जाने का मौका मिल गया. हमारी उस परिचित के पड़ोस में एक महिला रहती थी जो वहां शिक्षक थी. उसने अपने लंच ब्रेक के दौरान हमें वहां आने का सुझाव दिया. क्योंकि उसी ब्रेक में उसे खाना भी खाना था तो हम उसके साथ ही कॉलेज कैंटीन में गए. अच्छा खासा इंतज़ाम था.

लाइन से लगे पारदर्शी दरवाजों वाले फ्रिजों में ढेर सारे ड्रिंक्स, तरह तरह के जूस, दूध, दही, स्मूदी, उसके बाद तरह-तरह के फल और सलाद, कई तरह के ब्रेड्स, फिर गरम खाने के काउंटर पर कई तरह के ऑप्शन – इन सबमें से आपको जो चाहिए आप चुन लें. प्रवेश के समीप ही आप एक ट्रे ले सकते हैं जिनपर अपनी चुनी हुई सामग्री रख सकते हैं. अंत में एक बिलिंग काउंटर है जहां उस ट्रे पर रखी चीजों के मुताबिक पेमेंट कर के खाने की मेज़ की ओर जा सकते हैं.

शिक्षकों के लिए थोड़े से ऊंचे स्थान पर मेज़ और कुर्सियां लगी हुई हैं. उस शिक्षिका ने हमें बताया कि 'हाई चेयर' नाम का प्रचलन इसी के आधार पर हुआ. वह भी हाई चेयर की अधिकारी थी. लेकिन हम सब के साथ उसने भी आम विद्यार्थियों वाले भाग में ही खाना खाया. और खाते-खाते हमें कॉलेज के बारे में बताती रही जो काफी रोचक था. हमने क्या-क्या जाना और क्या-क्या देखा, बताती हूं अगली किश्त में.

रग्स जो सुविधा के संग...

कमरे की सुंदरता में लगाए चार चांद

मानसून की विदाई और त्योहारों की आहट हो रही है. ऐसे में घर की साज-सज्जा के लिए मूड बन रहा है. अब मौसम गलीचा या रग्स के आ रहे. बेशक ये घर के डेकोरेशन में अहम भूमिका निभाते हैं. लेकिन सवाल है कि किस कमरे के लिए किस तरह के रग्स या गलीचा/कालीन खरीदे. इस मामले में पहली सलाह यह है कि सही गुणवत्ता वाले रग्स में निवेश करें ताकि उन्हें हर साल नहीं बदलना पड़े. अपने कमरे और फर्नीचर के हिसाब से रग्स चुनना अहम है. आइए, चर्चा करें कि घर के हर कमरे के लिए सही रग्स चुनते समय किन बातों का रखें ध्यान-

बेडरूम के लिए

बेड रूम के लिए रग्स खरीदते समय बेड और नाइट स्टैंड को मापकर इसका आकार तय करें. किंग या क्वीन साइज बेड के लिए रग्स चाहिए तो एक बड़ा गलीचा चुनना चाहिए जो इतना हो कि बिस्तर और नाइटस्टैंड दोनों उस पर फिट हो सकें. गलीचा इतना अतिरिक्त जरूर हो कि कोई भी रग्स को पैरों के नीचे रखकर कमरे में आराम से घूम सकें.

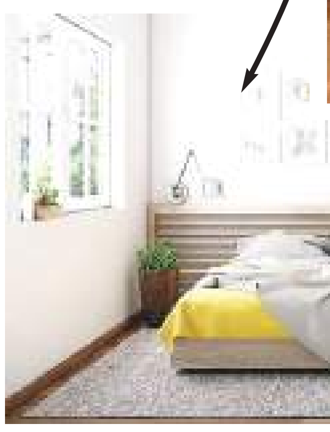

लिविंग रूम के लिए

लिविंग रूम के लिए ऐसे रग्स का चुनाव करते समय सबसे अधिक फर्नीचर और कमरे के रंग का ध्यान रखें. ऐसे रग्स लें जो फर्नीचर से 6 से 12 इंच चौड़ी हो. लिविंग रूम के रग्स ऐसे हों जिसे फर्नीचर के आधे हिस्से के ऊपर रखा जा सके. दूसरा विकल्प है कि आप पूरे कमरे को मापें और फिर साइज तय करें.

डायनिंग रूम के लिए

डायनिंग रूम के फर्नीचर खरीदते समय सबसे महत्वपूर्ण बात यह ध्यान रखना है कि ये ऐसे हों जिससे रग्स पर रहते हुए भी कुर्सियां आसानी से अंदर बाहर की जा सके.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पेरिस पैरालंपिक : देश में नयी खेल संस्कृति की नींव साबित हो सकता है भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन

अबकी बार 25 पार...सपना साकार : लक्ष्य से अधिक मेडल भारत की झोली में आए

एजेंसी। नयी दिल्ली

पेरिस पैरालंपिक में भारत का अभियान समाप्त हो गया है। भारतीय खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए टोक्यो पैरालंपिक के रिकॉर्ड को भी बहुत पीछे छोड़ दिया है। भारत ने टोक्यो में हुए पैरालंपिक खेलों में 19 मेडल जीते थे। इस बार भारत ने 29 मेडल के साथ अपना अभियान समाप्त किया जो पैरालंपिक शुरू होने से पहले दिए गए, ''अबकी बार 25 पार'' के नारे के अनुरूप है। इन 29 मेडल में 7 गोल्ड मेडल हैं। इसके अलावा 9 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल हैं। भारत इन मेडल के साथ मेडल टैली में 18वें स्थान पर रहा। यह एक ऐसा प्रदर्शन, जो समाज में दिव्यांग व्यक्तियों की आवाज को और बुलंदी से पहुंचाने का काम करेगा। पैरा

एथलेटिक्स में तो भारत ने कमाल कर दिया जहां कुल 17 पदक जीते गए. टोक्यो में भारत ने 8 पदक एथलेटिक्स में जीते थे. भारत ने खासकर थ्रोइंग स्पोर्ट्स में बहुत खास प्रदर्शन किया. इसलिए पैरालंपिक के इतिहास में भारत ने पहली बार ट्रैक इवेंट में मेडल जीता. प्रीति पॉल ने 100 मीटर और 200 मीटर की टी35 रेस में दो मेडल जीते. दीप्ति दीवानजी ने 400 मीटर टी20 इवेंट में मेडल जीता. सिमरन ने 200 मीटर टी12 इवेंट में पदक जीता. सुमित अंतिल और नवदीप सिंह के प्रदर्शन के चलते जैवलिन में दो गोल्ड मेडल आए. जैवलिन थ्रो भारत के लिए एक नया उत्साहजनक खेल बनकर उभर रहा है. इन दो पैरालंपिक पदक के बैकग्राउंड में पेरिस ओलंपिक में नीरज चोपड़ा द्वारा जीता गया सिल्वर मेडल है. जैवलिन थ्रो जैसा बेहद तकनीकी खेल जहां यूरोप का बोलबाला था, वहां भारत का उभार शानदार है. पहली बार पैरालंपिक इतिहास में ऐसा हुआ कि यूरोप का खिलाड़ी इस इवेंट में पोडियम फिनिश नहीं कर पाया. इसके अलावा क्लब थ्रो में धर्मबीर ने पुरुष एफ51 वर्ग में गोल्ड मेडल जीता. एथलेटिक्स में हाई जंप में प्रवीण कुमार, निषाद कुमार, शरद कुमार, मरियप्पन थंगावेलु ने दुनिया को चौंकाया.

ओलंपियनों पर भारी पड़ा पैरा ओलंपियनों का दमखम

- पेरिस पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने अबतक कुल 29 पदक अपने नाम किया है

नयी दिल्ली। अगर किस्मत ने लिखा हो तो राजा रंक बन सकता है और रंक राजा. कुछ ऐसा ही दौर दूर देश के शहर पेरिस में चल रहा है. ओलंपिक के मंच पर जहां भारत कभी तकदीर की मार, तो कभी नियमों का उलाहना दे अपनी नाकामियां छुपा रहा था. अब उसी मंच पर भारत अपना दबदबा दुनिया के सामने पेश कर रहा है. बस फर्क इतना है कि इस बार टूर्नामेंट पैरालंपिक है. पैरालंपिक में अपने पिछले कई रिकॉर्ड तोड़ते हुए देश ने कुल मेडलों का अर्धशतक पूरा किया. पेरिस पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 29 (7 गोल्ड, 9 सिल्वर, 13 ब्रॉन्ज) अपने नाम कर लिया है, और अब भी कई मेडल आने की संभावना है. दूसरी तरफ पेरिस ओलंपिक में जहां भारत को सबसे ज्यादा उम्मीदें थीं, वहां कुल 6 मेडल (1 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज) देश के नाम रहे. तीरंदाजी में भारत ने ओलंपिक में एक भी मेडल नहीं जीता था, ये सपना भी पैरा एथलीट ने पूरा किया. ओलंपिक में भारत ने कुल 117 सदस्यीय दल उतारा था, जबकि पैरालंपिक में इसकी संख्या 86 थी. लेकिन पदक मामले में दोनों के बीच का अंतर काफी बड़ा है. मजेदार बात यह है कि इस उम्दा परफॉर्मेंस की उम्मीद पैरा-एथलीटों से किसी ने नहीं की थी. या यूं कह लीजिए सभी ने उनको कम आंका. बेशक अंक तालिका पर यहां भी चीन, ग्रेट ब्रिटेन और यूएस का कब्जा हो लेकिन भारत भी टॉप-20 में शामिल है.

ब्रीफ खबरें

भारत-पाक के बीच काफी प्यार है : सईद अजमल

नयी दिल्ली। मंच कोई भी हो लेकिन बात जब भारत बनाम पाकिस्तान की होती है, तो दोनों देशों की सियासत और आम लोगों के बीच एक गजब जोश नजर आता है. एशिया कप को लेकर दोनों देश आमने-सामने है. इस बीच पूर्व ऑफ स्पिनर सईद अजमल ने दोनों देशों के बीच एक प्यारा रिश्ता जोड़ा है. दोनों देशों के बीच काफी प्यार है और उन्हें एक दूसरे के देश में क्रिकेट खेलना चाहिए, ये शब्द पूर्व पाकिस्तानी ऑफ स्पिनर सईद अजमल के हैं. इसका दोनों मुल्कों के क्रिकेट बोर्ड पर क्या असर पड़ेगा इसका अंदाजा लगाना तो मुश्किल है, लेकिन फैंस के बीच इस बयान ने हलचल तेज कर दी है.

रावलपिंडी व मुल्तान में खेली जाएगी टेस्ट श्रृंखला

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने इस बात की पुष्टि की है कि पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच प्रस्तावित तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला पाकिस्तान में ही खेली जाएगी. लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में चल रहे काम का जायजा लेने पहुंचे नकवी ने संवाददाताओं से कहा कि मुल्तान और रावलपिंडी तीनों टेस्ट मैचों की मेजबानी करेंगे. नकवी ने कहा, ईसीबी ने मुल्तान और रावलपिंडी में टेस्ट खेलने के प्रति अपनी रजामंदी जाहिर कर दी है. उनके प्रवक्ता मोहम्मद रफीउल्लाह ने कहा, इस बारे में कोई संदेह ही नहीं होना चाहिए. श्रृंखला अपने तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगी.

भारत का सीरिया के खिलाफ मुकाबला

हैदराबाद। भारत और सीरिया सोमवार को जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2024 ट्रॉफी के लिए आमने-सामने होंगे. यह टूर्नामेंट का तीसरा और आखिरी मैच होगा. भारत के नए कोच मानोलो मार्केज को उम्मीद है कि उनकी टीम यह मुकाबला जीतेगी. कोच मानोलो मार्केज ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह दोनों टीमों के लिए एक कठिन मैच होगा. यह एक दोस्ताना मैच है, लेकिन जो भी टीम जीतेगी, वो ट्रॉफी अपने नाम करेगी. उन्होंने यह भी कहा कि टीम का असली लक्ष्य अच्छा फुटबॉल खेलना है, और नतीजे अपने आप आएंगे.

2024 से 2028 तक जिम्मेदारी संभालेंगे भारत के पूर्व निशानेबाज

ओसीए के पहले भारतीय अध्यक्ष बने रणधीर सिंह

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के पूर्व निशानेबाज रणधीर सिंह रविवार को एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) का निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए. नयी दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित 44वीं महासभा में इसको लेकर आधिकारिक घोषणा की गई. 77 वर्षीय रणधीर सिंह को 44वीं जनरल असेंबली में अध्यक्ष चुना गया. वह इस पद पर साल 2024 से 2028 तक जिम्मेदारी संभालेंगे. एशिया ओलंपिक परिषद एशिया में खेलों के लिए एक गवर्निंग बॉडी है. इसे अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा मान्यता प्राप्त है. जनरल असेंबली ओसीए की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है. यह एशिया की राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों के सभी प्रमुखों को एक साथ लाता है और खेलों के बारे में महत्वपूर्ण निर्णय लेता है. इस दौरान एशिया के सभी 45 देशों के स्पोर्ट्स लीडर्स नई दिल्ली में मौजूद रहे.

ओलंपिक निशानेबाज रह चुके हैं रणधीर सिंह : रणधीर सिंह पांच बार के ओलंपिक निशानेबाज रह चुके हैं, वह ओसीए के अध्यक्ष पद के एकमात्र उम्मीदवार थे. इससे पहले वह 2021 से कार्यवाहक अध्यक्ष की भूमिका निभा रहे थे, जब कुवैत के शेख अहमद अल-फहद अल-सबाह को खेल प्रशासन में नैतिक उल्लंघन के कारण 15 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था. रणधीर सिंह का परिवार खेलों से जुड़ा रहा है. उनके चाचा महाराजा यादविंदर सिंह भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेल चुके हैं और आईओसी के सदस्य भी थे. उनके पिता भालिंदर सिंह भी प्रथम श्रेणी क्रिकेटर और 1947 से 1992 तक आईओसी के सदस्य थे. दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद, रणधीर सिंह ने खेलों में करियर बनाने का निर्णय लिया. अपने शुरुआती वर्षों में उन्होंने गोल्फ, तैराकी, स्क्वैश और क्रिकेट जैसे खेलों में हाथ आजमाया, लेकिन अंततः उन्होंने निशानेबाजी को अपने करियर के रूप में चुना. 1968 से 1984 के बीच, उन्होंने पांच ओलंपिक खेलों में भाग लिया और ऐसा करने वाले वह केवल दूसरे भारतीय बने. रणधीर सिंह ने 1978 से 1994 के बीच चार एशियाई खेलों में भी हिस्सा लिया. 1978 में उन्होंने ट्रैप शूटिंग में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता.

रणधीर सिंह के ओसीए अध्यक्ष बनने पर बधाई देने वाला का लगा तांता

नयी दिल्ली। अभिनव बिंद्रा, एम सी मैरीकॉम, गगन नारंग सहित भारत के ओलंपिक दिग्गजों ने पूर्व निशानेबाज और अनुभवी खेल प्रशासक रणधीर सिंह को एशियाई ओलंपिक परिषद का अध्यक्ष बनने पर बधाई दी है. इस दिग्गज भारतीय ने अपनी ऐतिहासिक विरासत में एक और नया अध्याय जोड़ते हुए रविवार को एक नई जिम्मेदारी हासिल की. उन्हें खेल मंत्री मनसुख मंडाविया और एशिया के सभी 45 देशों के शीर्ष खेल नेताओं सहित कई दिग्गजों की उपस्थिति में ओसीए प्रमुख के रूप में चुना गया. 2008 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने कहा, रणधीर सिंह को एशियाई ओलंपिक परिषद का अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई. एक ओलंपियन और एक लीडर के रूप में खेल के प्रति उनके दशकों लंबे समर्पण ने वैश्विक खेल समुदाय पर एक बड़ी छाप छोड़ी है. मुझे विश्वास है कि उनके नेतृत्व में ओसीए ओलंपिक आदर्शों को बढ़ावा देना जारी रखेगा और पूरे एशिया में खेल के मानक को ऊंचा उठाएगा. मैं उन्हें इस प्रतिष्ठित भूमिका में सफलता की शुभकामनाएं देता हूं. 2012 ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज मैरीकॉम ने कहा, मैं रणधीर सिंह सर को एशियाई ओलंपिक परिषद का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई देती हूं.

महिला सुरक्षा मुख्य प्राथमिकता होनी चाहिए : शेफाली बग्गा

नयी दिल्ली। बिग बॉस सीजन 13 से लाइमलाइट में आने वाली क्रिकेट प्रेजेंटर शेफाली बग्गा अब किसी पहचान की मोहताज नहीं. महिलाओं के प्रति लगातार बढ़ रहे क्राइम को देखकर अब वो भी भारत में महिला सुरक्षा से संबंधित सख्त कानूनों के समर्थन में आगे आईं. आईएएनएस से बात करते हुए शेफाली ने कहा, हमारा देश प्रगति कर रहा है और महिलाओं की सुरक्षा उनकी मुख्य प्राथमिकता होनी चाहिए. यह अच्छी बात है कि हम अन्य सभी क्षेत्रों में तरक्की कर रहे हैं. लेकिन महिलाओं की सुरक्षा सबसे ऊपर होनी चाहिए. देश में सख्त कानून बनाने चाहिए. दोषियों के खिलाफ कार्रवाई शीघ्र की जानी चाहिए. शेफाली फिलहाल अदाणी दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 में कमेंट्री कर रही हैं. उन्होंने लीग की तारीफ करते हुए कहा, डीपीएल ने युवा क्रिकेटरों को एक बड़ा मंच प्रदान किया है. यहां की प्रतिभा अविश्वसनीय है. मुझे यकीन है कि कई खिलाड़ी आईपीएल में जगह बनाएंगे और भविष्य में देश का प्रतिनिधित्व भी करेंगे. भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, इस साल और अगले साल मुझे कई लीग में काम करना है. यहां तक कि मैं ओटीटी या बड़े पर्दे पर एक एक्ट्रेस के रूप में या कुछ अच्छे गानों में काम करने के लिए अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही हूं. कुछ मौके मिल रहे, बस सही समय का इंतजार है. यह पूछे जाने पर कि बिग बॉस कठिन है या क्रिकेट डिबेट, उन्होंने कहा कि रियलिटी शो ज्यादा मुश्किल है.

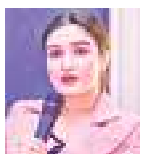

हरमीत देसाई ने किया शानदार प्रदर्शन

एथलीड गोवा चैलेंजर्स ने दूसरी बार यूटीटी का खिताब जीता

एजेंसी। चेन्नई

हरमीत देसाई और यांगजी लियू की अगुवाई में एथलीड गोवा चैलेंजर्स ने जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में इंडियन ऑयल अल्टीमेट टेबल टेनिस 2024 के रोमांचक फाइनल में 2018 की चैंपियन दबंग दिल्ली टीटीसी को 8-2 से हराकर अपने खिताब की सफलतापूर्वक रक्षा करने वाली पहली टीम बनकर इतिहास रच दिया. हरमीत और यांगजी दोनों ने मिश्रित युगल में जीत हासिल करने से पहले अपने-अपने एकल मैच जीते और एथलीड गोवा चैलेंजर्स के लगातार दूसरे खिताब की ओर ऐतिहासिक कदम बढ़ाने में मदद की. फ्रेंचाइजी आधारित लीग को टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीटीएफआई) के तत्वावधान में नीरज बजाज और वीटा दानी द्वारा प्रमोट किया जाता है. इंडियनऑयल यूटीटी 2024 का सीधा प्रसारण स्पोर्ट्स18 खेल पर किया गया और इसे जियोसिनेमा (भारत) और फेसबुक लाइव (भारत के बाहर) पर ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया. हरमीत को टाई का भारतीय खिलाड़ी चुना गया, जबकि यांगजी को टाई का विदेशी खिलाड़ी चुना गया. पूरे सीजन में अपराजित रहने वाली यांगजी ने लीग की सबसे मूल्यवान (एमवीपी) महिला खिलाड़ी का खिताब भी अपने नाम किया. जी सत्यन को पुरुषों में एमवीपी चुना गया. पीबीजी बेंगलुरु स्मैशर्स के अल्वारो रॉब्ल्स ने इंडियनऑयल सुपर सर्वर ऑफ द लीग का खिताब अपने नाम किया. दफान्यूज शॉट ऑफ द लीग का पुरस्कार अचंत शरत कमल को मिला, जबकि एसीटी फाइवनेट फास्टेस्ट रैली ऑफ द लीग का पुरस्कार लिली झांग और यशिनी शिवशंकर को दिया गया. यह एथलीड गोवा चैलेंजर्स के लिए एक नाटकीय सीजन का समापन था. गत चैंपियन ने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की थी.

सबालेंका बनीं यूएस ओपन की चैंपियन

एजेंसी। न्यूयॉर्क

आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है. दूसरी वरीयता प्राप्त दिग्गज खिलाड़ी ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 7-5 से हराया. यह मुकाबला एक घंटे 53 मिनट तक चला. दूसरे सेट में 3-0 से आगे चल रही सबालेंका को पेगुला की जोरदार वापसी का सामना करना पड़ा, जिन्होंने लगातार पांच गेम जीतकर तीसरे सेट पर लगभग कब्जा जमा लिया था. लेकिन सबालेंका ने लगातार चार गेम जीतकर वापसी की और अपनी पहली यूएस ओपन सिंगल्स ट्रॉफी जीती. दूसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका 2016 के बाद से एक ही सीजन में दोनों हार्ड-कोर्ट मेजर जीतने वाली पहली महिला बन गईं. इससे पहले यह रिकॉर्ड जर्मनी की एंजेलिक कर्बर के नाम था, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन दोनों खिताब जीते थे. इस खिताब के साथ, सबालेंका को हार्ड कोर्ट और बड़े इवेंट की ''क्वीन'' का ताज भी पहनाया जा सकता है. उनके पिछले दो प्रमुख खिताब ऑस्ट्रेलियन ओपन हार्ड कोर्ट पर जीते गए थे, जो इस साल जनवरी में और 2023 में आयोजित हुए थे. मेजर के अलावा, सबालेंका के 13 में से 11 खिताब हार्ड कोर्ट पर जीते गए हैं. नंबर-2 सीड ने लगातार 12 मैच हार्ड कोर्ट पर जीते हैं, दो हफ्ते पहले उसने सिनसिनाटी ओपन जीता था. वहां, उन्होंने फाइनल में पेगुला को हराया था.

मलेशिया ने पाक को 2-2 से बराबरी पर रोका

कोरिया और जापान के बीच रोमांचक मैच 5-5 से ड्रॉ

एजेंसी। मोकी (चीन)

हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में रविवार को मलेशिया ने आखिरी क्षणों के गोल से पाकिस्तान को 2-2 से बराबरी पर रोका. नवनियुक्त मुख्य कोच ताहिर जहान के मार्गदर्शन में खेलते हुए पाकिस्तान ने पहले क्वार्टर में आक्रामक खेल दिखाते हुए अपने अभियान की शानदार शुरुआत की. हालांकि मलेशिया ने अपने डिफेंस को मजबूत रखा और गोल पर सफल शॉट नहीं लगने दिए. इसके तुरंत बाद पाकिस्तान ने कुछ सेकंड बचे होने पर सर्कल में उल्लंघन के कारण पाकिस्तान को पीसी मिल गया. हालांकि, चार रीटेक के बावजूद, उनके स्टार ड्रैग फ्लिकर अबू महमूद मलेशियाई रशर्स को भेद नहीं पाए. 24वें मिनट में पीसी हासिल करने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. पीसी से पहले जमान द्वारा महमूद को दिए गए कुछ त्वरित सुझावों ने उन्हें पेनल्टी कॉर्नर अटैक में बदलाव करने के लिए प्रेरित किया.

मोकी (चीन)। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 की शुरुआत रविवार को जापान और कोरिया के बीच रोमांचक मैच के साथ हुई. इस मुकाबले के दौरान दोनों टीमों ने कई गोल दागे लेकिन मैच का समापन 5-5 से ड्रॉ के साथ हुआ. कोरिया के लिए जिहुन यांग, जुंगहू किम और ह्योनहोंग किम ने गोल किए, जबकि जापान के लिए नारू किमुरा, काजुमासा मात्सुमोतो, युकी चिबा, युसुके कावामुरा और कोसेई कावाबे ने गोल दागे. पहले क्वार्टर से ही कोरिया ने आक्रामक शुरुआत की और मैच के पहले तीन मिनट में ही पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया. जिहुन यांग ने जापानी गोलकीपर योसेई ओबा को छकाते हुए मैच के तीसरे मिनट में ही 1-0 की बढ़त हासिल कर ली थी.

घोषणा

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम घोषित

पंत व केएल राहुल की वापसी, यश दयाल को भी मिला मौका

एजेंसी। मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी है. रोहित शर्मा की अगुआई में भारत को बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से दो टेस्ट मैच खेलने हैं. इस सीरीज का पहला मैच चेन्नई में होगा. बीसीसीआई ने फिलहाल पहले टेस्ट के लिए ही टीम का एलान किया है. 2022 में कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने वाले ऋषभ पंत की इस सीरीज के लिए टेस्ट टीम में वापसी हुई है. पंत ने आखिरी बार भारत के लिए दिसंबर 2022 में टेस्ट खेला था और हाल ही में दलीप ट्रॉफी से लाल गेंद के प्रारूप में वापसी की थी. यह विकेटकीपर बल्लेबाज इंडिया बी टीम का हिस्सा था जिसने रविवार को इंडिया ए को मात दी. पंत के अलावा ध्रुव जुरेल को भी विकेटकीपर के तौर पर टीम में जगह मिली है. वहीं, केएल राहुल की भी टीम में वापसी हुई है, लेकिन उन्हें विकेटकीपर के बजाए, बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया गया है.

यश दयाल को पहली बार मौका : रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा की टीम में शामिल किया गया है. यह सभी खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी का हिस्सा नहीं थे. जडेजा टी20 विश्व कप की खिताबी जीत के बाद पहली बार मैदान पर उतरेंगे. जडेजा को श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए आराम दिया गया था. इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू करने वाले सरफराज खान टेस्ट में जगह बरकरार रखने में सफल रहे हैं, जबकि श्रेयस अय्यर को टीम में जगह नहीं मिली है. वहीं, यश दयाल को पहली बार भारतीय टीम में शामिल होने का मौका दिया गया है. चयनकर्ताओं ने तेज गेंदबाज आकाशदीप पर भरोसा जताया जिन्होंने दलीप ट्रॉफी में प्रभावी प्रदर्शन किया था. आकाश दीप ने इंडिया ए के लिए खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने पहली पारी में 60 रन देकर चार विकेट, जबकि दूसरी पारी में 56 रन देकर पांच विकेट चटकाए. इस साल की शुरुआत में रांची में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले आकाश ने काफी अंतराल के बाद लाल गेंद के प्रारूप में वापसी की थी.

पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल.

एक ऐसा क्रिकेटर, जो हसीनाओं के दिलों पर भी करते हैं राज

भारतीय क्रिकेट का 'प्रिंस': अंडर-19 वर्ल्ड कप से हिट, टीम इंडिया में एंट्री

- आठ सितंबर 2024 को अपना 25वां जन्मदिन मनाया

एजेंसी। नयी दिल्ली

आठ सितंबर 1999, ये वो दिन था जब पंजाब के फाजिल्का में एक ऐसे लड़के का जन्म हुआ, जिसे आगे चलकर भारतीय क्रिकेट की विरासत को आगे बढ़ाने का जिम्मा सौंपा गया. उम्र कम और हौसला बुलंद कुछ ऐसा ही अब तक का सफर रहा है युवा बल्लेबाज शुभमन गिल का. पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर जब अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर थे, तब उनके उत्तराधिकारी के तौर पर विराट कोहली का नाम था. ठीक उसी तरह विराट कोहली की विरासत को आगे बढ़ाने वाले बल्लेबाज के तौर पर पिछले कुछ वर्षों से शुभमन गिल का नाम ही सबसे ज्यादा लिया जाता है. आखिर इसकी शुरुआत हुई कैसे और इतनी कम उम्र में गिल का नाम इन दिग्गज बल्लेबाजों में क्यों लिया जाता है?, शुभमन गिल पर क्रिकेट जगत का ध्यान तब गया, जब 2018 के अंडर-19 वर्ल्ड कप में उन्होंने भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी.

लव और लेविस लाइफ भी सुर्खियों में बनती हैं

शुभमन गिल की लव और लेविस लाइफ भी हमेशा सुर्खियों में रहती है. कभी वो विदेशों में डैशिंग लुक में नजर आते हैं, तो कभी उनके अफेयर होने की अफवाहें खूब वायरल होती हैं. बता दें, उनका नाम क्रिकेट जगत से ताल्लुक रखने वालों से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स और छोटे पर्दे की हसीनाओं से भी जुड़ चुका है.

▼ब्रीफ खबरें

टीवीबी अवार्ड के लिए चयनित हुए 22 शिक्षक

पूर्णिया । बिहार के प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह टीबीटी अवार्ड 2024 के लिए पूर्णिया जिले के 22 शिक्षकों का चयन किया गया है. यह प्रतिष्ठित सम्मान बिहार के उन सरकारी शिक्षकों को प्रदान किया जाता है जो विद्यालय अवधि के बाद भी लगातार नवाचारी ऑनलाइन शिक्षण देने का काम करते हैं. अत्यंत कठिन प्रक्रियाओं से गुजरते हुए प्रतियोगी माहौल में इन शिक्षकों का चयन किया जाता है इसी कड़ी में पूर्णिया जिले से 22 शिक्षकों का चयन होना पूरे जिले के लिए गर्व की बात मानी जा रही है.

भूमि विवाद में 12 वर्षीय युवक को मारी गोली

अररिया । अररिया के नरपतगंज थाना क्षेत्र के खाब्दह कन्हेली में आज भूमि विवाद को लेकर जमकर गोलीबारी हुई. इस गोलीबारी से पूरा इलाका थर्रा गया. ग्रामीणों का कहना है कि दर्जनों राउंड गोली चली साथ में तीर से भी हमले किए गए. इस गोलीबारी में एक 12 वर्षीय किशोर सहित तीन लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है. सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए पूर्णिया रेफर किया गया है. घायलों में पूर्व वार्ड सदस्य कंचन यादव का 12 वर्षीय बेटा बाबुल यादव शामिल है. दूसरे और तीसरे घायलों में एक ही पक्ष के परमेश एवं जीवेश दोनों के पिता कमल यादव शामिल हैं.

ट्रक ने बाइक सवार दो को रौंदा, एक की मौत

नवादा । नवादा में एक अनियंत्रित ट्रक ने शनिवार की रात बाइक सवार दो युवकों को रौंद दिया, जिसमें एक युवक की मौके पर मौत हो गयी जबकि दूसरा जख्मी है. आक्रोशित भीड़ ने एक खड़ी ट्रक को आग के हवाले कर दिया और सड़क पर जाम लगा दिया. प्रशासनिक अधिकारियों की मदद से रविवार सुबह जाम हटाया गया. पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है. यह घटना नवादा नगर थाना क्षेत्र के आईटीआई के पास हुई. मृतक की पहचान गोनवा गांव के रहने वाले 28 वर्षीय बिट्टू कुमार के रूप में की गई है. वह अपने दोस्त के साथ बाइक पर बैठकर घर से घूमने के लिए निकला था.

गोपालगंज में नगर थाना क्षेत्र के बसडीला गांव का मामला

किसान की पीट-पीटकर हत्या जमीन विवाद में हुआ था बवाल

संवाददाता । गोपालगंज

गोपालगंज में नगर थाना क्षेत्र के बसडीला गांव में रविवार को भूमि विवाद के चलते एक बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. मृतक की पहचान पलटू राम के रूप में हुई है, जो स्व. रुखी राम के 60 वर्षीय पुत्र थे. इस विवाद में दूसरे पक्ष के भी दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं. घायलों में कृष कुमार और शत्रुधन कुमार शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया गया.

घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. परिजनों के अनुसार, पलटू राम के घर के पास एक विवादित जमीन पर केले का पेड़ लगा हुआ था. पड़ोस के लोग उस पेड़ को काटे जाने की कोशिश कर रहे थे, जिसका पलटू राम ने विरोध किया. इस विरोध के बाद, दूसरे पक्ष के लोगों ने तलवार से उन पर हमला कर दिया, जिससे वो बुरी तरह घायल हो गए. इसके बाद पलटू राम की पीट-पीटकर हत्या कर दी.

मृतक के परिजनों ने बताया कि इस भूमि विवाद को लेकर पहले से ही न्यायालय में केस चल रहा था और पंचायती के माध्यम से मामले का निष्पादन कराने की बात चल रही थी, लेकिन रविवार को इस मामले में एक और मोड़ आ गया जब हत्या की घटना को अंजाम दिया गया. इस घटना ने पूरे गांव में दहशत और आक्रोश फैला दिया है. पुलिस को सूचना मिलने के बाद तत्काल कार्रवाई की गई.

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर पलटू राम के शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. साथ ही मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू करते हुए पांच संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है. पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. स्थानीय लोगों ने पुलिस और प्रशासन से मांग की है कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और उन्हें सख्त सजा दी जाए. साथ ही गांव में शांति बनाए रखने और ऐसे हिंसात्मक घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है. नगर इंस्पेक्टर ओमप्रकाश ने कहा कि पुलिस मामले में जांच कर कार्रवाई कर रही है, ताकि दोषियों को न्यायालय से सजा दिलाई जा सके.

नालंदा में बिजली का करंट लगने से किसान की मौत

बिहारशरीफ । करियन्ना गांव में रविवार को पोल में करंट आने से खेत में काम कर रहे किसान मनोज कुमार की मौत हो गई. मनोज कुमार सिलाव थानाक्षेत्र के करियन्ना निवासी राजाराम सिंह का 42 वर्षीय पुत्र थे. जानकारी के अनुसार मनोज खेत की निगरानी करने के लिए बधार खंधा में गये थे. रास्ते में बिजली करंट से प्रवाहित तार के संपर्क में आ गये, जिससे उनका सारा शरीर झुलस गया और वे अचेत हो गये. तत्काल खेत में काम कर रहे मजदूरों ने अचेत अवस्था में तुरंत रेफरल अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफ भेजा. जहां पोस्टमार्टम के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंप दिया गया. थानाध्यक्ष इरफान रियाज ने बताया कि किसान की मौत से उसके परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे टोले में मातम छाया हुआ है. इस घटना से पूरा गांव शोक में है. मनोज कुमार की अचानक मौत ने उसके परिवार के साथ-साथ पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है. ग्रामीणों ने इस घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया और प्रशासन से इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हो सके.

ठनका गिरने से तीन की मौत, छह मवेशी भी मरे

संवाददाता । अररिया

अररिया के रानीगंज प्रखंड के ठेकपुरा गांव के बहियार नहर के पास रविवार को बिजली चमक के साथ ठनका गिरने से तीन व्यक्ति की मौत घटनास्थल पर हो गई. जबकि तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए. आधा दर्जन बकरियों की भी मौत हो गई. वहीं घटना के बाद सभी घायलों को उपचार के लिए रेफरल अस्पताल रानीगंज में भर्ती कराया गया है. सूचना मिलने पर रानीगंज पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने की तैयारी में जुट गई. सभी मृतक ठेकपुरा गांव के वार्ड संख्या 16 के निवासी हैं. मृतकों में विजेंद्र राय 30 साल, सुशीला देवी 28 साल और उसकी बेटी खुशबू कुमारी 16 साल शामिल हैं. जबकि घायलों में पूनम कुमारी, मंजूला देवी, ओम कुमार राय शामिल हैं.

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दिन में करीब ढाई बजे मूसलाधार बारिश हो रही थी. कुछ पुरुष और महिला बहियार में घास काट रहे थे और बकरी चरा रहे थे. तभी जोरदार आवाज के साथ बिजली चमक गिरी और सभी उसकी चपेट में आ गए. जिससे घटनास्थल पर ही मां बेटी सुशीला देवी, खुशबू कुमारी और इसी गांव के विजेंद्र राय की मौत हो गई. लोगों ने बताया कि बिजली की चमक इतनी तेज थी कि आस-पास के लोग के आंखें चौंधया गई थी.

आधा दर्जन बकरी की झुलसने से मौत

घटना के बाद आनन-फानन में घायलों को रेफरल अस्पताल रानीगंज भेजा गया. इस घटना में आधा दर्जन से अधिक बकरी की भी झुलसने से मौत हो गई है. रानीगंज थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजने की प्रक्रिया चल रही है. बता दें कि बरसात के दिनों में खराब मौसम के कारण बिजली गिर रही है और लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं. हालांकि प्रशासन और मौसम विभाग ने लोगों को बारिश में घर से बाहर ना निकलने की सलाह लगातार दी है और अलर्ट रहने को कहा है.

नेपाल-भारत तस्करी नेटवर्क का खुलासा

पुलिस सरफराज को रिमांड पर लेगी

- मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है

संवाददाता । मोतिहारी

मोतिहारी पुलिस ने कश्मीर के अनंतनाग में पकड़े गए जाली करेंसी तस्कर सरफराज को रिमांड पर लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. यह कार्रवाई आईबी और मिलिट्री इंटेलिजेंस के इनपुट के आधार पर की जा रही है.

चार दिन पहले नेपाल बॉर्डर से करीब दो लाख रुपये के जाली नोट के साथ नजरे सद्दाम और उसके दो अन्य साथी पकड़े गए थे. उन्हीं के बयान के आधार पर सरफराज को गिरफ्तार किया गया था. पकड़े गए तस्करों में नजरे सद्दाम एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर था, जो पहले भी मार्च और जून में जाली नोट की सप्लाई कर चुका था. इन तस्करों का कनेक्शन नेपाल के धोरे गांव से है, जहां दो भाई जाली नोट सप्लाई करते थे. ये नोट बॉर्डर पार कर कश्मीर तक पहुंचाए जाते थे, जहां बड़े तस्करों के साथ लेन-देन होता था. मोतिहारी पुलिस सरफराज से पूछताछ कर इस धंधे के किंगपिन तक पहुंचने का प्रयास करेगी. जानकारी के अनुसार, नेपाल के धोरे गांव से संतोष सहनी से रुपये लेकर सरफराज कश्मीर में उग्रवादी कार्यों में उनका इस्तेमाल करता है. जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस तरह की गतिविधियां बढ़ गई हैं. पकड़े गए तस्करों में जाकिर उर्फ मुमताज मोतिहारी के रक्सौल और छौनी के होटलों में कई बार ठहर चुका था. मोतिहारी में उसकी गतिविधियों की खुफिया जांच अब गहराई से की जा रही है.

मिक्सचर मशीन में फंसी महिला मजदूर की मौत

दरभंगा । जिले के बिरौल थानाक्षेत्र स्थित बिरौल पंचायत में एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें एक महिला मजदूर की मिक्सचर मशीन में फंसने से मौत हो गई. घटना उस समय घटी जब एक 100 बेड वाले छात्रावास की छत की ढलाई का काम चल रहा था. मृतक महिला की पहचान रसीदा खातून (32) के रूप में हुई है, जो कुशेश्वरस्थान थानाक्षेत्र के गौड़ा गांव की निवासी थी. जानकारी के मुताबिक, रसीदा खातून पिछले पांच महीने से छात्रावास के निर्माण कार्य में लगी हुई थी. वह गिट्टी को तगाड़ी में लेकर मिक्सचर मशीन के टब में डाल रही थी. इसी दौरान उसका दुपट्टा मशीन में फंस गया, जिससे उसका सिर मिक्सचर के टब में अटक गया. हालांकि अन्य मजदूरों ने तुरंत मशीन को बंद करने का प्रयास किया, लेकिन तब तक रसीदा की मौत हो चुकी थी. दुर्घटना के बाद महिला का सिर काफी देर तक मशीन में ही फंसा रहा.

तनिष्क लूटकांड में 5 और आरोपी पकड़ाया

- लूट गए अभूषण अभी बरामद नहीं हुए हैं

संवाददाता । पूर्णिया

पूर्णिया पुलिस ने 26 जुलाई को हुए तनिष्क शोरूम लूटकांड का सफल उद्भेदन करते हुए पांच और आरोपितों को गिरफ्तार किया है. पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि ये गिरफ्तारी बिहार के विभिन्न जिलों से की गई है. लूटे गए आभूषण अभी बरामद नहीं हुए हैं. गिरफ्तार किए गए आरोपितों में प्रशांत गौरव (मुजफ्फरपुर), सोनू झा (पूर्णिया), बिट्टू कुमार पासवान (मुजफ्फरपुर), अंकुश कुमार (रोहतास) और सम्मी आनंद (पटना) शामिल हैं. ये सभी लूटकांड के मुख्य अभियुक्त हैं, जिन्होंने नकाब पहनकर शोरूम के अंदर घुसकर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था. पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस गिरफ्तारी में पूर्णिया पुलिस के साथ-साथ एसटीएफ की टीम का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है. उन्होंने कहा कि इससे पहले भी इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है.

लूटकांड का मास्टरमाइंड सुबोध सिंह, प्रिंस राज और बिट्टू सिंह पहले से ही जेल में बंद हैं. इस घटना ने पूर्णिया शहर के व्यापारियों में भय का माहौल पैदा कर दिया था. शहर के प्रमुख व्यावसायिक इलाके में दिन-दहाड़े हुई इस लूट ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए थे. स्थानीय व्यापारी संघ ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग की थी. पुलिस की इस कामयाबी से उम्मीद जगी है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा हो जाएगा और लूटा गया माल भी बरामद हो सकेगा.

कारोबार

वीवो टी3 अल्ट्रा अगले सप्ताह लॉन्च होगा

नयी दिल्ली । वीवो जल्द ही अपना नया स्मार्टफोन लॉन्च करने वाला है. कंपनी ने वीवो टी3 अल्ट्रा को टीज कर दिया है और ये फोन अगले हफ्ते लॉन्च होगा. इस हैंडसेट में हमें 5500एमएएच की बैटरी और 80 वॉट की चार्जिंग का सपोर्ट मिलेगा. वीवो टी3 अल्ट्रा में 3डी कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले दिया जाएगा. इसका डिजाइन वीवो वी40 सीरीज जैसा होगा. हैंडसेट 12जीबी तक रैम और कई स्टोरेज ऑप्शन में आ सकता है. कंपनी ने इसकी कीमत को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन ये फोन 30 हजार रुपये या उससे अधिक के बजट में आ सकता है.

सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी हुई गिरावट

नई दिल्ली । एक दिन की तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में एक बार फिर गिरावट आ गई है. सोना शनिवार को 400 रुपये से लेकर 450 रुपये प्रति 10 ग्राम तक टूट गया है. इसी तरह चांदी में भी शनिवार को 2,500 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है. कीमत में हुई गिरावट के कारण शनिवार को देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73,020 रुपये से लेकर 72,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 66,950 रुपये से लेकर 66,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है.

डाइवा ने लॉन्च किए नए स्मार्ट टीवी रेंज

मुंबई । डाइवा ने भारतीय बाजार में अपने नए स्मार्ट टीवी रेंज को लॉन्च कर दिया है. कंपनी ने गुगल टीवी ओएस के साथ नई सीरीज को लॉन्च किया है, जो 32-इंच से 55-इंच स्क्रीन साइज में आती है. इस सीरीज में एलईडी और क्यूलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो एचडी और 4के रेज्योलूशन के साथ आती है. नई स्मार्ट टीवी सीरीज को आप 32-इंच, 43-इंच और 55-इंच के साइज में खरीद सकते हैं. इन टीवी पर 10 हजार से ज्यादा टीवी ऐप्स का एक्सेस मिलेगा. आप इन्हें गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं. डाइवा गुगल टीवी की कीमत डाइवा के सबसे लेटेस्ट मॉडल स्मार्ट टीवी की कीमत 10,999 रुपये से शुरू होकर 34,990 रुपये तक जाती है.

सबसे ज्यादा टैक्स शाहरुख ने दिया

नेटवर्थ 7,300 करोड़

नयी दिल्ली । शाहरुख खान ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 92 करोड़ रुपए का टैक्स पेमेंट किया है. वे सबसे ज्यादा टैक्स जमा करने वाले बन गए हैं. उनकी नेटवर्थ 7300 करोड़ रुपए है. दूसरे नंबर पर 80 करोड़ रुपए के टैक्स पेमेंट के साथ तमिल सुपरस्टार थलापति विजय हैं. उनकी नेटवर्थ 800 करोड़ रुपए है. लिस्ट के टॉप-5 में अमिताभ बच्चन, सलमान खान शामिल हैं. सबसे ज्यादा टैक्स जमा करने वाले क्रिकेटर विराट कोहली हैं. उन्होंने 66 करोड़ रुपए का टैक्स जमा किया है. उनके बाद महेंद्र सिंह धोनी हैं, जिन्होंने 38 करोड़ रुपए का टैक्स चुकाया है. शाहरुख खान दुनिया के तीसरे सबसे अमीर एक्टर बन चुके हैं. उनकी नेटवर्थ करीब 7,300 करोड़ रुपए है. शाहरुख ने 2023 में लगातार दो ब्लॉकबस्टर फिल्में, जवान और पठान दीं. दोनों ने दुनियाभर में 2000 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई का आंकड़ा पार किया. शाहरुख ने हॉलीवुड एक्टर टॉम क्रूज को भी पीछे कर दिया है. टॉम क्रूज की नेटवर्थ करीब 5,000 करोड़ रुपए है. 11,700 करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ टायलर पेरी दुनिया में पहले नंबर पर हैं. दूसरे नंबर पर 9,000 करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ जैरी सीनफील्ड हैं.

जीएसटी काउंसिल की बैठक आज, स्वास्थ्य बीमा पर फैसला संभव

एजेंसी । नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक आज राजधानी नई दिल्ली में होने वाली है. इस बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा कराने वाले लोगों को महंगे प्रीमियम (बीमा किस्त) से निजात मिलने की संभावना है. आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि 9 सितंबर, 2024 को राजधानी नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक में दोनों तरह के बीमा (स्वास्थ्य और जीवन बीमा) पर लगने वाली जीएसटी की दर को 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया जा सकता है. हालांकि, स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर लगने वाले जीएसटी की दर से सरकारी खजाने पर बोझ पड़ सकता है.

स्वास्थ्य और जीवन बीमा के प्रीमियम पर लगने वाली 18 फीसदी जीएसटी दर को हटाने का मुद्दा अब राजनीतिक मोड़ ले चुका है. इसकी शुरुआत केंद्रीय सड़क परिवहन और

राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के वित्त मंत्री सीतारमण को एक पत्र लिखने से हुई. इसके बाद पश्चिम बंगाल और अब कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मध्यम और निम्न आय वर्ग के पॉलिसीधारकों के लिए स्वास्थ्य बीमा पर 18 फीसदी जीएसटी दर में कटौती की मांग की. वित्तीय सेवाओं के विभाग के स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर मौजूदा जीएसटी कर की दर घटाने के अनुरोध के बाद जीएसटी परिषद के द्वारा नामित केंद्र और राज्यों के राजस्व अधिकारियों वाली फिटमेंट समिति ने इसका विस्तृत विश्लेषण किया है. फिटमेंट समिति इस बारे में अपनी विस्तृत रिपोर्ट 9 सितंबर को होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक में सौंप सकती है. इससे सरकारी खजाने पर 6.5 अरब रुपये से 35 अरब रुपये तक का बोझ पड़ने की संभावना है.

उल्लेखनीय है कि बजट सत्र के दौरान 7 अगस्त को वित्त विधेयक 2024 में संशोधन पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा था कि में यहां दो महत्वपूर्ण बिंदुओं का उल्लेख करना चाहती हूं. उन्होंने कहा था कि स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी के लागू होने से पहले भी कर लगता था. यह कोई नया मुद्दा नहीं है, सभी राज्यों में यह पहले से ही था.

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही गिरावट

चांदी 1,681 गिरकर 83,338 प्रति किलो पर आई, सोना 71,931 प्रति 10 ग्राम हुआ

मुंबई । इस हफ्ते सोने-चांदी के कीमतों में गिरावट देखने को मिली है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 31 अगस्त को सोना 71,958 रुपए पर था, जो अब (7 सितंबर) को 71,931 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है. यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 27 रुपए की गिरावट आई है. वहीं चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को ये 85,019 रुपए पर थी, जो अब 83,338 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है. इस हफ्ते इसकी

कीमत 1,681 रुपए गिरी है. इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी. वहीं सोने ने 21 मई को 74,222 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था. बीजेप के अनुसार, इस साल अब तक सोने के दाम 8,579 रुपए बढ़ चुके हैं. 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 71,931 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है. वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 83,338 रुपए पर पहुंच गए हैं.

अभिनेत्री आलिया भट्ट मुंबई में अपनी आगामी फिल्म जिगरा के प्रचार कार्यक्रम के दौरान फोटो खिंचवाती हुई.

अगले हफ्ते शेयर बाजार की बढ़ी रहेगी हलचल

लॉन्च होंगे 13 नए आईपीओ 8 शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली । सोमवार से शुरू होने वाले महीने के दूसरे कारोबारी सप्ताह में प्राइमरी मार्केट में जोरदार हलचल बनी रहने वाली है. इस सप्ताह 13 नए आईपीओ दस्तक देने वाले हैं. इनमें से 4 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं. इसके साथ ही अगले सप्ताह 8 कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग भी होने वाली है. शेयर बाजार में लिस्ट होने जा रही कंपनियों में से 2 कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं. यानी इनकी लिस्टिंग बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज दोनों जगहों पर होगी. सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही प्राइमरी मार्केट में 7 आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं. सोमवार को जो नए आईपीओ प्राइमरी मार्केट में दस्तक देने वाले हैं, उनमें बजाज हाउसिंग फाइनेंस का आईपीओ भी शामिल है, जिसका शेयर बाजार में लंबे समय से इंतजार किया जा रहा है. बजाज हाउसिंग फाइनेंस का आईपीओ 9 सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होने के बाद 11 सितंबर को क्लोज होगा.

व्यापार महंगाई के आंकड़े, अमेरिकी फेड मीटिंग इस महीने के अंत तक होना है

अगले हफ्ते तय होगी बाजार की चाल

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता काफी नुकसान वाला रहा. बाजार लगातार तीन हफ्तों की तेजी का क्रम तोड़ते हुए लाल निशान में बंद हुए. इस दौरान सेंसेक्स में 1.43 प्रतिशत और निफ्टी में 1.52 प्रतिशत की गिरावट हुई. बीते हफ्ते बाजार में गिरावट की मुख्य वजह अमेरिका से कमजोर जॉब डेटा का आना था, जिसके कारण दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के मंदी में जाने का खतरा पैदा हो गया है. वहीं, एमएससीआई में भारत का वेटेज चीन से अधिक हो गया है और ज्यादा वैल्यूएशन के कारण भारतीय शेयर बाजार के वेटेज में कटौती की संभावना बढ़ गई है. ऐसे में आना वाला हफ्ता बाजार के लिए काफी महत्वपूर्ण होगी. वैश्विक और घरेलू स्तर पर कई फैक्टर्स बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे. वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेड की बैठक काफी अहम होने वाली है, जो कि सितंबर के मध्य में होगी. इस बार अमेरिका का केंद्रीय बैंक ब्याज दर में बड़ी कटौती का ऐलान कर सकता है. ऐसे में इसे लेकर आने से किसी भी अपडेट असर बाजार पर दिख सकता है. घरेलू स्तर पर महंगाई के आंकड़े 12 सितंबर को सरकार द्वारा जारी किए जाएंगे. इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) द्वारा की जाने वाली खरीद-बिक्री और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से बाजार की दिशा तय होगी. स्वस्तिक इन्वेस्टमार्ट में वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञ प्रवेश गौर का कहना है कि निफ्टी में कमजोर के संकेत देखने को मिले हैं. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मुख्य सूचकांक 24,850 से थोड़ा-सा ऊपर बंद हुआ है जो कि अहम सपोर्ट है. अगर यह इसके नीचे फिसलता है तो 24,000 के लेवल तक जा सकता है. निफ्टी के लिए 24,600-24,450 का जोन एक अहम सपोर्ट है. वहीं, ऊपर की तरफ 25,000 से लेकर 25,200 का जोन एक अहम रुकावट का स्तर है. मास्टर कैपिटल सर्विसेज में डायरेक्टर पल्का अरोड़ा चोपड़ा ने कहा कि सरकार बैंकों में कमजोरी के कारण निफ्टी बैंक 50,800 के नीचे बंद हुआ है. निफ्टी बैंक के लिए 50,500 एक अहम सपोर्ट लेवल है. अगर यह टूटता है तो 49,800 का लेवल भी इंडेक्स में देखने को मिल सकता है. वहीं, 51,200 और फिर 51,800 एक अहम रुकावट का स्तर है.

देश की टॉप 10 कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में गिरावट

रिलायंस देश की मोस्ट वैल्यूड कंपनी

एजेंसी । नई दिल्ली

सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में कुल 2.01 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आ गई. हालांकि टॉप 10 में शामिल दो कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिला कर 17,915 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी भी हुई. एक्सचेंज की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक सोमवार से शुक्रवार के बीच के कारोबारी सप्ताह के दौरान सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जबकि मार्केट कैप में गिरावट के मामले में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) दूसरे स्थान पर रही. पिछले सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 60,824.68 करोड़ रुपये घट कर 19,82,282.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. इसी तरह टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मार्केट कैप 34,136.66 करोड़ रुपये घट कर 16,12,762.51 करोड़ रुपये रह गया. इन दोनों कंपनियों के अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मार्केट कैप 29,495.84 करोड़ रुपये घट कर 6,98,440.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 28,379.54 करोड़ रुपये की कमी के साथ 8,76,207.58 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. मार्केट कैप में गिरावट के मामले में इंफोसिस पांचवें स्थान पर रही.

न्यूज अपडेट

अमेरिका में गोलीबारी, आरोपी फरार

वाशिंगटन। अमेरिका के दक्षिण-पूर्वी केंटकी शहर के पास एक राजमार्ग पर कई लोगों को गोली मार दी गई. घटना को अंजाम देकर बंदूकधारी फरार है. इसकी जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने दी. न्यूज 9 के रिपोर्टर ने बताया कि यह घटना शनिवार शाम को हुई. गोलीबारी शहर के 49/केवाई-909 क्षेत्र में हुई. जोसेफ ए. काउच इस घटना का संदिग्ध आरोपी है. पुलिस ने कहा कि अगर आपको इस व्यक्ति के ठिकाने या स्थान के बारे में कोई जानकारी है, तो कृपया कॉल करके लंदन-लॉरेल काउंटी 911 केंद्र से संपर्क करें.

हूती विद्रोहियों ने ड्रोन को मार गिराया

अदन (यमन)। यमन के हूती समूह ने दावा किया है कि उन्होंने अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया है. उन्होंने कहा कि उनके एयर डिफेंस ने पूर्वोत्तर प्रांत मारिब के ऊपर एक अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को सफलतापूर्वक मार गिराया है. शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने शनिवार को कहा कि सशस्त्र समूह द्वारा मार गिराया गया यह आठवां ड्रोन है, जो दमन का शिकार फिलिस्तीनियों की जीत और यमन के खिलाफ अमेरिकी-ब्रिटिश आक्रामकता के जवाब में किया गया था.

नौसेना ने 14 मछुआरों को किया गिरफ्तार

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 14 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया. नौसेना ने मछुआरों की नौकाओं को भी जब्त कर लिया. श्रीलंकाई नौसेना द्वारा की गई इस कार्रवाई के बाद मछुआरों के परिवारों और स्थानीय लोगों ने तमिलनाडु के पुदुकोट्टई जिले के जेगथापट्टिनम में रविवार को विरोध प्रदर्शन किया. बता दें कि मछुआरों को शनिवार रात गिरफ्तार किया गया. मणिकांतन ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, हमारे भाइयों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किया जा रहा है.

गाजा में 2 कमांडर मारे गये

टेल अवीव । इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि हाल ही में मध्य गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमले में फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) आंदोलन के दो बटालियन कमांडर मारे गये. समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, आईडीएफ ने शनिवार को कहा कि इजरायली विमानों ने गुरुवार को दीर अल-बलाह शहर में हमास और पीआईजे आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले कमांड और नियंत्रण केंद्र पर 'सटीक हमला किया.

रूसी हमले में 5 लोगों की मौत

कीव। रूस ने पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र में हमला किया है. इस हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई. डोनेट्स्क के गवर्नर वादिम फिलाशकिन ने शनिवार को बताया कि कोस्त्यंतिनिव्का कस्बे में तीन लोग मारे गए और चार घायल हो गए. वहीं टोरेत्स्क कस्बे से लगभग बीस किलोमीटर दूर दक्षिण-पूर्व में रूस की ओर से हुई बमबारी में 50 साल से अधिक आयु के दो व्यक्तियों के मारे जाने की खबर है. तीन अन्य लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं जिनका इलाज किया जा रहा है.

भारत में मंकीपॉक्स का पहला मामला

नई दिल्ली । भारत में घातक एवं संक्रामक रोग मंकीपॉक्स का पहला संभावित मामला सामने आया है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में आज जानकारी दी है. मंत्रालय का कहना है कि जांच जारी है और चिंता करने की आवश्यकता नहीं है. मंत्रालय का कहना है कि हाल ही में विदेश यात्रा से लौटे युवा पुरुष रोगी की पहचान एमपॉक्स (मंकीपॉक्स) के संदिग्ध मरीज के तौर पर हुई है. रोगी को एक निर्दिष्ट अस्पताल में अलग रखा गया है और वर्तमान में उसकी हालत स्थिर है.

370 वापस नहीं ला सकता : राजनाथ सिंह

रामबन । भाजपा ने डंके की चोट पर अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर को शांति और समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर किया है और अब कोई माई का लाल इसे वापस नहीं ला सकता. अनुच्छेद 370 और 35ए हटाकर लोगों को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने का रास्त बनाया गया है. यह बातें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को जम्मू संभाग के रामबन में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए कहीं. उन्होंने लोगों से अपील की कि एक बार यहां भाजपा की सरकार बनाएं हम जम्मू-कश्मीर को देश का सबसे विकसित राज्य बनाएंगे.

अजीत डोभाल इस सप्ताह रूस जायेंगे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इस सप्ताह रूस की यात्रा करेंगे. भारत रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है. इसी संदर्भ में डोभाल रूस जायेंगे. प्रधानमंत्री ने हाल ही में यूक्रेन की यात्रा की थी. उन्होंने संघर्ष समाप्ति में भारत की भूमिका को लेकर सकारात्मक पहल का वादा किया था. इससे पहले वे तीसरी बार पीएम बनने पर रूस गए थे. प्रधानमंत्री ने अपनी यूक्रेन यात्रा के बाद राष्ट्रपति पुतिन से बातचीत की थी.

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस पहुंचे भारत

नई दिल्ली । अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रविवार को नई दिल्ली पहुंचे. यहां केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने उनका स्वागत किया. अबू धाबी के क्राउन प्रिंस के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है. क्राउन प्रिंस के साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है. कल अबू धाबी के क्राउन प्रिंस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे और द्विपक्षीय सहयोग के कई क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे.

राहुल गांधी डलास पहुंचे, भव्य स्वागत हुआ, कहा, मैं वास्तव में बहुत खुश हूं

एजेंसी। टेक्सास

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर हैं. तीन दिवसीय इस दौरे में राहुल गांधी रविवार को टेक्सास के डलास पहुंचे, जहां भारतीय प्रवासी और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट से कुछ तस्वीरें साझा की. उन्होंने लिखा टेक्सास के डलास में जो भारतीय प्रवासियों और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सदस्यों ने मेरा स्वागत किया, उससे मैं वास्तव में बहुत खुश हूं. राहुल ने पोस्ट में आगे लिखा, मैं इस यात्रा के दौरान सार्थक चर्चाओं और व्यावहारिक बातचीत में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा. बता दें कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी की यह पहली अमेरिका यात्रा है. राहुल गांधी 9-10 सितंबर को वाशिंगटन डीसी में आयोजित होने वाली कई महत्वपूर्ण बैठकों में हिस्सा लेंगे. इससे पहले, राहुल गांधी की यात्रा पर आईओसी प्रमुख सैम पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी से बात करने के लिए यहां प्रवासी भारतीय, बिजनेस लीडर, छात्र, राजनीतिक नेता उत्सुक हैं.

2024 में रायबरेली और वायनाड से चुनाव जीता : राहुल ने लोकसभा चुनाव 2024 में रायबरेली और वायनाड से चुनाव जीता, हालांकि, उन्होंने वायनाड लोकसभा सीट को छोड़ दिया, और रायबरेली सीट से सांसद बनना ठीक समझा. उन्होंने वायनाड की सीट से अपनी बहन प्रियंका गांधी को आगे किया है. इस साल जून में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) से मंजूरी मिलने के बाद उन्हें लोकसभा में विपक्ष का नेता (एलओपी) नियुक्त किया गया था.

राहुल ने कहा, हम एक सफल यात्रा की आशा करते हैं

राहुल ने कहा, हम एक सफल यात्रा की आशा करते हैं और अमेरिका में राहुल गांधी का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं. उन्होंने आगे कहा, अलग अलग क्षेत्र के लोगों संग कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गयी है. इनमें खासकर वो लोग शामिल हैं जो कांग्रेस शासित प्रदेश से वास्ता रखते हैं. विशेष रूप से बैंगलोर, हैदराबाद, मुंबई और पुणे जैसे टेक शहर के लोग इच्छुक हैं. हम व्यापार और टेक्नोलॉजिकल समुदाय के साथ बातचीत को लेकर भी काफी उत्साहित हैं. ऐसा देखा जा रहा है कि राहुल गांधी, 2024 के लोकसभा परिणामों के बाद, जनहित के कई मुद्दों को उठाते हुए लोगों का समर्थन हासिल कर रहे हैं.

बीजेपी आलाकमान का सख्त निर्देश

विनेश और बजरंग पर कोई बयान न दें बृजभूषण सिंह

एजेंसी। नयी दिल्ली

विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के कांग्रेस में शामिल होने के बाद से ही भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह उन पर लगातार टिप्पणी कर रहे हैं. साथ ही उन्होंने महिला पहलवानों के आंदोलन को कांग्रेस का आंदोलन भी बताया था. बृजभूषण ऐसे बयान तब दे रहे हैं, जब हरियाणा में चुनाव होने वाले हैं. ऐसे में सूत्रों का कहना है कि बीजेपी आलाकमान ने उन्हें विनेश और बजरंग पर किसी भी तरह की टिप्पणी नहीं करने का सख्त निर्देश दिया है. बताया जाता है कि हरियाणा में चुनाव के मद्देनजर बृजभूषण शरण सिंह को ऐसे निर्देश दिये गए हैं. क्योंकि सीधे तौर पर बृजभूषण का विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया पर बयान देने से दाव उल्टा पड़ सकता है. इसलिए ऐसी कोई भी बात न कही जाए, जिससे हरियाणा में बीजेपी का वोटबैंक प्रभावित हो. बृजभूषण शरण सिंह ने यहां तक कह दिया था कि विनेश फोगाट ओलंपिक में जाने की हकदार ही नहीं थी. विनेश और बजरंग के चुनाव में किस्मत आजमाने की घोषणा के बाद से ही सियासी घमासान मचा हुआ है.

पहलवान विनेश फोगाट को बृजभूषण शरण सिंह ने कांग्रेस के षडयंत्र का चेहरा बताया था. उन्होंने कहा था कि दीपेंद्र हुड्डा और हुड्डा परिवार ने उनके खिलाफ साजिश रची है. मेरे खिलाफ आंदोलन की साजिश कांग्रेस ने रची थी और मुझ पर बेबुनियाद आरोप लगाए गए थे. बताया जा रहा है कि हरियाणा में चुनाव और वहां खेल-खिलाड़ियों के दबदबे को देखते हुए बीजेपी ने अपने नेता को विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया पर कुछ भी कहने से मना किया है. कहा जा रहा है कि हरियाणा में बीजेपी कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती. वहां खेल से जिस से लोगों का सेंटिमेंट जुड़ा हुआ है. ऐसे में वहां की किसी महिला पहलवान के बारे में ऐसे समय अनावश्यक टिप्पणी महंगा पड़ सकता है.

'बृजभूषण देश नहीं हैं, मेरे अपने मेरे साथ खड़े हैं', बोलीं कांग्रेस नेता विनेश फोगाट, जुलाना में शुरू किया प्रचार

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जुलाना सीट से रेसलर विनेश फोगाट को मैदान में उतारा है. विनेश और बजरंग पूनिया शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हुए थे. शाम को उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में नाम फाइनल होने के बाद विनेश अब अपने चुनाव प्रचार में जुट गई हैं. रविवार को उन्होंने जुलाना में प्रचार किया जहां कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने फूल मालाओं से उनका स्वागत किया. मीडिया से बात करते हुए विनेश ने पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह के आरोपों का जवाब दिया. उन्होंने कहा कि 'बृजभूषण सिंह देश नहीं हैं'. 'मेडल का दुख तो उसी दिन कम हो गया...' पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह के आरोपों पर विनेश फोगाट ने कहा, 'बृजभूषण देश नहीं हैं, मेरा देश मेरे साथ खड़ा है. मेरे अपने मेरे साथ हैं.' उनसे पूछा गया, आरोप हैं कि कांग्रेस ने आपको आंदोलन पर बिठाया था, जवाब में उन्होंने कहा कि हमें जंतर-मंतर पर बैठने की अनुमति बीजेपी ने ही दी थी. विनेश ने कहा, 'मेडल का दुख तो उसी दिन कम हो गया था जब मैं लौटकर आई थी और मेरे अपनों ने मेरा स्वागत किया था.'

खाप ने विनेश को स्वर्ण पदक भेंट किया है. इससे पहले खाप उन्हें गदा भेंट कर चुकी है. छह गांवों की खाप पंचायतों और राठी समुदाय ने कांग्रेस प्रत्याशी विनेश फोगाट को इनाम दिया है. मंच से एक खाप नेता ने कहा कि आज से वह सिर्फ विनेश फोगाट नहीं, वह विनेश फोगाट राठी हैं. 'बीजेपी में नहीं गए तो देशद्रोही कह रहे हैं' कांग्रेस नेता बजरंग पूनिया ने कहा, 'मैं एक एथलीट और किसान का बेटा हूं. पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी के अनुसार, मुझे लगता है कि मैं किसानों की चिंताओं को बेहतर तरीके से उठा सकता हूं. बृजभूषण और बीजेपी की एक समस्या है कि हम कांग्रेस में शामिल हो गए हैं.

आईएमडी ने केरल में भारी बारिश की भविष्यवाणी की, अलर्ट जारी

आईएएनएस । तिरुवनंतपुरम

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने केरल के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश और आंधी-तूफान की भविष्यवाणी की है. आईएमडी के अनुसार, 13 सितंबर तक बारिश जारी रहेगी. आईएमडी ने कासरगोड, कन्नूर, कोझिकोड, मलप्पुरम, त्रिशूर और एर्नाकुलम जिले में येलो अलर्ट जारी किया है. इन छह जिलों में 64.5 मिमी से 115.5 मिमी तक भारी बारिश का अनुमान है. आईएमडी ने लोगों को इस अवधि के दौरान भूस्खलन, भूस्खलन और जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचने की भी चेतावनी दी है. संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित होने की सलाह दी है. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भी लोगों को मौसम विभाग की ओर से भारी बारिश की भविष्यवाणी के मद्देनजर सावधानी बरतने की चेतावनी दी है. भारी बारिश के कारण विजिबिलिटी कम हो सकती है. जलभराव/पेड़ उखड़ने के कारण यातायात/बिजली में अस्थायी व्यवधान हो सकता है. फसलों को नुकसान हो सकता है और अचानक बाढ़ आ सकती है.

मौसम विभाग ने 11 सितंबर तक केरल में तूफानी मौसम की भी भविष्यवाणी की है. हवा की गति 45-55 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है. प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए मछुआरों को इस अवधि के दौरान केरल, कर्नाटक और लक्षद्वीप तटों पर न जाने की सलाह दी गई है. आईएमडी ने सोमवार को अलप्पुझा, एर्नाकुलम, त्रिशूर, मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में येलो अलर्ट की भी घोषणा की. ज्ञात हो कि वायनाड जिले में भारी बारिश के कारण 30 जुलाई को बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ था.

लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में गिरी बिल्डिंग, आठ मरे, तीन शव बरामद

आईएएनएस। लखनऊ

लखनऊ में शनिवार को गिरी इमारत के मलबे में दबने से आठ लोगों की मौत हो गई है. अधिकारियों ने रविवार को बताया कि बचावकर्मियों ने मलबे से तीन और शव निकाले हैं. दरअसल, सरोजनी नगर थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर में शनिवार को एक बिल्डिंग गिर गई थी. पुलिस ने बताया कि इमारत को करीब चार साल पहले बनाया गया था. हालांकि, बिल्डिंग में अभी भी कुछ काम चल रहा था. शनिवार शाम को 4:45 बजे अचानक बिल्डिंग भरभराकर गिर गई. हादसे के वक्त ग्राउंड फ्लोर पर लोग काम कर रहे थे. राहत आयुक्त जीएस नवीन ने रविवार को बताया कि एसडीआरएफ ने बचाव अभियान के दौरान तीन लोगों के शव बरामद किए हैं, जिनकी पहचान राज किशोर (27), रुद्र यादव (24) और जगरूप सिंह (35) के रूप में हुई है. अब तक आठ लोगों की मौत हुई है.

मृतकों में जसप्रीत सिंह साहनी, धीरज गुप्ता, पंकज तिवारी, अरुण सोनकर, राकेश लखन पाल, राज किशोर, रुद्र यादव और जगरूप सिंह शामिल हैं. इसके साथ ही 5 महिलाओं समेत 28 लोग घायल हुए हैं. घायलों का लखनऊ के लोक बंधु अस्पताल समेत अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है.

अधिकारियों के अनुसार, इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर मोटर वर्कशॉप और गोदाम था. पहली मंजिल पर मेडिकल गोदाम और दूसरी मंजिल पर कटलरी का गोदाम था.

'गैर-हिंदुओं और रोहिंग्याओं का प्रवेश मना है', रुद्रप्रयाग में लगे पोस्टर, मचा बवाल

एजेंसी। रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले के कई गांवों में गैर हिंदुओं और रोहिंग्याओं के प्रवेश पर रोक लगाने के वाले साइनबोर्ड लगाए गए हैं. इसको लेकर राजनीति तेज हो गई है. वहीं पुलिस का कहना है कि अगर कोई माहौल बिगाड़ने की कोशिश करता है तो उस पर सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की जाएगी. ये मामला ऐसे समय में सामने आया है, जब बीते हफ्ते चमोली में हुई यौन शोषण की घटना के बाद स्थानीय लोगों ने समुदाय विशेष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और प्रशासन से कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था. आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन इसकी चिंगारी रुद्रप्रयाग तक पहुंच गई और सोनप्रयाग के गांव में पोस्टर लग गए, "गांव में गैर हिंदू-रोहिंग्याओं ने प्रवेश किया तो कार्रवाई होगी." रुद्रप्रयाग जिले के सिरसी गांव के रहने वाले अशोक सांवल का कहना है कि हम लोग नीचे काम करने के लिए आ जाते हैं और गांव में महिलाएं अकेली रहती हैं जिसकी वजह से वारदात होने का खतरा रहता है. इसलिए हमने पोस्टर लगाए जिससे बिना सत्यापन और बिना पहचान पत्र के कोई भी गांव में प्रवेश न कर पाए.

हरियाणा विधानसभा चुनाव : आप में उठे बगावत के सुर

सोमनाथ भारती ने कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी। नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच गठबंधन लगभग तय माना जा रहा है. इससे पहले ही ''आप'' के अंदर नाराजगी देखने को मिल रही है. सोमनाथ भारती ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने लिखा, हरियाणा में आप-कांग्रेस गठबंधन पर मुहर लगने से पहले आम आदमी पार्टी को मूल्यांकन करना चाहिए क्योंकि लोकसभा चुनाव के दौरान दिल्ली में ऐसा ही गठबंधन किया गया था. सोमनाथ भारती ने लिखा, मेरे राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने लोस चुनाव में तीनों कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए रोड शो किए, वहीं आप के वरिष्ठ नेताओं और कैबिनेट मंत्रियों ने तीनों कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया. लेकिन आप उम्मीदवारों, खासकर मुझे, दिल्ली कांग्रेस और स्थानीय नेताओं से बिल्कुल भी समर्थन नहीं मिला. दिल्ली कांग्रेस प्रमुख सरदार अरविंदर सिंह लवली समेत कई कांग्रेसी नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए.

स्थानीय नेताओं ने इस गठबंधन के खिलाफ काम किया

उन्होंने आगे लिखा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय माकन ने मिलने से भी इनकार कर दिया, मालवीय नगर से जितेन्द्र कोचर जैसे स्थानीय नेताओं ने इस गठबंधन के खिलाफ काम किया और कथित तौर पर पैसे के लिए भाजपा के सांसद उम्मीदवार के लिए वोट मांगे. हमारे संसदीय क्षेत्रों में कांग्रेस के वोटों को हमारे पक्ष में मजबूत करने के लिए राहुल गांधी, प्रियंका गांधी या मल्लिकार्जुन खड़गे के तरफ से कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया था. उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, आप के समर्थक इस तरह के बेमेल और स्वार्थी गठबंधन के पक्ष में नहीं हैं और आप को हरियाणा, पंजाब और दिल्ली में सभी सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ना चाहिए.

बर्थडे स्पेशल 16 की उम्र में आशा भोसले ने घर से बगावत कर 15 साल बड़े लड़के से रचायी थी शादी

आशा की जिंदगी गानों की तरह, कभी शोख तो कभी बेबाक

लगातार डेस्क

म्यूजिक इंडस्ट्री की लिविंग लीजेंड आशा भोसले उम्मीद की वो किरण हैं, जिनकी आवाज में ऐसा जादू है, जो एक बार कानों में पड़ जाए तो दिल को सुकून और मन को चैन आ जाता है. आज ये सुरों की मलिका 91 साल की हो गयीं. वह केवल एक गायिका नहीं हैं, बल्कि खुद में एक पूरा युग हैं. खनकती आवाज की मलिका आशा भोसले ने बॉलीवुड को एक अलग पहचान दी है. आशा भोसले ने 'हाय झुमका गिरा रे बरेली के बाजार में', 'मार गयी मुझे तेरी जुदाई', 'पिया तू अब तो आजा शोला सा मन दहके आके बुझा जा' जैसे कई ब्लॉकबस्टर सॉन्ग में सुरों का ऐसा समा बांधा, जिसे आज भी लोग सुनना पसंद करते हैं. आशा भोसले के 91वें जन्मदिन पर कई लोगों ने सोशल मीडिया पर बधाई दी है. फैंस भी आशा भोसले को बधाई देते और उनकी तारीफ करते थक नहीं रहे हैं.

'सुरों की मलिका' आशा भोसले की प्रोफेशनल लाइफ तो काफी अच्छी रही. लेकिन उनकी पर्सनल लाइफ काफी उतार चढ़ाव भरा रहा. उनकी लाइफ में पहला विवाद तब हुआ, जब उन्हें अपने से 15 साल बड़े शख्स से प्यार हुआ. उन्होंने घर वालों की मर्जी के खिलाफ जाकर मात्र 16 साल की उम्र में उससे शादी कर ली. उन्होंने अपनी बहन लता मंगेशकर के सेक्रेटरी गणपत राव से शादी की थी. इसकी वजह से आशा और लता मंगेशकर के बीच काफी विवाद हुआ, जो काफी समय तक चलता रहा. कहा जाता है कि इस शादी से लता मंगेशकर और उनका परिवार खुश नहीं था. हालांकि गणपत राव से आशा का रिश्ता ज्यादा वक्त तक नहीं चला. कुछ दिनों बाद वह दोनों अलग हो गये.

91 की हुईं आशा भोसले

1940 के दशक में बॉलीवुड इंडस्ट्री में करियर की शुरुआत की

आशा ने 1940 के दशक में बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की. वह पिछले आठ दशकों से गायन के क्षेत्र में सक्रिय हैं. उन्हें दो राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा जा चुका है. उन्होंने हिंदी, मराठी, तमिल और बंगाली समेत कई भाषाओं में गाना गाया है. आशा ने अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जीया. आशा की जिंदगी उनके गानों की तरह ही शोख, कभी संजीदा तो कभी बेबाक रही. आशा ने गाने ऐसे चुने जो उस दौर के हिसाब से बोल्ड और अलहदा थे. लता मंगेशकर की इस छोटी बहन ने अपनी पहचान बनाने के लिए बड़ा संघर्ष किया. आशा भोसले आज भी अपना जीवन उसी बेबाकी भरे अंदाज में जी रही हैं, जैसी जवानी में जीती थीं.

पहली भारत-खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) विदेश मंत्रियों की बैठक में होंगे शामिल

विदेश मंत्री एस जयशंकर पहुंचे सऊदी अरब, मंत्री अब्दुल मजीद ने गर्मजोशी से किया स्वागत

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर रविवार को दो दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब पहुंचे हैं. यहां रियाद में पहली भारत-खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) विदेश मंत्रियों की बैठक है, जिसमें एस जयशंकर भाग लेंगे. सऊदी अरब के प्रोटोकॉल मामलों के उप मंत्री अब्दुल मजीद अल स्मारी ने जयशंकर का गर्मजोशी से स्वागत किया. एस जयशंकर एस जयशंकर ने एक्स पोस्ट पर इसकी जानकारी दी है. उन्होंने लिखा कि प्रथम भारत-खाड़ी सहयोग परिषद विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए सऊदी अरब के रियाद पहुंचे. प्रोटोकॉल मामलों के उप मंत्री अब्दुल मजीद अल स्मारी को गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद.

भारत और सऊदी अरब के बीच रक्षा सहयोग पर हुई थी जेसीसी की छठी बैठक : बता दें कि भारत और सऊदी अरब के बीच रक्षा सहयोग पर संयुक्त समिति (जेसीसी) की छठी बैठक 4 सितंबर को आयोजित की गयी थी. दोनों देशों ने लंबे समय से चले आ रहे बहुआयामी रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए नये अवसरों पर चर्चा की. सैन्य, प्रशिक्षण, रक्षा उद्योग, अनुसंधान एवं विकास आदि क्षेत्रों में सहयोग के दायरे का विस्तार करने के लिए विस्तृत विचार-विमर्श किया गया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)